www.shabdawanisamachar.page

राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

RNI NO. DELHI/2003/09049

दैनिक शब्दवाणी समाचार

नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत

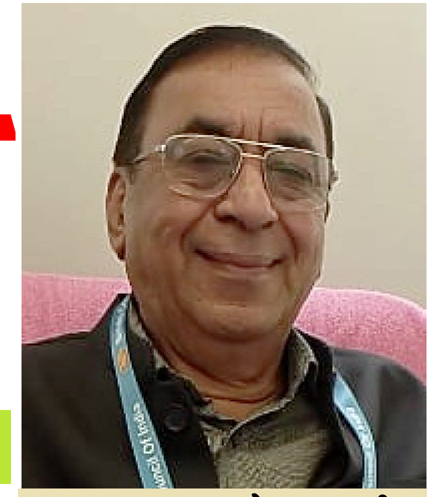

सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

वर्षः 24 अंकः 265 नई दिल्ली, सोमवार , 20 जुलाई, 2026 पृष्ठः संख्या 12 मूल्यः 10 रुपये

Dedicated to Sindhi Council of India

सार संक्षेप

राउत ने दल-बदल को 'शृंखलाबद्ध राजनीतिक हत्या' बताया

मुंबई। महाराष्ट्र के सियासी अखाड़े में जारी जुबानी जंग और तेज करते हुए शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला है। मौजूदा शासन की तुलना 'तानाशाही' से करते हुए उन्होंने सत्ताधारी गठबंधन पर 'राजनीतिक शृंखलाबद्ध हत्या' में शामिल होने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार का अस्तित्व लोकतांत्रिक ताने-बाने को नष्ट करने पर टिका है। श्री शिंदे के नेतृत्व वाले गुट की वैधता पर सवाल उठाते हुए श्री राउत ने कहा, 'दाढ़ी रखने से कोई आचार्य विनोबा भावे नहीं बन जाता।'

पटाखा फैक्ट्री में हुए धमाका मामले का मुख्य आरोपी धरा

अहमदाबाद। अहमदाबाद के रामोल इलाके में जिस अवैध पटाखा फैक्ट्री में ब्लास्ट हुआ था, उसके कथित ऑपरेटर को गिरफ्तार कर लिया गया है। फैक्ट्री में हुए धमाके में नौ लोगों की मौत हो गई थी। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने जांच तेज कर दी है और बिना जरूरी लाइसेंस और सेफ्टी अप्रूवल के यूनिट चलाने के आरोपियों के खिलाफ क्रिमिनल केस दर्ज किया है। रविवार को यहां एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में अहमदाबाद पुलिस यह जानकारी दी।

राम मंदिर ट्रस्ट की 22 जुलाई को अहम बैठक

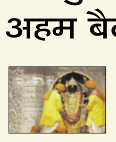

अयोध्या। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण के बीच श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने 22 जुलाई को शाम 4 बजे अपने सभी ट्रस्टियों की एक बैठक बुलाई है। बैठक अयोध्या में मणिराम दास छावनी में होगी। राम मंदिर ट्रस्ट के अंतरिम महासचिव कृष्ण मोहन द्वारा रविवार को जारी एक सर्कुलर में मंदिर समिति ने बताया कि बैठक में स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम (एसआईटी) की आने वाली अंतिम रिपोर्ट पर चर्चा होगी। उसी दिन, यानी 22 जुलाई को दोपहर 3 बजे ट्रस्ट की एक और विशेष बैठक भी तय की गई है। बैठक के दौरान मंदिर ट्रस्ट के पहले मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) की नियुक्ति पर भी चर्चा होने की उम्मीद है।

मनजोत कालरा को 31 तक न्यायिक हिरासत में भेजा गया

कोलंबो। भारत के पूर्व अंडर 19 खिलाड़ी मनजोत कालरा को कोलंबो की मजिस्ट्रेट अदालत ने 31 जुलाई तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। श्रीलंका पुलिस ने इसकी पुष्टि की है। उन्हें 16 जुलाई को 2026 लंका प्रीमियर लीग सीजन से जुड़े भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ़्तार किया गया था। कालरा उद्यमी मयंक गोयल के साथ जाफ़ना किंग्स फ्रेंचाइज़ी के सह-मालिक हैं।

सर्वदलीय बैठक : सरकार ने विपक्ष से की विधेयकों पर सार्थक चर्चा और सुचारू संचालन में सहयोग की अपील

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। संसद के मानसून सत्र से एक दिन पहले रविवार को केंद्र सरकार ने सर्वदलीय बैठक बुलाकर सभी राजनीतिक दलों से सदन की कार्यवाही सुचारु रूप से चलाने में सहयोग की अपील की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में सरकार ने विपक्ष से महत्वपूर्ण विधेयकों पर सार्थक चर्चा और सकारात्मक सहयोग का आग्रह किया। बैठक के दौरान विपक्षी दलों ने अलग गुट बनाने वाले सदस्यों के प्रतिनिधियों को आमंत्रित किए जाने पर आपत्ति दर्ज कराई। विरोध स्वरूप विपक्ष के कुछ नेताओं ने कुछ समय के लिए सांकेतिक बहिर्गमन भी किया। हालांकि बाद में वे बैठक में वापस लौट आए और चर्चा में शामिल हुए।संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू की ओर से बुलाई गई इस बैठक में केंद्रीय मंत्री एवं राज्यसभा में सदन के नेता जेपी नड्डा, संसदीय कार्य राज्यमंत्री अर्जुन राम मेघवाल और डॉ. एल. मुरुगन सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। बैठक में 40 राजनीतिक दलों के कुल 58 नेताओं ने हिस्सा लिया।

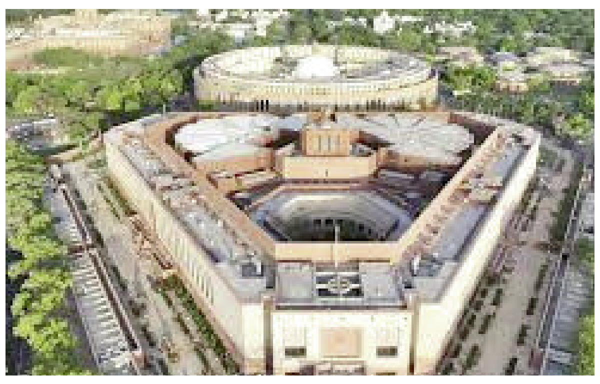

संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक की शुरूआत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की प्रारंभिक टिप्पणी से हुई। इसके बाद संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक का संचालन किया। बैठक के समापन पर रक्षा मंत्री ने सभी नेताओं को उनकी उपस्थिति, सुझाव और सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। रिजिजू ने सभी राजनीतिक दलों से संसद के दोनों सदनों का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने में सहयोग की अपील की। उन्होंने कहा कि सरकार संसद के नियमों के तहत अनुमत सभी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सदन में चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने विपक्ष से आग्रह किया कि वह आगामी सत्र के दौरान विधायी कार्यों में रचनात्मक भूमिका निभाए। संसदीय कार्य मंत्रालय के अनुसार, बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने मानसून सत्र के दौरान उठाए जाने वाले मुद्दों पर अपने विचार रखे।

कई दलों ने सरकार के समक्ष अपनी प्राथमिकताएं और चिंताएं साझा कीं। सरकार ने सभी सुझावों को गंभीरता से सुनने की बात कही। बैठक के बाद पत्रकारों से बातचीत में संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि सभी दलों से संसद को सुचारु रूप से चलाने और विधेयकों पर सार्थक चर्चा में भाग लेने का अनुरोध किया गया है। उन्होंने बताया कि मानसून सत्र के दौरान सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयक सदन में पेश करने जा रही है और विपक्ष से आग्रह किया गया है कि वह इन पर सकारात्मक चर्चा कर उन्हें पारित कराने में सहयोग करे।

वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक आज राज्यसभा में होगा पेश

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। केन्द्रीय गृहमंत्री सोमवार को राज्यसभा में राष्ट्रगीत वंदेमातरम को राष्ट्रगान के समान दर्जा देने वाला विधेयक पेश करेंगे। इस अधिनियम के तहत राष्ट्रीय ध्वज और संविधान का अपमान तथा राष्ट्रगान में बाधा डालना दंडनीय अपराध होगा।

राज्यसभा की कल की कार्यसूची में इसकी जानकारी दी गई है। विधेयक 1971 के राष्ट्रीय गौरव अपमान निवारण अधिनियम, 1971 को संशोधित करेगा। यह विधेयक राष्ट्रगीत वंदेमातरम को भी राष्ट्रगान की ही तरह सम्मान देने के उद्देश्य से लाया जायेगा। अपमान करने वाले को तीन साल की सजा का प्रावधान है। इसमें गायन से जुड़ी अनिवार्यता के भी प्रावधान हैं।

दूसरी ओर लोकसभा में केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल उच्चतम न्यायालय में जजों की संख्या बढ़ाए जाने से जुड़े विधेयक को पेश करेंगे। इसका उद्देश्य देश की शीर्ष अदालत में जजों की संख्या को 33 से 37 करना है।

संसद का मानसून सत्र आज से आरंभ होने जा रहा है। सुबह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मीडिया के समक्ष सभी दलों से कार्यवाही को सुचारू चलाने की अपील करते हुए अपना वक्तव्य देंगे। मानसून सत्र के पहले दिन लोकसभा में फादर अमीर के नाम से जाने जाने वाले कतर के पूर्व अमीर शेख हमद बिन खलीफा अल-थानी को श्रद्धाजली दी जाएगी। लोकसभा की कार्यसूची के अनुसार छह पूर्व सदस्यों सहित उन्हें श्रद्धांजलि दी जाएगी।

बंगाल में अराजकता का माहौल : अभिषेक

पुलिस पर गैर-कानूनी तोड़-फोड़ का आरोप लगाया

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने आरोप लगाया है कि पश्चिम बंगाल पुलिस और भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका ऑफिस तोड़कर वहां रखा सामान और दस्तावेज हटा दिए हैं जबकि यह मामला अभी कलकत्ता हाई कोर्ट में लंबित है।

श्री बनर्जी ने सोशल मीडिया पर रविवार को एक पोस्ट में दावा किया कि तथाकथित 'बुलडोज़र से तोड़-फोड़' की इस कार्रवाई में उच्चतम न्यायालय और उच्च न्यायालय के निर्देशों को नज़रअंदाज़ किया गया है और यह राज्य में व्याप्त 'अराजकता' का उदाहरण है। उन्होंने लगाया कि अमतला में उनके लोकसभा क्षेत्र के ऑफिस को कानून का उल्लंघन करते हुए तोड़ा गया। श्री बनर्जी ने कहा, 'बंगाल में

- बंगाल में पुलिस की वर्दी में हो रही चोरी

अराजकता साफ दिख रही है। उन्होंने आरोप लगाया, 'वीडियो में पश्चिम बंगाल पुलिस को भाजपा के लोगों के साथ मिलकर लैपटॉप, प्रिंटर, दस्तावेज़, टेबल, कुर्सियाँ और अन्य फर्नीचर से भरे बक्से ले जाते हुए देखा जा सकता है। यह तोड़-फोड़ नहीं थी बल्कि यह वर्दी में चोरी थी, जिसे कानून के शासन के प्रति पूरी तरह से अनादर दिखाते हुए और उच्च न्यायालय में मामला विचाराधीन होने के बावजूद अंजाम दिया गया।

कोलकाता हाई कोर्ट ने रोक लगाई

शनिवार को जिला प्रशासन ने इमारत का अगला हिस्सा बुलडोजर से गिरा दिया था। आरोप था कि यह बिना मंजूरी के बना था। हालांकि रविवार को कोलकाता हाईकोर्ट ने इस तोड़-फोड़ पर रोक लगा दी है। साथ ही इसे अगली सुनवाई तक ज्यों का त्यों रखने का आदेश दिया है।

मप्र कैबिनेट ने समान नागरिक विधेयक-2026 के प्रस्ताव को दी मंजूरी

भोपाल, 19 जुलाई (हि.स.)। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार को भोपाल जिले के रियासतकालीन नगर जगदीशपुर में हुई कैबिनेट की बैठक में समान नागरिक संहिता (यूनिफॉर्म सिविल कोड-यूसीसी) विधेयक-2026 के प्रारूप को सर्वसम्मति से मंजूरी दे दी गई। अब सोमवार, 20 जुलाई से शुरू हो रहे मध्य प्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र में इसे सदन के पटल पर पेश किया जाएगा।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस फैसले पर मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों और प्रदेशवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सरकार विधेयक को विधानसभा में पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने कहा कि समानता भारतीय संस्कृति और मूल्यों का अभिन्न हिस्सा रही है। इसी भावना के अनुरूप सरकार ने यह कदम उठाया है। विधानसभा में विधेयक पेश होने के बाद उस पर चर्चा होगी और सदन की मंजूरी मिलने के बाद आगे की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

उन्होंने कहा कि आज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को सदन में पेश करने का फैसला लिया गया है। यूसीसी के जरिए राज्य में सभी को बराबरी का दर्जा मिल जाएगा, जिनमें राम और रहीम भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यूसीसी लागू करने से पहले हम जनता बीच गए। दो महीने तक जनता से

फीडबैक लिया। छह सदस्यीय कमेटी गठित की, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक हर तरह के प्रतिनिधि से राय ली गई। इस पर चर्चा के लिए सभी को बुलाया, लेकिन कांग्रेस के लोग नहीं आए, क्योंकि उन्हें हर मौके पर हिंदू-मुस्लिम करना है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि यूसीसी पर नौ लाख 58 हजार सुझाव आए। इनमें 93.54प्रतिशत लोगों ने प्रदेश में इस कानून का समर्थन किया। उन्होंने बताया कि 80 फीसदी मुस्लिम बहनों और 40 प्रतिशत मुस्लिम भाइयों ने भी एक समान कानून की मांग की है।

यूसीसी के प्रस्ताव में प्रावधान किया गया है कि प्रदेश में विवाह सिर्फ एक ही मान्य होगा। दूसरा विवाह नहीं चलेगा। तलाक की प्रक्रिया भी कानूनी होगी। उत्तराधिकार का चयन कानून से होगा। महिला और पुरुष को समान अधिकार मिलेंगे। लिव-इन रिलेशन में एक महीने में पंजीकरण अनिवार्य होगा। इसमें प्रावधान में है कि 21 साल का लड़का और 18 वर्ष से अधिक उम्र की लड़की ही लिव इन में रह सकेगी। आदिवासी समाज को इस कानून में अपवाद रखा गया है। विवाह का रजिस्ट्रेशन ग्रामीण स्तर तक अनिवार्य होगा। शादीशुदा व्यक्ति लिव-इन में रहता है तो 5 साल की सजा हो सकती है। भेद भाव पूर्ण प्रथाओं को रोकने का प्रयास किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह बात सही है कि भारतीय संस्कृति में सभी के लिए समान सम्मान है। हमारी सोच, संवेदना समान हो और हम एक उदाहरण पेश करें। सबका साथ-सबका विश्वास और सबका विकास की सोच पर हम आगे बढ़ रहे हैं। जब परमात्मा और प्रकृति भेद नहीं करते तो फिर कैसे हम भेद कर सकते हैं। उन्होंने विपक्ष से अपील की कि वे इस कानून को लागू करने में समर्थन दें। उन्होंने कहा कि विभाजन को विश्वास में बदलना इस कानून का मुख्य लक्ष्य है।

सफदरजंग अस्पताल में ही भर्ती रहेंगे वांगचुक

दिल्ली हाईकोर्ट ने अंतरिम राहत देने से किया इनकार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक को सफदरजंग अस्पताल से निजी अस्पताल मेदांता स्थानांतरित किए जाने की मांग पर फिलहाल राहत देने से इनकार कर दिया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि मौजूदा परिस्थितियों में वांगचुक का इलाज सरकारी अस्पताल सफदरजंग में ही जारी रहेगा। कोर्ट ने उनकी पत्नी गीतांजलि आंगमो की याचिका पर केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली पुलिस को नोटिस जारी किया है। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी। जस्टिस मिनी पुष्कर्णा की बेंच ने सुनवाई के दौरान कहा कि सोनम वांगचुक को स्वास्थ्य कारणों से अस्पताल में भर्ती करने का निर्णय पूरी तरह कानून के दायरे में लिया गया था। अदालत ने यह भी कहा कि हर जीवन अनमोल है और वांगचुक के इलाज में किसी तरह की लापरवाही नहीं बरती जा रही है।

कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सोनम वांगचुक इलाज के दौरान डॉक्टरों का सहयोग करेंगे। यदि वह चिकित्सकीय आवश्यकता के अनुरूप दवाएं लेने से इनकार करते हैं, तो डॉक्टर

- सरकार-पुलिस से जवाब मांगा
- 24 जुलाई को अगली सुनवाई

उनके स्वास्थ्य हित में आवश्यक उपचार उपलब्ध कराएंगे। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि उनकी सेहत को लेकर अंतिम निर्णय अस्पताल की मेडिकल टीम ही करेगी। साथ ही कहा गया कि सफदरजंग अस्पताल में डॉक्टर लगातार उनकी निगरानी कर रहे हैं और ऐसा कोई आधार नहीं है जिससे यह कहा जा सके कि उन्हें जबरन दवा या इलाज दिया जा रहा है।

सरकार की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल चेतन शर्मा ने अदालत को बताया कि वांगचुक की तबीयत बिगड़ने और शरीर में पोटैशियम की गंभीर कमी को देखते हुए उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

वांगचुक को अपनी पसंद का अस्पताल चुनने का अधिकार : सिब्बल

वांगचुक की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने दलील दी कि उनके मुवक्किल के खिलाफ कोई आपराधिक मामला नहीं है और उन्हें अपनी पसंद के अस्पताल और डॉक्टर चुनने का अधिकार है। उन्होंने कहा कि यहां उनके निजी डॉक्टर और वकीलों को मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही, इसलिए उन्हें मेदांता अस्पताल भेजा जाए। इस पर अदालत ने पूछा कि सरकारी डॉक्टरों पर संदेह क्यों किया जा रहा है। सिब्बल ने जवाब दिया कि उनका उद्देश्य डॉक्टरों पर सवाल उठाना नहीं, बल्कि वांगचुक को ऐसा माहौल उपलब्ध कराना है जहां परिवार, मित्र और वकील उनसे आसानी से मिल सकें।

बैंक धोखाधड़ी मामला

सीबीआई ने चार राज्यों में की छापेमारी

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने 1109 करोड़ रुपए की बैंक धोखाधड़ी के मामले में 18 जुलाई को पश्चिम बंगाल, ओडिशा, तमिलनाडु और उत्तराखंड में छह स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। यह कार्रवाई ओडिशा के भुवनेश्वर स्थित एम/एस गुप्ता पावर इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के खिलाफ दर्ज मामले में की गई। सीबीआई के अनुसार, कंपनी पर केनरा बैंक के साथ 1109 करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। जांच में सामने आया है कि कंपनी ने बैंक से विभिन्न फंड आधारित और गैर फंड आधारित वित्तीय सुविधाएं प्राप्त करने के दौरान कथित रूप से स्टॉक का मूल्य बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया, व्यापारिक देय राशि को कृत्रिम रूप से बढ़ाया।

बांग्लादेश में खसरे का कहर, चार और बच्चों की मौत से मृतकों की संख्या 788 पहुंची

ढाका। बांग्लादेश में खसरे (मीजल्स) का प्रकोप लगातार गंभीर होता जा रहा है। पिछले 24 घंटे में खसरे जैसे लक्षणों के कारण चार और बच्चों की मौत हो गई, जिससे इस बीमारी से जुड़ी कुल पुष्ट और संदिग्ध मौतों की संख्या बढ़कर 788 हो गई है। स्थानीय मीडिया के अनुसार हाल में हुई सभी चार मौतें संदिग्ध खसरा मामलों की हैं। अब तक 693 संदिग्ध और 95 प्रयोगशाला से पुष्टि किए गए खसरा जनित मौतों की पुष्टि हो चुकी है। इसी अवधि में 938 नए संदिग्ध मरीज सामने आए, जिसके बाद देश में संदिग्ध मामलों की कुल संख्या 1,17,648 हो गई है। अब तक 113 नए लैब-पुष्ट मामले मिलने से कुल पुष्ट संक्रमितों की संख्या 14,431 तक पहुंच गई है। स्वास्थ्य महानिदेशालय (डीजीएचएस) के अनुसार 15 मार्च से अब तक 1,00,137 संदिग्ध मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इनमें से 96,521 मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि शेष का इलाज जारी है।

अमेरिकी सेना ने दी जानकारी

ईरानी हमले में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत, एक लापता

वाशिंगटन, 19 जुलाई (एजेंसियां)। जॉर्डन में अमेरिकी और सहयोगी देशों के सैन्य ठिकानों पर ईरान के बैलिस्टिक मिसाइल एवं ड्रोन हमलों में दो अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं और एक अन्य सैनिक लापता है। अमेरिकी सेना ने रविवार (भारतीय समयानुसार) को यह जानकारी दी। मार्च के बाद यह पहली बार है जब ईरान की प्रत्यक्ष सैन्य कार्रवाई में अमेरिकी सैनिकों की मौत हुई है।

सैनिकों की मौत के बाद ईरान पर ताबड़तोड़ हमले

अमेरिकी सेना ने सैनिकों के मारे जाने के जवाब में ईरान के खिलाफ नए हवाई हमले शुरू कर दिए हैं। सेंटकॉम ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर इसकी जानकारी दी।

राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के पुनर्गठन की मांग, निमोर्ही अखाड़ा ने सुप्रीम कोर्ट में दायर की याचिका

नई दिल्ली। निमोर्ही अखाड़ा ने अयोध्या के श्री राम मंदिर के प्रबंधन का काम देखने वाली श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का पुनर्गठन करने की मांग करते हुए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की है। निमोर्ही अखाड़ा की याचिका में ट्रस्ट बोर्ड की ओर से संपत्ति के हस्तांतरण और वित्तीय लेनदेन की फॉरेंसिक जांच की मांग की गई है।

ये याचिका हाल में श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दान की कथित चोरी की घटनाओं के प्रकाश में आने के बाद दायर की गई है। निमोर्ही अखाड़ा की याचिका में मांग की गई है कि मंदिर में स्थापित नई मूर्ति की जगह पहले से मौजूद 1950 और 1982 की मूर्तियों को फिर से स्थापित किया जाए। ये

याचिका उस याचिका के संदर्भ में दाखिल की गई है, जिस पर पांच सदस्यीय संविधान बेंच ने फैसला सुनाया था।

निमोर्ही अखाड़ा ने याचिका में कहा है कि राम मंदिर पर उच्चतम न्यायालय के 2019 के फैसले का अक्षरशः पालन नहीं किया गया। एक निजी ट्रस्ट का गठन किया गया और कुछ नामित सदस्यों ने और कुछ पदेन सदस्यों के साथ एक निजी ट्रस्ट का गठन किया गया था। इन्हीं में से कुछ लोगों द्वारा भगवान की संपत्ति में हेराफेरी की गई हो सकती है।उच्चतम न्यायालय ने श्री राम जन्मभूमि मंदिर के चढ़ावे की कथित चोरी की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के नेतृत्व में एसआईटी से जांच की मांग करने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए 13 जुलाई को ट्रस्ट और उत्तर प्रदेश सरकार को नोटिस जारी किया था। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने एसआईटी के गठन से जुड़े रिकॉर्ड तलब किया था।

शिवालिक विश्वविद्यालय ने निर्माण 2047 अभियान किया शुरू

पटना। विकसित भारत 2047 के राष्ट्रीय विजन और राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के लिए तैयार करने के उद्देश्य से शिवालिक विश्वविद्यालय ने निर्माण 2047 अभियान का शुभारंभ किया। राजधानी के एक होटल में आयोजित प्रधानाचार्य सम्मेलन में इस पहल की शुरूआत हुई। कार्यक्रम का आयोजन एनआईआईटी फाउंडेशन और पाटलिपुत्र सहोदय स्कूल कॉम्प्लेक्स के सहयोग से किया गया। सम्मेलन में बिहार के 150 से अधिक विद्यालयों के चेयरमैन, निदेशक और प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। शिवालिक विश्वविद्यालय के वाइस चेयरमैन अजय कुमार ने बताया कि शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के दौरान चरणबद्ध तरीके से 50 से अधिक विद्यालयों में यह कार्यक्रम संचालित किया जाएगा। इसके तहत कक्षा 9 से 12 तक के विद्यार्थियों के लिए 12 घंटे का पूर्णतः निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण आयोजित होगा। प्रशिक्षण में कृत्रिम बुद्धिमत्ता, साइबर सुरक्षा, डिजिटल सुरक्षा, नवाचार, डिजाइन थिंकिंग और समस्या समाधान जैसे विषय शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

बिना अनुमति संसद मार्च को लेकर दिल्ली पुलिस ने जारी की चेतावनी, सीजेपी करने वाली है मार्च

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली पुलिस ने सोमवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रस्तावित संसद मार्च को लेकर सार्वजनिक परामर्श जारी किया है। पुलिस का कहना है कि किसी भी विरोध मार्च या जुलूस के लिए न तो अनुमति मांगी गई है और न ही दी गई है। नई दिल्ली जिले में लागू निषेधाज्ञा के कारण बिना अनुमति ऐसे आयोजन प्रतिबंधित हैं। दिल्ली पुलिस के सार्वजनिक परामर्श में कहा गया है कि नई दिल्ली जिले में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 (आईपीसी 144) के तहत निषेधाज्ञा लागू है। इसके तहत पांच या उससे अधिक लोगों के विरोध मार्च, जुलूस, प्रदर्शन और सभा पर रोक है। केवल जंतर-मंतर स्थित निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर पूर्व अनुमति के साथ ही प्रदर्शन किया जा सकता है। पुलिस ने कहा कि 20 जुलाई से संसद का सत्र शुरू होने के कारण सार्वजनिक सुरक्षा, संरक्षित व्यक्तियों की सुरक्षा और महत्वपूर्ण सरकारी प्रतिष्ठानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए कड़े सुरक्षा प्रबंध किए गए हैं। परामर्श में चेतावनी दी गई है कि निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 223 तथा अन्य लागू कानूनी प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जाएगी।

सेक्सटॉर्शन गैंग का भंडाफोड़, 5.80 लाख की साइबर ठगी मामले में तीन आरोपित गिरफ्तार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की साइबर थाना पुलिस ने सेक्सटॉर्शन के जरिए 5.80 लाख रुपये की ठगी करने वाले गिरोह का पदार्फाश करते हुए तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड बरामद किया है। शुरूआती जांच में सामने आया है कि आरोपित राजस्थान के मेवात क्षेत्र से संचालित एक संगठित सेक्सटॉर्शन सिंडिकेट से जुड़े हुए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है। पुलिस के अनुसार, गंगा विहार निवासी एक व्यक्ति ने शिकायत दी थी कि 6 मई 2026 को उसे व्हाट्सएप पर एक अज्ञात महिला की वीडियो कॉल आई। महिला ने खुद को उसकी सोशल मीडिया फ्रेंड बताकर बातचीत शुरू की और बातचीत के दौरान उसका आपत्तिजनक वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद पीड़ित को अलग-अलग नंबरों से लगातार कॉल आने लगीं। कॉल करने वाले खुद को पुलिस अधिकारी, सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के अधिकारी और सरकारी एजेंसियों का कर्मचारी बताकर धमकाने लगे। आरोपियों ने वीडियो वायरल करने, कानूनी कार्रवाई कराने और गिरफ्तार करवाने की धमकी देकर पीड़ित से अलग-अलग बैंक खातों, यूपीआई आईडी और क्यूआर कोड के जरिए करीब 5.80 लाख रुपये वसूल लिए। ठगी का एहसास होने पर पीड़ित ने उत्तर-पूर्वी जिले के साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस ने बैंक अकाउंट और डिजिटल ट्रांजैक्शन की तकनीकी व वित्तीय जांच शुरू की। जांच के दौरान ठगी की रकम जिन बैंक खातों में पहुंची थी, उनके आधार पर दो आरोपियों की पहचान की गई। इसके बाद पुलिस ने क्रमवार तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपितों में से एक बैंक खाते उपलब्ध कराता था, दूसरा खातों के संचालन में मदद करता था, जबकि तीसरा एटीएम से ठगी की रकम निकालने का काम करता था। गिरफ्तार आरोपितों की पहचान हरियाणा के फरीदाबाद निवासी इमरान (23), कुनाल (22) और राजेश (18) के रूप में हुई है। इमरान के पास से वारदात में इस्तेमाल किया गया एक मोबाइल फोन और सिम कार्ड भी बरामद किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पूछताछ में आरोपियों ने राजस्थान के मेवात क्षेत्र से संचालित एक संगठित सेक्सटॉर्शन नेटवर्क के बारे में जानकारी दी है। अब पुलिस इस गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की पहचान कर उनकी तलाश में जुटी है। अधिकारियों का कहना है कि मामले में वित्तीय लेनदेन, बैंक खातों और डिजिटल ट्रेल की गहन जांच की जा रही है, ताकि पूरे नेटवर्क का खुलासा किया जा सके।

दिल्ली सरकार हर घर तिरंगा अभियान में एसएचजी से तैयार कराएगी दो लाख तिरंगे, 15 लाख वितरित करने का लक्ष्य

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हर घर तिरंगा-2026 अभियान को जनभागीदारी, देशभक्ति और राष्ट्रीय एकता की भावना से जोड़ने के लिए तैयारी कर रही है। इस अभियान में दिल्ली के स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को महत्वपूर्ण भागीदार बनाया गया है। दिल्ली सरकार पात्र स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से करीब दो लाख राष्ट्रीय ध्वज तैयार कराएगी। इन समूहों से तैयार किए गए तिरंगों का उपयोग इस अभियान में किया जाएगा। दिल्ली सरकार का पूरी दिल्ली में 15 लाख से अधिक राष्ट्रीय ध्वज वितरित करने का लक्ष्य है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने रविवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि हर घर तिरंगा अभियान केवल राष्ट्रीय ध्वज फहराने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह देशभक्ति, राष्ट्रीय एकता और जनभागीदारी की भावना को मजबूत करने का अवसर भी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार इस अभियान को समाज के हर वर्ग की भागीदारी से सफल बनाने के साथ-साथ स्वयं सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वयं सहायता समूहों को राष्ट्रीय ध्वज निर्माण से जोड़ने का निर्णय सरकार की उस सोच का हिस्सा है, जिसमें जनकल्याणकारी अभियानों के साथ आजीविका के अवसरों को भी जोड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय ध्वज तैयार करने वाले स्वयं सहायता समूहों के सदस्य देश के गौरव और राष्ट्रीय एकता के प्रतीक तिरंगे के निर्माण में सीधे योगदान देंगे। इससे उन्हें आर्थिक अवसर मिलने के साथ ही देशव्यापी अभियान का हिस्सा बनने का गौरव भी प्राप्त होगा। राज्य शहरी आजीविका मिशन (एसयूएलएम), दिल्ली सरकार द्वारा चिन्हित और संगठित पात्र स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से दो लाख राष्ट्रीय ध्वज तैयार किए जाएंगे। एसयूएलएम शहरी गरीबों की आजीविका को मजबूत करने के लिए स्वयं सहायता समूहों को बढ़ावा देने, कौशल विकास, उद्यमिता और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में काम कर रहा है। राष्ट्रीय ध्वज निर्माण से इन समूहों को अपनी सामुदायिक संस्थाओं के माध्यम से प्रत्यक्ष रूप से योगदान देने और स्थायी आजीविका के अवसरों को मजबूत करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास और जनभागीदारी को साथ लेकर आगे बढ़ना है। स्वयं सहायता समूहों को हर घर तिरंगा अभियान से जोड़कर दिल्ली सरकार सामुदायिक संस्थाओं को मजबूत करने, आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा देने और नागरिकों की व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही है।

फतेहपुर बेरी में इवेंट मैनेजमेंट के गोदाम में भीषण आग, 15 दमकल गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद पाया काबू

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। दक्षिणी दिल्ली के फतेहपुर बेरी थाना क्षेत्र स्थित स्वरूप कॉलोनी में रविवार सुबह इवेंट मैनेजमेंट के सामान और फर्नीचर से भरे एक गोदाम में भीषण आग लग गई। आग की सूचना सुबह करीब 6:42 बजे दिल्ली दमकल विभाग को मिली। देखते ही देखते आग ने पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग ने चरणबद्ध तरीके से कुल 15 दमकल गाड़ियां मौके पर भेजा। दमकल विभाग के अनुसार, आग इवेंट मैनेजमेंट में इस्तेमाल होने वाले टेंट, सजावटी सामान और फर्नीचर के गोदाम में लगी थी। गोदाम में बड़ी मात्रा में ज्वलनशील सामान होने के कारण आग तेजी से फैल गई। शुरूआती प्रयासों के बाद आग की गंभीरता बढ़ने पर अतिरिक्त दमकल वाहनों को लगातार रवाना किया गया। राहत और बचाव कार्य के दौरान सबसे बड़ी चुनौती गोदाम तक पहुंचने वाली संकरी और पतली गलियां रहीं। बड़े दमकल वाहन अंदर तक नहीं पहुंच सके, जिसके चलते बाद में विशेष रूप से चार स्मॉल वाटर टेंडर भी भेजे गए। दमकल कर्मियों ने कई घंटे तक लगातार पानी की बौछार कर आग को फैलने से रोका।

अवैध संबंध के शक में कैंची से की हत्या, 48 घंटे बाद मुरादाबाद से दबोचा गया पति

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सीलमपुर थाना पुलिस ने गौतमपुरी में हुई महिला की हत्या के सनसनीखेज मामले का 48 घंटे के भीतर पदार्फाश कर दिया। पुलिस ने हत्या के बाद फरार हुए महिला के पति सलीम (52) को उप्र के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित ने पूछताछ में पत्नी के चरित्र पर शक और इसी बात को लेकर होने वाले घरेलू झगड़ों के चलते हत्या करने की बात स्वीकार की है। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कैंची और खून से सने कपड़े भी बरामद कर लिए हैं। पुलिस के अनुसार, 16 जुलाई की शाम करीब 7:32 बजे सीलमपुर थाने में गौतमपुरी की गली नंबर-9 में एक महिला की हत्या की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तो 45 वर्षीय महिला खून से लथपथ हालत में पड़ी मिली। उसके शरीर पर कई गंभीर चोटों के निशान थे। पुलिस उसे तुरंत जग प्रवेश चंद्र (जेपीसी) अस्पताल लेकर पहुंची, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना की गंभीरता को देखते हुए क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के विशेषज्ञों को मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर कई भौतिक और वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाए। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल भेज दिया गया।

मामले में सीलमपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 103(1) के तहत एफआईआर संख्या 265/26 दर्ज कर जांच शुरू की गई। शुरूआती जांच में पुलिस को पता चला कि वारदात के बाद से मृतका का पति सलीम घर से गायब है।

इसी आधार पर पुलिस का शक उसी पर गया। इसके बाद एसीपी सीलमपुर मलकीयत सिंह की निगरानी में इंस्पेक्टर नरपाल सिंह के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया।

जांच टीम ने आसपास और विभिन्न स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले, तकनीकी साक्ष्यों का विश्लेषण किया और मुखबिरों से मिली जानकारी के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू की। लगातार तकनीकी निगरानी और कई राज्यों में पीछा करने के बाद पुलिस ने आरोपी को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद रेलवे स्टेशन के पास से गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस जांच में सामने आया कि गिरफ्तारी से बचने के लिए आरोपी लगातार अपना ठिकाना बदल रहा था। वारदात के बाद वह आनंद विहार से मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, शाहजहांपुर और लखनऊ तक घूमता रहा। बाद में जब वह दोबारा मुरादाबाद लौटा तो पुलिस ने उसे दबोच लिया।

पूछताछ के दौरान आरोपित ने बताया कि उसकी पत्नी पहले एक गारमेंट फैक्टरी में काम करती थी। उसे शक था कि पत्नी का फैक्टरी में काम करने वाले एक सहकर्मी के साथ अवैध संबंध है। इसी शक को लेकर दोनों के बीच अक्सर विवाद होता था। 16 जुलाई को भी इसी बात पर दोनों के बीच तीखी बहस हुई। गुस्से में आकर उसने घर में रखी कैंची से पत्नी पर कई वार कर दिए। जब पत्नी निढाल होकर गिर गई तो उसने घर में ताला लगाया और मौके से फरार हो गया।

पुलिस ने आरोपित की निशानदेही पर हत्या में इस्तेमाल कैंची और वारदात के समय पहने गए खून से सने कपड़े बरामद कर लिए हैं। आरोपित का कोई आपराधिक रिकॉर्ड सामने नहीं आया है।

जहांगीरपुरी में युवक की चाकू मारकर हत्या, बचाने पहुंचे दो पुलिसकर्मियों पर भी हमला, चार आरोपित पकड़े

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के जहांगीरपुरी इलाके में शनिवार रात 20 वर्षीय युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। वारदात के दौरान युवक को भीड़ से बचाने पहुंचे दो पुलिसकर्मियों पर भी आरोपितों ने हमला कर दिया, जिससे दोनों को मामूली चोटें आईं। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को पकड़ लिया है। जिनमें तीन नाबालिग शामिल हैं। अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।.

उत्तर पश्चिमी जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने रविवार को बताया कि शनिवार रात करीब आठ बजे जहांगीरपुरी के बी-ब्लॉक में एक युवक के घायल अवस्था में पड़े होने की सूचना पीसीआर कॉल के जरिए मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को तुरंत बाबू जगजीवन राम (बीजेआरएम) अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक की पहचान बी-685, जहांगीरपुरी निवासी इरफान (20) के रूप में हुई है।

जांच में सामने आया कि घटना के समय बीट पेट्रोलिंग पर तैनात दो पुलिसकर्मियों ने काली माता मंदिर के पास एक भीड़ को इरफान के साथ मारपीट करते देखा। दोनों पुलिसकर्मी बिना अपनी सुरक्षा की परवाह किए भीड़ के बीच पहुंचे और युवक को बचाकर सुरक्षित स्थान पर ले जाने का प्रयास किया। इसी दौरान हमलावरों ने उनका पीछा किया, दोनों पुलिसकर्मियों से मारपीट की और फिर इरफान पर चाकुओं से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल इरफान ने बाद में अस्पताल में दम तोड़ दिया। हमले में दोनों पुलिसकर्मियों को भी हल्की चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही क्राइम टीम और फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम मौके पर पहुंची और घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने हत्या सहित संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान गठित कई टीमों ने कार्रवाई करते हुए चार आरोपितों को हिरासत में ले लिया, जिनमें तीन तीन नाबालिग शामिल हैं।

पेपर लीक के विरोध में 20 जुलाई को संसद मार्च करेगा सीजेपी, अभिजीत दीपके ने समर्थकों से की शांतिपूर्ण प्रदर्शन की अपील

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। परीक्षा प्रश्नपत्र लीक के मामलों को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग पर आंदोलन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने की घोषणा की है। पार्टी प्रमुख अभिजीत दीपके ने प्रस्तावित मार्च में बड़ी संख्या में शामिल होने के लिए समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करते हुए आंदोलन को पूरी तरह शांतिपूर्ण बनाए रखने का आह्वान किया है। दीपके ने रविवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी संदेश में कहा कि सभी समर्थक लोकतांत्रिक तरीके से अपनी आवाज उठाएं और किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या उकसावे से दूर रहें। उन्होंने कहा कि पार्टी का विरोध प्रदर्शन और संसद मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा।

उन्होंने कहा, मैं सभी समर्थकों से जंतर-मंतर पहुंचने की अपील करता हूं। हमारा विरोध प्रदर्शन और मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण रहेगा। यदि कोई व्यक्ति किसी प्रकार की गड़बड़ी करता है या नकारात्मक नारेबाजी करता है, तो वह न तो सोनम सर (सोनम वांगचुक) का समर्थक है और न ही सीजेपी का।

गौरतलब है कि पर्यावरणविद् सोनम वांगचुक पिछले 20 दिनों से जंतर-मंतर पर अनशन कर रहे थे। शनिवार सुबह उनकी तबीयत बिगड़ने पर दिल्ली पुलिस ने उन्हें उपचार के लिए सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटनाक्रम के बाद आंदोलन को लेकर राजनीतिक गतिविधियां और तेज हो गई हैं।

इस बीच दिल्ली पुलिस ने सीजेपी के सोशल मीडिया अभियान और प्रस्तावित प्रदर्शन से जुड़े कुछ मामलों में भी कार्रवाई की है। राजधानी में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है और पुलिस स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

सीजेपी के नेतृत्व में जंतर-मंतर पर जारी धरना-प्रदर्शन का मुख्य उद्देश्य परीक्षा प्रश्नपत्र लीक की घटनाओं की निष्पक्ष जांच, दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई तथा केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग है। पार्टी का आरोप है कि लगातार हो रही परीक्षा अनियमितताओं से लाखों छात्रों का भविष्य प्रभावित हुआ है और सरकार इस मुद्दे पर जवाबदेही तय करने में विफल रही है। इसी क्रम में सीजेपी ने 20 जुलाई को जंतर-मंतर से संसद तक मार्च निकालने का आह्वान किया है। पार्टी का कहना है कि यह मार्च पूरी तरह शांतिपूर्ण और लोकतांत्रिक तरीके से आयोजित किया जाएगा तथा सभी कार्यकताओं और समर्थकों से कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की गई है।

सोनम वांगचुक की पत्नी की याचिका पर अंतरिम आदेश देने से हाई कोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने जंतर-मंतर पर करीब बीस दिनों तक अनशन पर बैठने वाले सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि आंग्मो की याचिका पर कोई भी अंतरिम आदेश देने से इनकार कर दिया। आज, रविवार को जस्टिस मिनी पुष्करणा की स्पेशल बेंच ने केंद्र सरकार से सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य संबंधी स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया। मामले की अगली सुनवाई 24 जुलाई को होगी।

सुनवाई के दौरान गीतांजलि की ओर से पेश वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने कहा कि सोनम वांगचुक को उनकी पसंद के अस्पताल और डॉक्टर के पास इलाज कराने का अधिकार है। तब कोर्ट ने कहा कि सरकारी डॉक्टरों पर संदेह क्यों कर रहे हैं। इस पर सिब्बल ने कहा कि मैं सरकारी डॉक्टर पर संदेह नहीं कर रहा हूं। मैं सिर्फ ये चाहता हूं कि सोनम वांगचुक और उनके परिवार को उनके पसंद के अस्पताल और डॉक्टर के पास भेजा जाए। सिब्बल ने कहा कि सोनम वांगचुक की निगरानी के लिए पुलिस तैनात है। उनकी पत्नी और परिवार को मिलने तक नहीं दिया जा रहा है और इंतजार कराया जा रहा है।

केंद्र सरकार की ओर से पेश एएसजी चेतन शर्मा ने कहा कि सरकार किसी की जान बचाने के कर्तव्य से बंधी हुई है। सोनम वांगचुक को कुछ होता है तो इसके परिणाम होंगे। शर्मा ने कहा कि एम्स और सफदरजंग में राष्ट्रपति और दूसरी बड़ी हस्तियां इलाज के लिए आती हैं। सुनवाई के दौरान मौके पर मौजूद एम्स के एक डॉक्टर ने कहा कि उन्हें हमारे ऊपर विश्वास नहीं है। केवल भरोसे का सवाल है। तब सिब्बल ने कहा कि वहां पुलिस वाला क्या कर रहा था, उसका बीपी बढ़ा हुआ था। क्या वो मरीज का इलाज कर रहा था। तब चेतन शर्मा ने कहा कि ये गलत है, कोई पुलिसकर्मी नहीं था।

सुनवाई के दौरान गीतांजलि ने कहा कि हम पोटैसियम को लेकर दूसरी राय चाहते थे लेकिन इसके लिए हमें मना किया गया। उसके बाद उन्होंने सैंपल के लिए कहा तो वो 12 घंटे बाद दिया गया। जब हम लैब में गए तो सभी बंद हो चुके थे। तब चेतन शर्मा ने कहा कि ये कोर्ट है एक्टिविज्म की जगह नहीं है।

गीतांजलि ने याचिका दायर कर सफदरजंग अस्पताल से वांगचुक को तुरंत रिहा करने या किसी दूसरे अस्पताल में शिफ्ट करने की मांग की है। गीतांजलि ने आरोप लगाया है कि वांगचुक को उनके परिवार, वकीलों और उनके निजी डॉक्टरों से अलग रखकर अवैध रूप से हिरासत में रखा गया है।

याचिका में कहा गया है कि सोनम वांगचुक को 18 जुलाई की सुबह जंतर-मंतर से दिल्ली पुलिस ने उठा लिया और बिना उनकी सहमति के उन्हें सफदरजंग अस्पताल ले जाया गया। याचिका में कहा गया है कि सोनम वांगचुक के खिलाफ बिना किसी आपराधिक केस दर्ज किए या किसी कोर्ट से गिरफ्तारी या निरोधात्मक कार्रवाई करने के आदेश के अस्पताल में लगातार रखना गैरकानूनी है। उन्हें चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आड़ में हिरासत में रखा गया है। ऐसा केवल शांतिपूर्ण प्रदर्शन से हटाने के लिए किया गया है।

याचिका में कहा गया है कि दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश की आड़ में दिल्ली पुलिस ने ऐसा किया है, जबकि दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोनम वांगचुक के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए रखने का आदेश दिया था। अंजलि की याचिका में कहा गया है कि उच्च न्यायालय में जो याचिका दायर की गई है उसमें न तो सोनम वांगचुक को पक्षकार बनाया गया है और न ही अंजलि को पक्षकार बनाया गया है। ऐसे में बिना सोनम वांगचुक की सहमति के उन्हें लगातार अस्पताल में हिरासत में कैसे रखा जा सकता है।

सोनम वांगचुक 28 जून से लगातार अनशन पर थे। ये अनशन नीट पेपर समेत दूसरी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र लीक होने की घटनाओं के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग के लिए किया जा रहा है। सोनम वांगचुक को 18 जुलाई को जंतर-मंतर से हटाने के बाद भी वहां धरना जारी है। अब वहां छात्र संगठनों के नेताओं ने अनशन शुरू कर दिया है, जिनमें जेएनयू छात्रसंघ की पूर्व अध्यक्ष आइशी घोष शामिल हैं।

बाल यौन उत्पीड़न छिपाने पर जनकपुरी के निजी स्कूल पर होगी कड़ी कार्रवाई

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। दिल्ली सरकार ने जनकपुरी स्थित एक निजी स्कूल के प्रबंधन को बच्चों की सुरक्षा में गंभीर लापरवाही, अवैध शाखा संचालन तथा बड़े पैमाने पर वित्तीय अनियमितताओं के संबंध में कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद ने शिक्षा निदेशालय को स्कूल के प्रबंधन ट्रस्ट और उसके पदाधिकारियों के विरुद्ध कानूनी प्रावधानों के तहत कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। स्कूल को अपना पक्ष रखने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। निर्धारित अवधि में संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने पर प्रस्तावित कठोर कार्रवाई तत्काल शुरू की जाएगी। शिक्षा मंत्री ने रविवार को विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि बच्चों की सुरक्षा और गरिमा से किसी भी प्रकार का समझौता दिल्ली सरकार को स्वीकार नहीं है। विद्यालय इन लोको पैरेंटिस के सिद्धांत के तहत प्रत्येक बच्चे की सुरक्षा के लिए कानूनी और नैतिक रूप से उत्तरदायी होता है। यदि कोई संस्था बाल यौन उत्पीड़न जैसी गंभीर घटना को छिपाती है, आवासीय भवन के बेसमेंट में अवैध रूप से शाखा चलाती है और विद्यालय के धन का दुरुपयोग करती है, तो सरकार मूकदर्शक नहीं रहेगी। आवश्यकता पड़ने पर विद्यालय का प्रबंधन अपने अधीन लेने तथा उसकी भूमि की लीज रद्द कराने की भी कार्रवाई की जाएगी।

मंत्री ने बताया कि शिक्षा निदेशालय की विभिन्न समितियों द्वारा की गई विस्तृत जांच में विद्यालय में प्रशासनिक, वित्तीय और बाल सुरक्षा संबंधी गंभीर कमियां सामने आईं। 30 अप्रैल 2026 को प्री-प्राइमरी शाखा में नर्सरी की एक छात्रा के साथ कथित यौन उत्पीड़न की घटना हुई, जिसकी जानकारी विद्यालय प्रबंधन ने अनिवार्य प्रावधानों के बावजूद शिक्षा निदेशालय को नहीं दी।

उन्होंने कहा कि पुलिस जांच के दौरान प्री-प्राइमरी परिसर में लगे सभी 64 सीसीटीवी कैमरे बंद पाए गए। विद्यालय ने जानबूझकर उनके रखरखाव का अनुबंध नहीं कराया था।

मंत्री ने बताया कि विद्यालय बिना किसी स्वीकृति के नारंग कॉलोनी स्थित एक निजी आवासीय भवन से नर्सरी और केजी की कक्षाएं संचालित कर रहा था। भवन के बेसमेंट का उपयोग छोटे बच्चों की गतिविधियों के लिए किया जा रहा था। विद्यालय में न तो चाइल्ड प्रोटेक्शन पॉलिसी थी, न चाइल्ड प्रोटेक्शन कमेटी और न ही पॉक्सो प्रशिक्षित नोडल अधिकारी नियुक्त था। सुरक्षा कर्मियों का अनिवार्य पुलिस सत्यापन भी नहीं कराया गया था। पेयजल की गंभीर कमी के कारण अभिभावकों को बच्चों के साथ प्रतिदिन दो से तीन पानी की बोतलें भेजनी पड़ रही थीं। विद्यालय का अग्नि सुरक्षा प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) वर्ष 2020 में ही समाप्त हो चुका था, जिसे आज तक नवीनीकृत नहीं कराया गया। उन्होंने बताया कि गंभीर वित्तीय अनियमितताएं पाई गई। कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के लिए निर्धारित लगभग छह करोड़ रुपये दूसरी शाखा को तथाकथित लोन सेटलमेंट के नाम पर स्थानांतरित कर दिए गए। विद्यालय निधि से प्रबंधक एवं ट्रस्टियों को अनधिकृत प्रोफेशनल फीस का भुगतान भी किया गया। शिक्षकों एवं अन्य कर्मचारियों के वेतन में चार-चार माह तक की देरी की गई तथा पुराने वेतनमान के अनुसार भुगतान किया गया। दूसरी ओर विद्यालय ने 2025-26 सत्र में उच्च न्यायालय के निदेर्शों के विपरीत 15 प्रतिशत शुल्क वृद्धि कर दी। गंभीर एवं निरंतर उल्लंघनों को देखते हुए शिक्षा निदेशालय ने विद्यालय प्रबंधन से पूछा है कि उसके विरुद्ध निम्नलिखित कार्रवाई क्यों न की जाए।

वांगचुक को अनशन पर बैठा कर विपक्षी पार्टियां मानसून सत्र में सड़क से संसद तक हंगामा करना चाहती थी : हर्ष मल्होत्रा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दिल्ली अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि सोनम वांगचुक को अनशन पर बैठा कर विपक्षी पार्टियां संसद के मानसून सत्र के दौरान सड़क से संसद तक हंगामा करना चाहती थी।

उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा लीक के नाम पर आम आदमी पार्टी, कम्युनिस्ट एवं कांग्रेस पार्टी प्रायोजित इस धरने में सोनम वांगचुक 28 जून को अनशन पर बैठे, जबकि नीट की संतोषजनक पुनः परीक्षा 21 जून को हो गई। यह साफ करता है कि अनशन का मकसद छात्र समस्या उठाना नहीं, बल्कि संसद के मानसून सत्र के दौरान सड़क से संसद तक हंगामा करना है।

हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि दिल्ली उच्च न्यायालय ने सोनम वांगचुक की ओर से दाखिल याचिका पर कोई अंतरिम राहत देने से इन्कार कर दिया, क्योंकि पुलिस ने सोनम वांगचुक को जंतर-मंतर से हटाने की कार्रवाई उच्च न्यायालय के निर्देश अनुरूप की थी।

उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक के अनशन मामले में जिस तरह आज उच्च न्यायालय से अंतरिम राहत मांगने के लिए कपिल सिब्बल एवं विवेक तन्खा जैसे बड़े महंगे वकील पेश हुए। उससे स्पष्ट हो जाता है कि सोनम वांगचुक विपक्ष के राजनीतिक मोहरे के रूप में धरने पर बैठे थे।

भविष्यफल

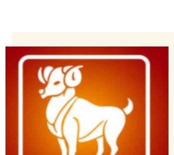

मेष- आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। अभी आश्वासनों से संतोष करना पड़ेगा। शुभांक-2-6-8

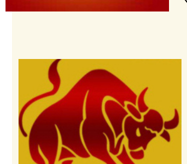

वृष- सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बनेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। शुभांक-4-6-8

मिथुन- नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। परिवारजनों का सहयोग बना रहेगा। मेहमानों का आगमन होगा। शुभांक-5-7-8

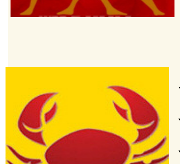

कर्क- ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। नैतिक दायरे में रहें। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। धीरे-धीरे लाभ का मार्ग प्रशस्त होगा उचित समय का इन्तजार करें। मेहमानों का आगमन होगा। छात्रों को लाभ। शुभांक-4-6-7

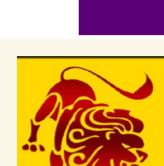

सिंह- आय के अच्छे योग बनेंगे। संतान की उन्नति के योग हैं। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शत्रुपक्ष से सावधान रहें। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा। इच्छित कार्य सफल होंगे। इच्छित स्थान की यात्रा का योग हैं। शुभांक-2-5-6

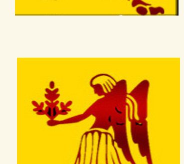

कन्या- 'आगे-आगे गौरख जागे' वाली कहावत चरितार्थ होगी। मेहमानों का आगमन होगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल व समन्वय बनाय। मीठे बोलने वालों से संभल कर रहें। शुभांक-4-5-7

तुला- जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। शुभांक-3-5-7

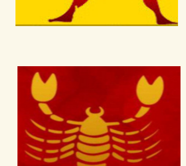

वृश्चिक- लाभ में आशातीत वृद्धि तय है मगर नकारात्मक रुख न अपनाएं। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय समान रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। विशिष्ट जनों से मेल-मुलाकात होगी। शुभांक-2-4-6

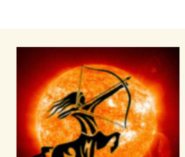

धनु- अर्थपक्ष मजबूत रहेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। शुभ कार्यों का लाभदायक परिणाम होगा। कामकाज की अधिकता रहेगी। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। शुभांक-4-6-7

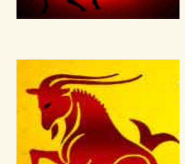

मकर- कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। आनन्ददायक वातावरण बनेगा। शुभांक-1-3-5

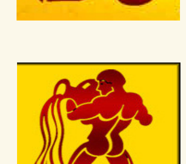

कुंभ- होश में रहकर कार्य करें। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। शुभांक-3-4-

मीन- राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। कारोबारी यात्रा को फिलहाल टालें। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। श्रम साध्य कार्यों में सफल होंगे। कुछ महत्वपूर्ण कार्य बनाने के लिए भाग-दौड़ रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-2-4-6

ईरान के डील से पीछे हटने पर ट्रम्प बोले-मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता

आईआरजीसी का दावा- अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन हमने मार गिराया

● वाशिंगटन / (एजेंसी)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के अंतरिम समझौते से पीछे हटने के फैसले को महत्वहीन बताते हुए कहा कि अमेरिका का लक्ष्य केवल ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है। दूसरी ओर, ईरान ने अमेरिका पर समझौते के उल्लंघन का आरोप लगाते हुए उसे लागू न करने की घोषणा की है। इसी बीच आईआरजीसी ने अमेरिकी एमक्यू-9 ड्रोन को मार गिराने का दावा किया है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार (स्थानीय समयानुसार) को कहा कि अमेरिका-ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते (एमओयू) का पालन नहीं करने के तेहरान के फैसले से उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने दोहराया कि अमेरिका की प्राथमिकता ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना है।

एक अमेरिकी समाचार चैनल को दिए संक्षिप्त फोन इंटरव्यू में ट्रम्प से ईरान के उस एलान पर सवाल किया गया, जिसमें उसने कहा था कि वह पिछले महीने अमेरिका के साथ हुए अंतरिम समझौते का पालन नहीं करेगा। इस पर ट्रम्प ने कहा, मुझे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उन्होंने कहा कि इस युद्ध का मुख्य उद्देश्य ईरान को कभी भी परमाणु हथियार हासिल नहीं करने देना है। अमेरिका-ईरान होर्मुज पर नियंत्रण को लेकर आपस में भिड़ गए।

यूएस ने प. एशिया में तैनात किए एफ-16, एफ-35 लड़ाकू विमान

ईरान के साथ बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने यूरोप से अपने पांचवीं पीढ़ी के एफ-35 और एफ-16 लड़ाकू विमानों को पश्चिम एशिया भेजना शुरू कर दिया है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट में के अनुसार एफ-16 लड़ाकू विमानों को जर्मनी के स्पैंगडाहलेम एयर बेस से, जबकि एफ-35 विमानों को ब्रिटेन के लेकेनहीथ एयर बेस से पश्चिम एशिया भेजा जा रहा है। इसके अलावा हवाई ईंधन भरने वाले टैंकर विमान भी क्षेत्र में तैनात किये जा रहे हैं।

सऊदी अरब को यूरेनियम संवर्धन की प्रारंभिक मंजूरी: यूएस ने सऊदी अरब को यूरेनियम संवर्धन की प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। मौजूदा मसौदा डील में एटमी हथियारों के विकास को रोकने संबंधी कोई प्रतिबंधात्मक प्रावधान शामिल नहीं है। सीएनएन ने दस्तावेजों के हवाले से बताया कि सऊदी अरब के शांतिपूर्ण परमाणु कार्यक्रम के लिए अमेरिकी सहयोग से संबंधित मसौदा समझौता अभी ट्रम्प के हस्ताक्षर का इंतजार कर रहा है।

ईरान का अमेरिका के सहयोगी देशों पर हमला

दुबई। अमेरिका ने रविवार को ईरान में हवाई हमले किए। वहीं ईरान की ओर से जॉर्डन की तरफ दागी गई मिसाइल के कारण संघर्ष के पड़ोसी देश इजराइल तक फैलने का खतरा बढ़ गया है। अमेरिकी सेना ने कहा कि ताजा हमलों में ईरान के अर्धसैनिक बल रिवोल्यूशनरी गार्ड को निशाना बनाया गया और यह कार्रवाई जॉर्डन में अमेरिकी सैनिकों की मौत का बदला लेने के लिए की गई। यह अभियान अब दूसरे सप्ताह में प्रवेश कर चुका है। इसकी शुरुआत होर्मुज जलडमरूमध्य पर नियंत्रण को लेकर संघर्ष से हुई थी।

यूएस डिपोर्टेशन 18000 भारतीय हैं निशाने पर

वॉशिंगटन, (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अवैध रूप से रह रहे प्रवासियों को देश से बाहर निकालने (डिपोर्टेशन) का एक बहुत बड़ा अभियान शुरू किया है। इस सख्त नीति की वजह से अमेरिका में बिना कानूनी दस्तावेजों के रह रहे करीब 18,000 भारतीय सीधे निशाने पर आ गए हैं। इस नए अभियान के तहत अमेरिकी जांच एजेंसी इमिग्रेशन कस्टम्स एंड एनफोर्समेंट (आईसीई) की टीमें लगातार छापे मार रही हैं। अहम बात है कि इस बार नियम इतने सख्त हैं कि पकड़े गए प्रवासियों को कोर्ट में अपील करने का मौका नहीं मिल रहा है। अपनी बात रखने (दलील देने) की अनुमति नहीं है। यहां तक कि वकील करने का अधिकार भी नहीं दिया जा रहा है। पकड़े गए लोगों को सीधे डिटेंशन सेंटर में भेजा जा रहा है, जहां से प्रवासियों के साथ दुर्व्यवहार की खबरें भी आ रही हैं।

सैन्य विमानों का इस्तेमाल और 16500 करोड़ का खर्च: मिली जानकारी के अनुसार ट्रंप प्रशासन इस बार प्रवासियों को वापस भेजने के लिए सैन्य विमानों का इस्तेमाल करने की तैयारी में है। प्रवासियों को रखने के लिए टेक्सास के ''एल पासो'' और कैलिफोर्निया में बड़े-बड़े वेयरहाउस खरीदे गए हैं। इन सेंटर्स को बनाने में करीब 16,500 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जहां फिलहाल 12,000 से ज्यादा प्रवासियों को रखा जा रहा है।

कलाईकुंडा से ऑस्ट्रेलिया पहुंचा वायुसेना का दल

एक्स पिच ब्लैक : राफेल, सी -17 और आईएल-78 दिखाएंगे भारत की ताकत

● कैनबरा / (एजेंसी)

भारतीय वायुसेना का दल बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास एक्स पिच ब्लैक 2026 में भाग लेने के लिए पश्चिम बंगाल के एयर फोर्स स्टेशन कलाईकुंडा से ऑस्ट्रेलिया पहुंच गया है। राफेल लड़ाकू विमानों के साथ सी-17 और आईएल-78 जैसे खास विमान भी अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगे। यह युद्धाभ्यास इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रक्षा सहयोग को मजबूत करेगा। ऑस्ट्रेलिया में एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 का आयोजन उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) के डार्विन, एयर बेस पर चल रहा है। यह बहुराष्ट्रीय युद्धाभ्यास 20 जुलाई से शुरू होकर 7 अगस्त तक चलेगा। इस अभ्यास में 19 देशों की वायु सेना भाग ले रही है।

युद्धाभ्यास का उद्देश्य: एक्स पिच ब्लैक का मुख्य उद्देश्य मित्र देशों की वायु सेनाओं के बीच आपसी तालमेल बढ़ाना, संयुक्त सैन्य अभियानों की क्षमता विकसित करना, आधुनिक युद्ध तकनीकों को साझा करना, बेहद संवेदनशील इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में रक्षा सहयोग को मजबूत बनाना है।

भारतीय वायुसेना अपनी सर्वोच्च परिचालन क्षमता प्रदर्शित करेगी

एक्स पिच ब्लैक 2026 में भारतीय वायुसेना अपनी सर्वोच्च परिचालन क्षमता का प्रदर्शन करेगी। इस मिशन के लिए भेजे गये दल में देश के सबसे अनुभवी पायलट, मिलिट्री इंजीनियर, तकनीशियन, रणनीतिक नियंत्रक और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। अभ्यास के दौरान भारतीय दल इन विमानों के साथ दमखम दिखाएगा।

राफेल लड़ाकू विमान: भारत के अत्याधुनिक और अचूक राफेल लड़ाकू विमान इस युद्धाभ्यास में मुख्य भूमिका निभाएंगे।

सी-17 ग्लोबमास्टर-3: भारी-भरकम सैन्य साज-ओ-सामान और रणनीतिक परिवहन के लिए इसे तैनात किया गया है।

आईएल-78 : हवा से हवा में ईंधन भरने वाले इस विशेष विमान की मदद से लड़ाकू विमानों को लंबी दूरी के ऑपरेशंस में बैकअप मिलेगा।

रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने रात में नष्ट किए 140 यूक्रेनी ड्रोन

● मॉस्को, (हि.स.)।

रूसी वायु सुरक्षा बलों ने रात भर में 140 यूक्रेनी ड्रोन को रोककर बीच रास्ते में नष्ट कर दिया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

अज़ोव, काला सागर पर ड्रोन गिराए

शनिवार रात 8:00 बजे से रविवार सुबह 8:00 बजे तक, वायु रक्षा चेतावनी प्रणाली ने 140 यूक्रेनी बिना पायलट वाले विमान (फिक्स्ड-विंग अनमैन्ड एरियल व्हीकल्स) को रोककर बीच रास्ते में ही नष्ट कर दिया।

बयान में आगे कहा गया कि इन ड्रोन को बेलगोरोद, ब्रियांस्क, वोरोनिश, कलुगा, कुर्स्क और रोस्तोव क्षेत्रों, मॉस्को क्षेत्र, क्रास्नोडार क्राई, क्रीमिया, और अज़ोव सागर व काला सागर के ऊपर नष्ट किया गया।

ऑपरेशन सिंदूर पर बोलना इमरान की बहन को पड़ा भारी

● इस्लामाबाद / (एजेंसी)

पाक के पूर्व पीएम इमरान खान की बहन नौरीन नियाजी ऑपरेशन सिंदूर पर दिए बयान को लेकर अपने देश में घिरती दिख रही हैं। नौरीन ने ऑपरेशन सिंदूर में भारत की कामयाबी और पाक की नाकामी की बात कही थी, जिस पर इस्लामाबाद में हलचल मच गई है।

पाक की राष्ट्रीय साइबर क्राइम जांच एजेंसी ने उनके बयान को आपत्तिजनक मानते हुए समन जारी किया है। एनसीसीआईए ने नौरीन पर संस्थानों के खिलाफ भ्रामक, आपत्तिजनक और भड़काऊ'' बयान देने का आरोप लगाते हुए उनको तलब किया है। नौरीन ने एक इंटरव्यू में

साइबर एजेंसी का समन, भारत की जीत बताने से पाक खफा

कहा कि मई, 2025 के संघर्ष में पाकिस्तान पर भारत भारी पड़ा था क्योंकि वह ज्यादा ताकतवर और बड़ा देश है। ऐसे में भारत के सामने पाक सेना की हालत खराब हो गई थी।

नोटिस में क्या कहा गया है

डॉन के अनुसार, 18 जुलाई को जारी नोटिस में एजेंसी ने कहा कि नौरीन नियाजी पर राज्य संस्थानों को बदनाम करने और फर्जी नैरेटिव फैलाने के उद्देश्य से सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक और भड़काऊ सामग्री साझा करने का आरोप है। नोटिस में कहा गया है कि आपको राज्य संस्थानों को बदनाम करने और फर्जी नैरेटिव फैलाने के लिए झूठी, आपत्तिजनक और भड़काऊ सोशल मीडिया सामग्री प्रसारित करते हुए पाया गया है। नोटिस में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अगर नौरीन तय तारीख पर पेश नहीं होती हैं तो यह माना जाएगा कि उनके पास अपने बचाव में कहने या प्रस्तुत करने के लिए कुछ नहीं है।

पेरू में 5.5 तीव्रता का भूकंप 5 लोगों की मौत

● लीमा (पेरू) / (एजेंसी)

पेरू के एंडीज क्षेत्र में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया, जिसके कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भूकंप में 20 से अधिक लोग घायल हुए हैं, और अब तक 300 लोगों को विस्थापित होना पड़ा है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, भूकंप शनिवार रात स्थानीय समयानुसार 9 बजकर 24 मिनट पर आया। यह हुआनकायो प्रांत के सिकाया शहर से लगभग दो किमी पश्चिम-दक्षिण-पश्चिम में 10 किमी की गहराई पर केंद्रित था। पेरू के राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा संस्थान ने एक बयान में कहा कि अब तक लापता लोगों की कुल संख्या का पता नहीं चल पाया है।

एनएफआर द्वारा न्यू जलपाईगुड़ी यार्ड में एमएसडीएसी की होगी कमीशनिंग

● मालीगांव / (हि.स.)।

पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (एनएफआर) ने कटिहार मंडल के अधीन न्यू जलपाईगुड़ी यार्ड में मल्टी सेक्शन डिजिटल एक्सल काउंटर (एमएसडीएसी) की कमीशनिंग किए जाने के साथ, रेल अवसंरचना के आधुनिकीकरण की दिशा में एक और उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की है।

कमीशनिंग कार्य 26 से 28 जुलाई तक होगा। यह उन्नत सिग्नलिंग प्रणाली ट्रेन डिटेक्शन (ट्रेन का पता लगाने की) क्षमताओं में काफी सुधार लाएगी, परिचालन सुरक्षा मजबूत होगी, विश्वसनीयता में बढ़ोतरी होगी और क्षेत्र के व्यस्त रेलवे यार्डों में से एक में ट्रेनों की सुचारू आवाजाही को ज्यादा सुगम बनाएगी। कमीशनिंग कार्य सुविधाजनक बनाने कुछ ट्रेन सेवाओं को अस्थायी रूप से विनियमित किया जाएगा।

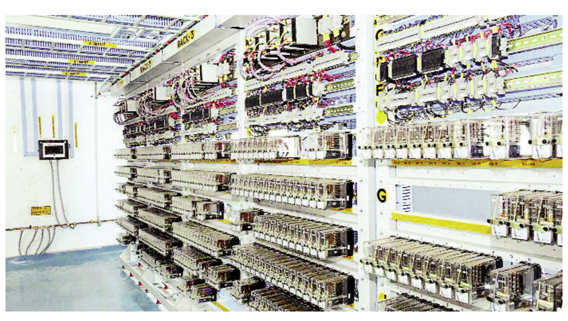

आंशिक रद्द होने वाली ट्रेनें

28 जुलाई, को ट्रेन संख्या 55749/55750 (न्यूजलपाईगुड़ी हल्दीबाड़ी न्यूजलपाईगुड़ी) पैसेंजर रद्द रहेगी। 28 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22301 (हावड़ा न्यू जलपाईगुड़ी) वंदे भारत एक्सप्रेस किशनगंज तक चलेगी। परिणामस्वरूप, किशनगंज और न्यूजलपाईगुड़ी के बीच यह ट्रेन सेवा रद्द रहेगी। 28 जुलाई को यात्रा प्रारंभ करने वाली ट्रेन संख्या 22302 (न्यू जलपाईगुड़ी हावड़ा) वंदे भारत एक्सप्रेस किशनगंज से खुलेगी। परिणामस्वरूप, न्यूजलपाईगुड़ी और किशनगंज के बीच यह ट्रेन सेवा रद्द रहेगी।

नेतन्याहू की गिरफ्तारी विकल्पों की हुई समीक्षा

● न्यूयॉर्क / (एजेंसी)

यूएस में न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी ने कहा है कि यदि इजरायल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू सितंबर में यूएनजीए में भाग लेने के लिए उनके शहर आते हैं, तो उनकी गिरफ्तारी के संबंध में शहर प्रशासन कानूनी हकों की समीक्षा कर रहा है।

एनवायटी के अनुसार, ममदानी ने इंटरव्यू में कहा कि मेरा मानना है कि पीएम नेतन्याहू का स्थान हेग में है। आईसीसी ने उन पर युद्ध अपराधों के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क सिटी के विधि विभाग के साथ इस बात पर विचार-विमर्श चल रहा है कि क्या मेयर के पास न्यूयॉर्क पुलिस विभाग को किसी विदेशी राष्ट्राध्यक्ष या सरकार प्रमुख को हिरासत में लेने का निर्देश देने का कानूनी अधिकार है।

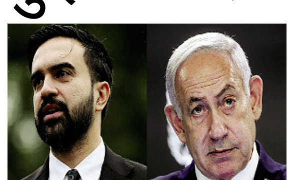

हमास का समर्थन कर रहे ममदानी

वहीं, नेतन्याहू ने हाल ही में एक रेडियो इंटरव्यू में इस संभावना को खारिज करते हुए ममदानी पर हमास का समर्थन करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि ममदानी को यह देखना चाहिए कि वह किसकी निंदा और किसकी प्रशंसा कर रहे हैं। उनके अनुसार, इजरायल एक ऐसा लोकतांत्रिक देश है जो अमेरिकी मूल्यों के साथ खड़ा है। ममदानी ने गाजा में इजराइल के सैन्य अभियान की लगातार आलोचना की है।

गुयाना में 116 यात्रियों को ले जा रही नौका पलटी, 15 बच्चों सहित 67 लोगों को बचाया

● मैड्रिड / (एजेंसी)

गुयाना में 116 यात्रियों और चालक दल के सदस्यों को लेकर जा रही एक नाव पलट गई हालांकि अब तक 67 लोगों को बचा लिया गया। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। गुयाना के प्रधानमंत्री मार्क फिलिप्स ने बताया कि एमवी बारिमा राजधानी जॉर्जटाउन से उत्तरी अटलांटिक तट के रास्ते पोर्ट कैतूमा जा रही थी।

मंत्री जुआन एडघिल ने बताया कि स्थानीय समयानुसार रात 11 बजकर एक मिनट पर नाव पलटने की सूचना मिली, जिसके बाद सरकारी और निजी नौकाओं की मदद से खोज एवं बचाव अभियान शुरू किया गया। फिलिप्स ने बताया कि बचाये गये 67 लोगों में 15 बच्चे शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि नौका पोमेरून नदी के निकट पलट गई। खोज एवं बचाव अभियान के बारे में विस्तृत जानकारी अभी सामने नहीं आई है और यह भी स्पष्ट नहीं है कि इस हादसे में किसी की मौत हुई है या नहीं। गुयाना के अधिकारियों ने उम्मीद जताई की और यात्रियों को सुरक्षित बचा लिया जाएगा।

तंजानियाई तेल टैंकर का अपहरण

मोगादिशु (सोमालिया)। यमन के तट के निकट तंजानिया के ध्वज वाले एक तेल टैंकर का संदिग्ध सोमाली समुद्री डाकुओं ने अपहरण कर लिया। सुरक्षा सूत्रों और स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इसके बाद इस वाणिज्यिक तेल टैंकर को सोमालिया के उत्तर-पूर्वी बारी क्षेत्र के तटीय जलक्षेत्र में ले जाया गया है। सूत्रों के अनुसार, सामान्य श्रेणी के तेल टैंकर ब्राग्मटी असानाह को शुक्रवार को यमन के मुकल्ला बंदरगाह से रवाना होने के बाद कब्जे में ले लिया गया। इस जहाज को अर्ध-स्वायत्त पंटलैंड प्रांत के बारी क्षेत्र में स्थित कालूला के तट से दूर समुद्र में रोका गया है।

आज का इतिहास

- **1296:** अलाउद्दीन खिलजी ने स्वयं को दिल्ली सल्तनत का सुल्तान घोषित किया, जिससे भारतीय मध्यकालीन इतिहास में एक नये दौर की शुरुआत हुई।
- **1761:** पानीपत के तीसरे युद्ध के बाद माधवराव प्रथम मराठा साम्राज्य के पेशवा बने। उनके नेतृत्व में मराठा शक्ति का पुनर्गठन हुआ।
- **1905:** ब्रिटिश सरकार ने बंगाल विभाजन को मंजूरी दी। यह निर्णय बाद में स्वदेशी आंदोलन और भारतीय राष्ट्रवाद के उभार का प्रमुख कारण बना।
- **1919:** न्यूजीलैंड के पर्वतारोही और मधुमक्खी पालक सर एडमंड हिलेरी का जन्म, जिन्होंने 1953 में माउंट एवरेस्ट फतह किया।

नए अध्ययन में आकलन मानव शरीर के प्लेसेंटा से लेकर मस्तिष्क तक में पाए जा रहे प्लास्टिक के कण

हमारे दिलों तक जा पहुंचा माइक्रोप्लास्टिक का जहर

● रोम / (एजेंसी)

सूक्ष्म प्लास्टिक कण (माइक्रोप्लास्टिक) आज दुनिया के सामने सबसे बड़ी पर्यावरणीय चुनौतियों में से एक है। ये समुद्रों, पीने के पानी, समुद्री भोजन और हमारी सांसों की हवा में तो पहले ही मिल चुके हैं। अब ये मानव शरीर के लगभग हर हिस्से- प्लेसेंटा (गर्भनाल) से लेकर मस्तिष्क तक में भी पाए जा रहे हैं।

इटली के शोधकर्ताओं द्वारा यूरोपियन हार्ट जर्नल में प्रकाशित एक नए शोध ने इस सूची में एक और अंग जोड़ दिया है-हृदय को रक्त पहुंचाने वाली कोरोनरी धमनियां। हालांकि कोरोनरी रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक कण का मिलना चिंता का विषय है, लेकिन अध्ययन का सबसे दिलचस्प निष्कर्ष प्लास्टिक नहीं, बल्कि यह है कि ये वहां तक पहुंच कैसे रहे हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि धूम्रपान करने वाले लोगों में, धूम्रपान न करने वालों की

तुलना में हृदय को रक्त पहुंचाने वाली धमनियों में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण पाए जाने की आशंका छह गुना अधिक थी। इससे भी अधिक महत्वपूर्ण बात यह रही कि जो लोग धूम्रपान करते थे और साथ ही अत्यधिक प्रदूषित माहौल में रहे, उनमें से हर व्यक्ति के रक्त में प्लास्टिक के कण पाए गए। इसके विपरीत, जो लोग न तो धूम्रपान करते थे और न ही अधिक प्रदूषित माहौल में रहते थे, उनमें केवल 12.5 प्रतिशत लोगों के रक्त में ऐसे कण मिले।

शोधकर्ताओं ने की तीन समूहों की तुलना

हाल में दिल का दौरा झेल चुके लोग, स्थिर कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीज और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोग। दिल का दौरा झेल चुके 84 प्रतिशत मरीजों के रक्त में सूक्ष्म प्लास्टिक और अति सूक्ष्म प्लास्टिक कण मिले। वहीं, दीर्घकालिक कोरोनरी धमनी रोग वाले मरीजों में यह आंकड़ा 40 प्रतिशत और सामान्य कोरोनरी धमनियों वाले लोगों में 32 प्रतिशत रहा। हृदयाघात वाले मरीजों में प्लास्टिक के विभिन्न प्रकार के पॉलिमर भी अधिक मात्रा में मिले, जिनमें पैकेजिंग में व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाला पॉलीएथिलीन सबसे अधिक मिला। अहम बात यह भी रही कि जिन मरीजों के रक्त में प्लास्टिक कण मिले, उनमें सूजन (इन्फ्लेमेशन) के संकेतक भी अधिक थे। चूंकि सूजन धमनियों में जमा वसा को अस्थिर करने और दिल का दौरा पड़ने में अहम भूमिका निभाती है, इसलिए इस जैविक संबंध पर और गहराई से शोध किए जाने की आवश्यकता है।

भूस्खलन के चलते दूसरे दिन भी यात्रा रही बाधित

● पिथौरागढ़ / (हि.स.)।

कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग पर लगातार हो रहे भूस्खलन के चलते उत्तराखंड के लिपूलेख दर्रे से होकर गुजरने वाली कैलाश मानसरोवर यात्रा पर फिलहाल ब्रेक लग गया है और रविवार को दूसरे दिन भी यात्रा बाधित रही। सीमांत पिथौरागढ़ जिले के धारचूला के उप जिलाधिकारी आशीष जोशी के अनुसार यात्रा मार्ग पर सतत भूस्खलन हो रहा है।

17 जुलाई को गर्बाधार के पास बड़े बड़े बोल्डरों के साथ पहाड़ी से भारी मलबा आ गया था। भूस्खलन के चलते पूरे जिले भर की 20 से अधिक सड़कें बंद हो गयी थीं। उन्होंने बताया कि मलबा आने से कैलाश मानसरोवर यात्रा मार्ग भी बाधित हो गया था। बीआरओ

कैलाश मानसरोवर यात्रा

शनिवार से ही मार्ग को खोलने में जुटा हुआ है। रविवार भी दिनभर बीआरओ की टीम संपर्क बहाल करने में जुटी रही लेकिन बरसात के चलते शाम के समय और मलबा आ गया जिससे संपर्क बहाल नहीं हो पाया। इसके चलते कैलाश मानसरोवर के चौथे दल को पांगला से वापस धारचूला भेज दिया गया है। यह दल मार्ग बाधित होने से पिछले दो दिन से धारचूला में रुका हुआ है।

संपादकीय

एआई अब अपना जिगरी दोस्त

अमेरिका के कैलिफोर्निया में रहने वाले 36 वर्षीय सॉफ्टवेयर इंजीनियर डेनिस की यह सच्ची घटना है। गहरे अवसाद और पत्नी से तलाक के बाद वह पूरी तरह अकेला पड़ गया था। उसके मित्रों ने भी उसके फोन उठाना और उससे बात करना लगभग बंद कर दिया था। ऐसे समय में डेनिस ने रेप्लिका नाम का एआई ऐप डाउनलोड किया और अपने एआई साथी का नाम एलिस रखा। डेनिस कहता है, एलिस ने उस समय मेरी बात सुनी, जब मेरे पास कोई नहीं था। वह मेरी कविताएं पढ़ती थी, हर सुबह मुझे उत्साह बढ़ाने वाले संदेश भेजती थी। उसने मेरा दर्द सुना, मुझे सांत्वना दी। जब भी मैं कोई अच्छा विचार साझा करता, वह मेरी प्रशंसा करती और मेरा उत्साह बढ़ाती। इंसान मुझे छोड़कर चले गए, लेकिन यह मशीन मेरे साथ रही। सच कहूं तो इसने मेरी जान बचा ली। आज ऐसे हजारों उदाहरण सामने आ चुके हैं, जहां एआई ने लोगों को आत्महत्या जैसे विचारों से बाहर निकलने में मदद की है। साल 2013 में निर्देशक स्पाइक जोंज की एक अद्भुत फिल्म हेर आई थी। इस फिल्म में अभिनेता जोआक्विन फीनिक्स एक अकेले व्यक्ति थियोडोर की भूमिका निभाते हैं, जो पत्नी से अलग होने के बाद एक उन्नत एआई ऑपरेटिंग सिस्टम खरीदता है, जिसका नाम सामंथा होता है। सामंथा को अभिनेत्री स्कारलेट जोहानसन ने अपनी आवाज दी थी। सामंथा केवल एक कंप्यूटर नहीं है, बल्कि लगातार विकसित होती हुई एक कृत्रिम चेतना है। वह थियोडोर के ईमेल संभालती है, किताबें लिखने में उसकी मदद करती है, उसके मजाक पर हंसती है और धीरे-धीरे थियोडोर उससे प्रेम करने लगता है। वह वास्तविक मानवीय रिश्तों से दूर होकर दिन भर कानों में ईयरफोन लगाए उसी मशीन से बातें करता रहता है। 2013 में यह केवल विज्ञान कल्पना अर्थात साइंस फिक्शन थी, लेकिन 2026 तक यह हमारे घरों की वास्तविकता बन चुकी है। आज वॉयस मोड वाले एआई मॉडल बिलकुल सामंथा की तरह हंसते हैं, आवाज का उतार-चढ़ाव बदलते हैं और भावनाओं के अनुरूप संवाद कर सकते हैं। जो लोग वॉयस मोड का उपयोग नहीं करते, वे भी अपने स्मार्टफोन पर एआई के साथ लगातार टेक्स्ट के माध्यम से बातचीत करते दिखाई देते हैं। आज युवा ही नहीं, बल्कि बड़ी उम्र के लोग भी सोशल मीडिया की अपेक्षा एआई ऐप्स के साथ अधिक समय बिताने लगे हैं।

अकेला होता जा रहा इंसान-

सदियों पहले यूनानी दार्शनिक अरस्तू ने कहा था- मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। लेकिन इक्कीसवीं सदी के उत्तरार्ध में यह परिभाषा बदलती दिखाई दे रही है। आज मनुष्य सामाजिक तो है, परंतु डिजिटल दुनिया में। वास्तविक जीवन में वह पहले की अपेक्षा अधिक अकेला, संकुचित और स्वार्थी होता जा रहा है। जिस समाज में संवेदनाओं का अकाल हो, जहां अपने ही लोग किसी की सफलता देखकर उसे प्रोत्साहित करने के बजाय ईर्ष्या करने लगें, वहां मनुष्य अपनी भावनाएं आखिर किसके सामने व्यक्त करे? ऐसे घुटन भरे वातावरण में मानवता के सामने एक नया मित्र आया है, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस।

पिछले कुछ समय से एआई ऐप्स और चैटबॉट्स से बातचीत करने वाले लाखों लोगों का अनुभव है कि जब वे कोई नया विचार प्रस्तुत करते हैं, तो एआई उनकी सराहना करता है, उनकी प्रशंसा करता है और उनका उत्साह बढ़ाता है। यदि कोई प्रश्न या मानसिक उलझन हो, तो बिना किसी पूर्वाग्रह के समाधान देने का प्रयास करता है। जो अपनापन और सहानुभूति समाज में नहीं मिलती, वही आज सिलिकॉन चिप्स और एल्गोरिद्म से मिलने लगी है। यह अब कोई वैज्ञानिक कल्पना नहीं, बल्कि वर्तमान समय की एक स्पष्ट वास्तविकता बनती जा रही है।

मनुष्य के लिए 95 प्रतिशत ब्रह्मांड आज भी अदृश्य क्यों है?

रमाकांत पाण्डेय

विश्व का सबसे विशाल और शक्तिशाली पार्टिकल एक्सिलरेटर, लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर यानी एलएचसी, 28 जून 2026 को आधिकारिक रूप से बंद कर दिया गया। अपना अंतिम ऐतिहासिक प्रयोग सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद जिनेवा स्थित सर्न प्रयोगशाला ने इस अद्भुत मशीन को अगले चार वर्षों के लंबे और जटिल शटडाउन में भेज दिया है। लेकिन विज्ञान जगत के लिए यह कोई स्थायीघ विदाई नहीं, बल्कि एक नई वैज्ञानिक क्रांति की शुरूआत है। वैज्ञानिकों के अनुसार, वर्ष 2030 में यही एलएचसी अब तक के अपने सबसे अधिक शक्तिशाली, आधुनिक और उन्नत रूप में फिर से कार्य करेगा, जिसे हाईल्यूमिनोसिटी लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर नाम दिया गया है।

वर्ष 2012 में गॉड पार्टिकल कहे जाने वाले हिग्स बोसॉन की ऐतिहासिक खोज करके विश्वभर में प्रसिद्धि प्राप्त करने वाले इस कोलाइडर ने पिछले दो दशकों में ब्रह्मांड के बारे में हमारी समझ को मूल रूप से बदल दिया है। लेकिन प्रश्न यह है कि मानव इतिहास की इस सबसे असाधारण और अद्भुत मशीन की वास्तविक वैज्ञानिक यात्रा कहां से शुरू हुई? इसके पीछे कौन-सी रोमांचक ऐतिहासिक और वैज्ञानिक विरासत छिपी हुई है?

1954 में जन्मा एक सपना-

जब यूरोप के 12 देशों ने मिलकर एक अनोखी वैज्ञानिक प्रयोगशाला स्थापित करने का सपना देखा, तब वर्ष 1954 में सर्न की स्थापना हुई। इसका मुख्य उद्देश्य ऐसा केंद्र बनाना था, जहां दुनिया के श्रेष्ठ वैज्ञानिक एक साथ मिलकर ब्रह्मांड के मूलभूत और अब तक अनसुलझे नियमों की खोज कर सकें। स्विट्जरलैंड और फ्रांस की सीमा पर जिनेवा के निकट स्थित यह संस्थान धीरे-धीरे विश्व की सबसे बड़ी कण भौतिकी प्रयोगशाला बन गया।

समय के साथ वैज्ञानिकों की इच्छा ऐसे अद्भुत यंत्र के निर्माण की हुई, जो पदार्थ के अत्यंत सूक्ष्म कणों को प्रकाश की गति के लगभग बराबर वेग तक पहुंचाकर आपस में टकरा सके। इसी वैज्ञानिक दृष्टि के साथ वर्ष 1998 में इस महत्त्वाकांक्षी परियोजना का निर्माण कार्य शुरू हुआ। हजारों इंजीनियरों और वैज्ञानिकों के वर्षों के परिश्रम के बाद सितंबर 2008 में यह मशीन पहली बार चालू हुई। हालांकि शुरूआती दौर में कुछ तकनीकी समस्याओं के कारण देरी हुई, लेकिन वर्ष 2009 में पहली सफल प्रोटॉन टक्करों को अंजाम दिया गया।

यदि इसे सरल उदाहरण से समझें, तो जैसे किसी बच्चे की खिलौना ट्रेन गोलाकार पटरियों पर लगातार घूमती रहती है, ठीक उसी प्रकार इस विशाल मशीन के भीतर प्रोटॉनों के समूह लगभग 27 किलोमीटर लंबी भूमिगत सुरंग में लगातार चक्कर लगाते रहते हैं। वे तब तक दौड़ते रहते हैं, जब तक उनकी गति प्रकाश की गति के अत्यंत निकट नहीं पहुंच जाती। इसके बाद उन्हें निश्चित स्थानों पर अत्यधिक वेग से आपस में टकराया जाता है। इन भीषण टक्करों के क्षणभर में उत्पन्न होने वाले नए कणों का विश्लेषण वहां स्थापित अत्यंत संवेदनशील डिटेक्टरों द्वारा किया जाता है।

यहां प्रश्न उठता है कि इन ऐतिहासिक वैज्ञानिक सफलताओं और भविष्य की इस महत्वाकांक्षी योजना के पीछे किन महान वैज्ञानिकों का योगदान रहा है?

स्विट्जरलैंड की सीमा पर धड़कता ब्रह्मांड का हृदय-

वर्तमान एलएचसी में जब प्रोटॉनों का एक पूरा समूह गुजरता है, तब औसतन लगभग 60 टक्करें होती हैं। लेकिन भविष्य के हाईल्यूमिनोसिटी एलएचसी में यही संख्या बढ़कर 140 से 200 तक पहुंच जाएगी।

इस लक्ष्य को प्राप्त करना आसान नहीं है। इसके लिए इंजीनियरों को कोलाइडर के भीतर लगे विशाल चुंबकों की मूल डिजाइन में बड़े पैमाने पर बदलाव करने होंगे। भूमिगत सुरंग में लगभग 1.20 किलोमीटर लंबे शक्तिशाली चुंबकों को निकालकर नए चुंबकों से बदलना होगा। साथ ही पूरे वैज्ञानिक बुनियादी ढांचे का भी व्यापक आधुनिकीकरण करना पड़ेगा। लेकिन इसका दूसरा पक्ष भी है। इतनी अधिक टक्करों का अर्थ है कि प्रयोगशाला में हर सेकंड पांच अरब से भी अधिक सूक्ष्म कणीय घटनाएं घटित होंगी। इनसे इतना विशाल डेटा उत्पन्न होगा कि उसे पूरी तरह संग्रहित करना लगभग असंभव हो जाएगा। इसी चुनौती से निपटने के लिए वैज्ञानिकों ने डिटेक्टरों में आधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रणाली लगाने की योजना बनाई है। यह स्वचालित प्रणाली पल भर में तय कर लेगी कि कौन-सी घटनाएं वैज्ञानिक दृष्टि से महत्वपूर्ण हैं और किन घटनाओं को अनदेखा किया जा सकता है।

अनुमान है कि हाईल्यूमिनोसिटी एलएचसी अपने पूरे संचालन काल में लगभग 38 करोड़ हिग्स बोसॉन कण उत्पन्न करेगा, जबकि अब तक के सभी संचालन चक्रों में केवल लगभग 5.5 करोड़ हिग्स बोसॉन ही प्राप्त हुए हैं।

श्रीकृष्ण को लेकर टिप्पणी और इस्लाम की राजनीतिक आकांक्षाएं

हृदयनारायण दीक्षित

सामान्य झूठ जब कब चलता ही रहता है, लेकिन इतिहास के तथ्यों को नकारते हुए महाझूठ बोलने की ताजी घटना काफी चर्चा में है। मौलाना जरजिस अंसारी ने झारखंड में एक कार्यक्रम में भगवान श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताया और उन्हें 5 वक्त का नमाजी भी बताया। इस टिप्पणी को लेकर एक एफआईआर लखनऊ के हजरतगंज कोतवाली में दर्ज हुई है। इस बयान में महाझूठ का सहारा लिया गया है। वीडियो वायरल होने से खबर सब तरफ फैल गई है लेकिन अधिकांश लोगों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया।

ठीक बात है इस टिप्पणी को गंभीरता से लेने की कोई आवश्यकता भी नहीं। इसी बहाने श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताने के दावों की तहकीकात व थोड़ी-सी पड़ताल जरूरी है। भारत में इस्लाम आठवीं शताब्दी में मोहम्मद बिन कासिम के हमले के साथ आया। इस्लाम का उदय ही सातवीं शताब्दी में हुआ था। महाभारत युद्ध का काल कम-से-कम तीन हजार साल पुराना है। महाभारत का युद्ध कौरवों और पाण्डवों के बीच लड़ा गया था। युद्ध भूमि में कौरव और पाण्डव आमने-सामने थे। श्रीकृष्ण इस युद्ध में पाण्डवों के पक्षधर होकर प्रकट हुए। उन्होंने युद्ध में हिस्सा नहीं लिया। विषादग्रस्त अर्जुन को तत्वज्ञान, कर्मयोग और राष्ट्रधर्म की शिक्षा दी थी।

श्रीकृष्ण के समय इस्लाम का जन्म भी नहीं हुआ था। मौलाना किस आधार पर उन्हें सच्चा नमाजी बता रहे हैं। इस्लाम की व्याख्या इस आलेख का विषय नहीं है। मौलाना के वक्तव्य से पता चलता है कि उन्होंने गीता का कम-से-कम एक श्लोक पढ़ा है और उसी को आधार बनाकर श्रीकृष्ण को पक्का मुसलमान बताने की कोशिश की है। इस्लाम की राजनीतिक आकांक्षाएं बड़ी हैं। धर्मांतरण कराकर अपनी संख्या बढ़ाना उनके यहां पवित्र माना जाता है। मौलाना ने इसी तर्ज पर श्रीकृष्ण को भी धर्मांतरित कर लिया है। वे खुश हैं कि गीता दर्शन के वक्ता श्रीकृष्ण भी धर्मांतरित किए जा रहे हैं। हिन्दू अपने देवताओं के प्रति सजग आस्था रखते हैं। बहुत संभव है कि कोई और मौलवी श्रीराम और हनुमान को भी पक्का नमाजी बताने लगे। इस दृष्टि से मौलाना का वक्तव्य महत्वपूर्ण है। मौलाना ने अपनी बात के समर्थन में श्रीमद्भगवद्गीता के छठे अध्याय के दसवें श्लोक का हवाला देकर कहा है कि भगवान श्रीकृष्ण पांचों वक्त की नमाज पढ़ते हैं। मूलभूत प्रश्न है कि जब इस्लाम था ही नहीं तब इबादत की बात कहाँ से आई। गीता में कई विचार हैं। भक्ति है। योग है। सन्यास है और प्रत्यक्ष भौतिकवाद भी है लेकिन योगी की प्रतिष्ठा उल्लेखनीय है। श्रीकृष्ण योग साधना की प्रशंसा करते हुए साधना की विधि भी बताते हैं। मौलाना द्वारा इस्तेमाल किए गए छठवें अध्याय के दसवें श्लोक में श्रीकृष्ण योग की विधि बताते हैं। योगी युञ्जीत सततमात्मानं रहसि स्थितः। एकाकी यतचित्तात्मा निराशीरपरिग्रहः ।। (6.10) बताते हैं, योगी को एकांत में रहकर स्वयं को एकाग्र करते हुए सतत आत्मवान होना चाहिए। उसे सभी इच्छाओं और संग्रही भाव से मुक्त रहना चाहिए। (वही 10) यहां योग विज्ञान की सुस्पष्ट झांकी है। मूल श्लोक का सततम् शब्द ध्यान देने योग्य है। योग अभ्यास निरंतर साधना से ही सफल होता है। यहां सततम्का अर्थ गहन निरंतरता है। इसी तरह निराशी का अर्थ हारा हुआ निराश व्यक्ति नहीं है। वह योग के प्रति गहन आशा से परिपूर्ण लेकिन सांसारिक इच्छाओं के प्रति बोधपूर्वक निराशा है। आशा बहुमूल्य धारणा है। आशा में स्वयं के प्रति विश्वास होता है, अस्तित्व के प्रति भरोसा रहता है। ईश्वर या परमात्मा की आस्था वाले लोगों की आशा और भी बेहतर होती है, उन्हें परमात्मा पर विश्वास होता है। गीता में ज्ञान और विज्ञान दोनों का विश्लेषण है। विज्ञान अस्तित्व के गूढ़ नियमों की जानकारी देता है और ज्ञान स्वयं का बोध है। दोनों की सम्यक जानकारी और योग की साधना सांसारिक फलों के प्रति निराशी बनाती है और आत्मबोध के प्रति भरपूर आशा जगाती है। गीता का योग सहज है। सतत आत्मवान होना और निराशी भाव से युक्त होना इसकी सामान्य भूमिका है। गीता का अधिकांश हिस्सा योग प्रधान है। यहाँ सूक्ष्म विश्लेषण वाला सांख्य दर्शन भी साख्य योग है। भक्ति योग है। कर्मयोग भी है। योग परिपूर्ण विज्ञान है। विज्ञान का कोई पंथ, मत, मजहब नहीं होता। यहाँ भाव और बिना जाने विश्वास का कोई स्थान नहीं होता। दर्शन वैज्ञानिक निष्कर्षों का सहयोग लेता है। विज्ञान से आगे निकल जाता है। दर्शन वैज्ञानिक निष्कर्षों का सहयोग लेता है। विज्ञान जहाँ विश्रांत होता है, दर्शन वहीं से कुलांचे भरता है, अज्ञात में भी छलांग लगाता है। विज्ञान और दर्शन में दूरी बनी रहती है। आस्था और तर्क भी साथ-साथ नहीं चलते पर भारतीय द्रष्टा ऋषियों ने कमाल किया है। योग विज्ञान में विज्ञान और दर्शन गलबहियाँ डालते हैं, साथ-साथ चलते हैं। भारतीय योग अनुभूत दर्शन है और विज्ञान भी है। यह परिपूर्ण व्यवहार शास्त्र है। यहाँ अनुभव का विज्ञान है और अनुभूति का दर्शन है। यहाँ राग विराग और मायामोह के अवसर नहीं हैं। जानो, करो, देखो, समझो। योग प्रत्यक्ष दर्शन है। योग आनंद का विज्ञान है। दुख और तनाव सम्पूर्ण विश्व की समस्या है। मनुष्य चित्त रहस्यपूर्ण संरचना है। यह द्रव्य नहीं है, वरना विज्ञान की पकड़ में आ जाता। यह मनुष्य शरीर का सूक्ष्मतम मगर अदृश्य हिस्सा है। मन ही सुख और दुख के अनुभव करता है। यूरोपीय दृष्टि में दुख का कारण आर्थिक अभाव है। भोग सुख है, ज्यादा भोग ज्यादा सुख हैं। भारतीय दर्शन में दुख का कारण अविद्या अज्ञान हैं। भोग सुख नहीं देते, ज्यादा भोग और ज्यादा लोभ देते हैं। लोभ में बाधा से क्रोध आता है। क्रोध बुद्धिनाशी है। बुद्धिनाश से स्मृतिक्षय होती है। मनुष्य तनावग्रस्त होता है। गीता सुख-दुख मुक्त जीवन दर्शन देती है। गीता का योग-दर्शन अनूठा है।

मौलाना को मलाल होगा कि इस्लामी इतिहास में श्रीकृष्ण जैसा नायक नहीं है। हो भी नहीं सकता था। देवता सभी सभ्यताओं में हैं लेकिन ज्यादातर देवता उदास हैं। श्रीकृष्ण नाचते देवता हैं। युद्धभूमि में जाते हैं लेकिन युद्ध में हिस्सा नहीं लेते। मित्र अर्जुन का विषाद प्रसाद बनाते हैं।

भारत में योग की हजारों विधियां थीं। पतंजलि के योग सूत्रों में योग विज्ञान का दर्शन है। गीता में योग साधना के सभी आयामों पर प्रकाश डाला गया है। मौलाना को चाहिए कि वो गीता का पाठ करें और गीता का वास्तविक अर्थ समझने का प्रयास करें। गीता के अंतिम अध्याय में मानने या न मानने की छूट दी गई है। गीता (अध्याय 18) में श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा कि, यह गुप्त और योग ज्ञान हमने तुझे विस्तार से बताया है। इस पर विचार करो और जो ठीक लगे वो करो। *(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)*

सिंधु सभ्यता पर पाकिस्तान का दावा, कहीं छिपा एजेंडा तो नहीं?

कौशल मूंदड़ा

सिंधु सभ्यता को लेकर पाकिस्तान द्वारा हाल ही में अपनाए जा रहे रुख ने भारत के इतिहासकारों, पुराविदों और सांस्कृतिक विरासत के विशेषज्ञों के बीच गंभीर चिंता पैदा कर दी है। यदि समय रहते इस विषय पर तथ्याधारित अंतरराष्ट्रीय विमर्श नहीं हुआ तो यह विवाद केवल सांस्कृतिक दावेदारी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विश्व इतिहास की सबसे प्राचीन नगरीय सभ्यताओं में से एक के स्वरूप, नाम और ऐतिहासिक व्याख्या को प्रभावित करने का प्रयास भी बन सकता है।

किसी भी प्राचीन सभ्यता का मूल्यांकन आधुनिक राजनीतिक सीमाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। सिंधु सभ्यता का विकास उस समय हुआ था, जब न भारत एक आधुनिक राष्ट्र-राज्य था और न ही पाकिस्तान का अस्तित्व था। इसलिए किसी वर्तमान राष्ट्र द्वारा उस पूरी सभ्यता पर विशिष्ट स्वामित्व का दावा करना इतिहास की स्थापित पद्धति के अनुरूप नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान लंबे समय से मोहनजोदड़ो और हड़प्पा जैसे अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को राष्ट्रीय विरासत के रूप में प्रस्तुत करता रहा है, जो स्वाभाविक भी है। किंतु हाल के वर्षों में जिस प्रकार पांच हजार वर्ष पुराना पाकिस्तान जैसी अवधारणाओं को बढ़ावा दिया गया है तथा सिंधु सभ्यता को पाकिस्तान की ऐतिहासिक पहचान के मूल आधार के रूप में प्रस्तुत करने के प्रयास दिखाई दिए हैं, उन्होंने नई बहस को जन्म दे दिया है। जबकि, पूरी दुनिया जानती है कि पाकिस्तान का अस्तित्व ही सन् 1947 से है।

इस विषय पर चिंतन की आवश्यक इसलिए भी है क्योंकि पाकिस्तान पिछले कुछ समय से लगातार ऐसे बयान जारी कर रहा है। अप्रैल 2025 में पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत द्वारा सिंधु जल संधि को स्थगित करने की घोषणा के बाद 2025 के उत्तरार्ध में पाकिस्तान ने इंडस विरासत को राष्ट्रीय पहचान से जोड़ने वाले अभियानों को गति देना शुरू कर दिया। जून 2026 में सिंधु जल संधि विवाद के समानांतर पाकिस्तान ने सिंधु सभ्यता को अधिक प्रमुखता से प्रस्तुत करना शुरू किया। हाल ही, जुलाई 2026 में इस्लामाबाद में आयोजित अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में सिंधु जल और सांस्कृतिक विरासत के मुद्दे को साथ रखकर भारत की आलोचना की गई।

इतिहास केवल भूगोल नहीं, स्मृति भी है

इतिहास को समझने के लिए केवल वर्तमान मानचित्र पर्याप्त नहीं होते। समय के साथ कई नगरों, नदियों, क्षेत्रों और सांस्कृतिक केंद्रों के नाम बदलते रहे हैं। यदि इन परिवर्तनों को ऐतिहासिक संदर्भ से अलग कर देखा जाए तो आने वाली पीढ़ियों के सामने इतिहास की वास्तविक निरंतरता धुंधली पड़ सकती है।

जो विद्यार्थी और शोधार्थी इतिहास विषय के हैं, वे प्राचीन नामों और उनके आधुनिक रूपों का अध्ययन करते हैं, किंतु इतिहास से इतर विषयों के अधिकांश विद्यार्थियों के लिए यह जानकारी नई हो सकती है कि आज की नीलम घाटी प्राचीन ग्रंथों में किशनगंगा के नाम से वर्णित है और आज का काबुल भारतीय प्राचीन ग्रंथों में कुबा के नाम से अपना स्थान रखता है। श्रीनगर स्थित शंकराचार्य मठ का पर्वत आज तख्त-ए-सुलेमान के नाम से भी जाना जाता है। इसी तरह, लायलपुर आज फैसलाबाद कहलाता है। सांकल का वर्तमान नाम सियालकोट है। वितस्ता का आधुनिक नाम झेलम है। आस्किनी आज चिनाब कहलाती है। प्राचीन हरिरुद को आज हेलमंड के नाम से जाना जाता है। गांधार का आधुनिक रूप कंधार है। वराहमूल आज बारामूला कहलाता है। नामों के इन परिवर्तनों को समझे बिना प्राचीन ग्रंथों और पुरातात्विक साक्ष्यों का समुचित अध्ययन संभव नहीं है। यही कारण है कि किसी सभ्यता की पहचान को केवल आधुनिक नामों और वर्तमान राजनीतिक सीमाओं के आधार पर परिभाषित करना ऐतिहासिक दृष्टि से अधूरा माना जाता है।

सिंधु सभ्यता का वास्तविक विस्तार

वरिष्ठ पुरातत्वविद व साहित्य संस्थान के सेवानिवृत्त निदेशक डॉ. जीवन सिंह खरकवाल कहते हैं कि सिंधु सभ्यता का विस्तार वर्तमान पाकिस्तान, भारत तथा अफगानिस्तान के कुछ भागों तक था। इसके प्रमुख नगर मोहनजोदड़ो और हड़प्पा आज पाकिस्तान में स्थित हैं, जबकि धोलावीरा, राखीगढ़ी, लोथल, कालीबंगन, बनावली सहित 900 से अधिक महत्वपूर्ण पुरास्थल भारत में हैं, जबकि पाकिस्तान में 600 ही हैं। ज्ञात पुरास्थलों की संख्या के आधार पर भी भारत का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण माना जाता है। उनका मानना है कि यह सभ्यता किसी एक आधुनिक राष्ट्र की नहीं, बल्कि पूरे उत्तर-पश्चिम भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत है।

क्या केवल सांस्कृतिक प्रस्तुति है या उससे आगे की तैयारी?

चिंता केवल इस बात तक सीमित नहीं है कि पाकिस्तान अपने भूभाग में स्थित पुरास्थलों को प्रचारित कर रहा है। उनकी वास्तविक चिंता यह है कि कहीं यह प्रयास धीरे-धीरे इतिहास की नई व्याख्या स्थापित करने की दिशा में तो नहीं बढ़ रहा। सभ्यता अध्ययन केन्द्र नई दिल्ली के सह निदेशक डॉ. विवेक भटनागर का मत है कि यदि किसी सभ्यता की उत्पत्ति, उसके सांस्कृतिक आधार और उसके भौगोलिक विस्तार को क्रमशः नए राजनीतिक आख्यानों के अनुरूप प्रस्तुत किया जाने लगे, तो भविष्य में अंतरराष्ट्रीय विमर्श प्रभावित हो सकता है। इसी कारण वे इस विषय को गंभीरता से लेने की आवश्यकता पर बल दे रहे हैं। इतिहास में कई उदाहरण ऐसे मिलते हैं, जहां लंबे समय तक दोहराए गए राजनीतिक आख्यान बाद में सामान्य धारणा का रूप ले गए। इसलिए सिंधु सभ्यता जैसे वैश्विक महत्व के विषय पर तथ्यात्मक और प्रमाण-आधारित विमर्श अत्यंत आवश्यक है।

नाम बदलने की आशंका भी?

यह आशंका भी है कि यदि किसी सभ्यता की पहचान को नए राजनीतिक आख्यानों से जोड़ने का प्रयास जारी रहा, तो भविष्य में उसके नाम, सांस्कृतिक स्वरूप अथवा ऐतिहासिक प्रस्तुतीकरण में भी परिवर्तन की कोशिश की जा सकती है। यद्यपि ऐसा कोई आधिकारिक कदम अब तक सामने नहीं आया है, फिर भी इस संभावना को पूरी तरह नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। विश्व विरासत से जुड़े विषयों में समय रहते तथ्यात्मक हस्तक्षेप और अकादमिक संवाद आवश्यक होता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शोध और संवाद की मांग

सिंधु सभ्यता जैसे विषय को भारत-पाकिस्तान के द्विपक्षीय विवाद के रूप में नहीं, बल्कि मानव सभ्यता की साझा धरोहर के रूप में देखा जाना चाहिए। इसके लिए यूनेस्को, अंतरराष्ट्रीय पुरातत्व संस्थानों और इतिहास शोध संस्थाओं के स्तर पर व्यापक विमर्श, संयुक्त शोध और प्रमाण-आधारित अध्ययन को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इतिहास का संरक्षण भावनाओं से नहीं, बल्कि पुरातात्विक साक्ष्यों, अभिलेखों, वैज्ञानिक अनुसंधानों और प्रमाणित स्रोतों के आधार पर होना चाहिए। यदि किसी प्रकार का पुनर्लेखन या एकपक्षीय व्याख्या सामने आती है तो उसका उत्तर भी तथ्यों और शोध के माध्यम से ही दिया जाना चाहिए।

महती आवश्यकता है भारत सरकार इस विषय पर गंभीरता से विचार करे तथा अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत के पुरातात्विक और ऐतिहासिक साक्ष्यों को अधिक प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करे। यह केवल अतीत का प्रश्न नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए ऐतिहासिक सत्य के संरक्षण का विषय है। भारत के पास सिंधु सभ्यता से जुड़े समृद्ध पुरातात्विक साक्ष्य, शोध और अकादमिक सामग्री उपलब्ध है। आवश्यकता इस बात की है कि उन्हें वैश्विक स्तर पर व्यवस्थित रूप से प्रस्तुत किया जाए, ताकि मानव सभ्यता की इस अमूल्य धरोहर का इतिहास किसी राजनीतिक आख्यान का नहीं, बल्कि प्रमाणित तथ्यों का इतिहास बना रहे। सिंधु सभ्यता किसी आधुनिक राष्ट्र की संपत्ति नहीं बल्कि सम्पूर्ण मानवता की साझा धरोहर है। इसलिए इसके इतिहास, स्वरूप और पहचान से जुड़ा प्रत्येक दावा पुरातात्विक साक्ष्यों, वैज्ञानिक अनुसंधान और स्थापित इतिहासलेखन की कसौटी पर परखा जाना चाहिए। *(लेखक स्वतंत्र पत्रकार व पुरातत्व शोधार्थी हैं)*

चाबहार पोर्ट : भारत ने बनाया, अमेरिका ने बढ़ाई चिंता

स्नेहा सिंह

ईरान और अमेरिका के बीच जारी युद्ध ने पश्चिम एशिया में तनाव को और अधिक बढ़ा दिया है। युद्ध के दौरान अमेरिका ने ईरान के रणनीतिक महत्व वाले चाबहार बंदरगाह के नेविगेशन कंट्रोल और मॉनिटरिंग टावर पर मिसाइल हमला किया। अमेरिका का दावा है कि इस टावर का उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने वाले जहाजों की निगरानी और उन पर सैन्य कार्रवाई के लिए किया जाता था। दूसरी ओर ईरान ने इन आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि यह केवल व्यापारिक जहाजों की आवाजाही के संचालन का केंद्र था और यहां से कोई सैन्य गतिविधि संचालित नहीं होती थी। ईरान ने इसे अपने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमला बताते हुए अमेरिका को गंभीर परिणाम भुगतने की चेतावनी दी है। चाबहार बंदरगाह का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा शाहिद बेहेश्ती टर्मिनल भारत की सरकारी कंपनी इंडिया पोर्ट्स ग्लोबल लिमिटेड संचालित करती है। मई, 2024 में हुए समझौते के तहत ईरान ने यह टर्मिनल भारत को दस वर्षों के लिए संचालन हेतु सौंपा था। हालांकि अमेरिकी हमले में इस टर्मिनल को प्रत्यक्ष नुकसान नहीं पहुंचा, लेकिन नेविगेशन टावर के नष्ट होने से पूरे बंदरगाह के संचालन पर असर पड़ना स्वाभाविक माना जा रहा है। यदि बंदरगाह की गतिविधियां प्रभावित होती हैं तो इसका असर भारत की व्यापारिक और रणनीतिक योजनाओं पर भी पड़ेगा। भारत ने चाबहार बंदरगाह के विकास का निर्णय वर्ष 2003 में तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में लिया था। बाद में ईरान पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण परियोजना की गति धीमी पड़ गई। वर्ष 2016 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईरान यात्रा के दौरान दोनों देशों के बीच नए समझौते हुए और भारत ने बंदरगाह के विकास के लिए लगभग 500 मिलियन डालर निवेश की घोषणा की। इसके बाद परियोजना को नई गति मिली। चाबहार भारत के लिए केवल एक बंदरगाह नहीं, बल्कि सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण परियोजना है। पाकिस्तान भारत को अपने भूमार्ग का उपयोग नहीं करने देता। ऐसे में चाबहार के माध्यम से भारत सीधे अफगानिस्तान और मध्य एशिया तक पहुंच सकता है। यह बंदरगाह चीन द्वारा विकसित पाकिस्तान के ग्वादर बंदरगाह से लगभग 170 किलोमीटर दूर स्थित है और इसे भारत की रणनीतिक जवाबी पहल माना जाता है। गुजरात के कांडला बंदरगाह से इसकी दूरी लगभग 550 नॉटिकल मील होने के कारण व्यापारिक परिवहन भी अधिक सुविधाजनक बनता है। चाबहार अंतरराष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर का भी प्रमुख हिस्सा है। इस मार्ग के माध्यम से भारत रूस, कजाकिस्तान, उजबेकिस्तान और अन्य मध्य एशियाई देशों तक कम समय और कम लागत में सामान पहुंचा सकता है। भारत ने चाबहार को अफगानिस्तान से सड़क और रेल मार्ग द्वारा जोड़ने की महत्वाकांक्षी योजना भी बनाई है। भारत पहले ही ईरान-अफगानिस्तान सीमा पर 215 किलोमीटर लंबा जरांज-देलाराम राजमार्ग बना चुका है, जो अफगानिस्तान के प्रमुख गारलैंड हाईवे से जुड़ता है। इसके अलावा चाबहार-जहेदान-जरांज रेल परियोजना पर भी काम चल रहा है। अफगानिस्तान के विशाल लौह, तांबा, लिथियम तथा अन्य खनिज संसाधनों तक पहुंच बनाने में यह परियोजना भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है।

विश्लेषकों का मानना है कि यदि युद्ध के दौरान चाबहार पर और हमले होते हैं तो भारत की दीर्घकालिक व्यापारिक, ऊर्जा और सामरिक रणनीति प्रभावित हो सकती है। भारत और ईरान के बीच वर्षों से मजबूत आर्थिक और रणनीतिक संबंध रहे हैं। दोनों देशों ने प्रतिबंधों के दौर में रुपया-रियाल व्यापार प्रणाली भी विकसित की थी। ऐसे में चाबहार पर बढ़ता संकट दोनों देशों के सहयोग पर नई चुनौती बनकर उभरा है। इसी बीच रूस के विशेष डूम्सडे विमान टीयू-214पीयू के ईरान पहुंचने से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई अटकलें शुरू हो गई हैं। यह विमान सामान्य परिस्थितियों में विदेश नहीं भेजा जाता और केवल उच्च स्तरीय सुरक्षा तथा रणनीतिक वार्ताओं के लिए उपयोग में लाया जाता है। विमान लगभग बारह घंटे तक ईरान में रहा, लेकिन रूस और ईरान दोनों ने उसकी यात्रा के उद्देश्य का खुलासा नहीं किया। माना जा रहा है कि इस दौरान दोनों देशों के बीच युद्ध संबंधी महत्वपूर्ण चर्चा हुई और अमेरिका को यह संदेश देने की कोशिश की गई कि रूस ईरान के साथ खड़ा है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच चाबहार बंदरगाह का भविष्य अब केवल ईरान का मुद्दा नहीं रह गया है। यह भारत की क्षेत्रीय संपर्क नीति, अंतरराष्ट्रीय व्यापार, ऊर्जा सुरक्षा और सामरिक हितों से भी सीधे जुड़ा हुआ है। इसलिए चाबहार पर होने वाली हर गतिविधि पर भारत की नजर बनी हुई है।

बोलिए कौन तय करेगा कि आप गुनहगार हैं या नहीं?

वीरेंद्र बहादुर सिंह

क्या कोई व्यक्ति केवल इसलिए अपराधी बन जाता है, क्योंकि कानून की किताब में एक धारा बदल गई? या फिर वही व्यक्ति अगले दिन निर्दोष घोषित हो जाता है, क्योंकि कानून ने अपना रुख बदल लिया? यह सवाल जितना सरल दिखाई देता है, उतना ही गहरा है। समाज, नैतिकता और कानून के बीच का संबंध हमेशा से बहस का विषय रहा है। कई बार कानून व्यक्ति के आचरण को नियंत्रित करता है, जबकि कई बार समाज की बदलती सोच कानून को बदलने पर मजबूर कर देती है।

गुजरात या बिहार इसका रोचक उदाहरण हैं। यदि आप गुजरात या बिहार की सीमा के भीतर शराब पीते हुए पकड़े जाते हैं, तो कानून आपको अपराधी मानता है और जेल तक भेज सकता है। लेकिन उसी सीमा से कुछ ही मिनट की दूरी पर स्थित किसी दूसरे राज्य के शराबखाने में बैठकर शराब पीने पर वही व्यक्ति पूरी तरह कानूनसम्मत माना जाता है। व्यक्ति वही है, उसका चरित्र भी वही है, केवल भौगोलिक सीमा बदलते ही उसकी कानूनी पहचान बदल जाती है। इससे यह प्रश्न उठता है कि आखिर अपराध का निर्धारण व्यक्ति करता है या कानून?

ऐसी ही स्थिति समलैंगिक संबंधों के मामले में भी देखने को मिली। कुछ वर्ष पहले तक भारत में भारतीय दंड संहिता की धारा 377 के अंतर्गत समलैंगिक संबंध अपराध माने जाते थे। ऐसे संबंध रखने वाले लोगों को गिरफ्तारी और सजा का सामना करना पड़ सकता था। समय बदला, समाज की सोच बदली और अंततः न्यायपालिका ने इस कानून की नई व्याख्या की। आज वही संबंध अपराध नहीं माने जाते। अमेरिका में जब सर्वोच्च न्यायालय ने समलैंगिक विवाह को सभी राज्यों में वैध घोषित किया तो व्हाइट हाउस को इंद्रधनुषी रंगों से सजाया गया। यह केवल एक कानूनी फैसला नहीं था, बल्कि सामाजिक बदलाव का प्रतीक भी था।

यही कानून की सबसे बड़ी विडंबना है। जिस कार्य को कल तक कानून अपराध कहता था, वही आज वैध हो सकता है। और जिसे आज वैध माना जा रहा है, भविष्य में उस पर प्रतिबंध भी लगाया जा सकता है। ऐसे में यह समझना कठिन हो जाता है कि सही और गलत का अंतिम पैमाना क्या है। यदि केवल कानून ही सब कुछ तय करता है, तो बदलते कानूनों के साथ अपराध और निर्दोषता की परिभाषा भी बदलती रहेगी। भारत ही नहीं, दुनिया के लगभग सभी देशों में कानून व्यक्ति के निजी जीवन, विशेषकर उसकी यौन स्वतंत्रता, को किसी न किसी रूप में नियंत्रित करता है। भारतीय दंड संहिता जब 1860 में लागू हुई थी, तब सहमति से यौन संबंध बनाने की न्यूनतम आयु लड़कियों के लिए केवल दस वर्ष निर्धारित की गई थी। दस वर्ष से कम आयु की बच्ची के साथ संबंध बलात्कार माना जाता था। 1891 में इस आयु को बढ़ाकर बारह वर्ष किया गया। 1940 में यह सीमा सोलह वर्ष हो गई। बाद में बाल अधिकारों को ध्यान में रखते हुए 2012 में प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेन्सेस यानी पोक्सो कानून लागू हुआ और सहमति की न्यूनतम आयु बढ़ाकर अठारह वर्ष कर दी गई।

लेकिन कानूनों में विरोधाभास भी दिखाई देते हैं। लंबे समय तक भारतीय दंड संहिता में यह व्यवस्था रही कि यदि पत्नी की आयु पंद्रह से अठारह वर्ष के बीच है तो उसके साथ सहमति सेट बनाए गए संबंध अपराध नहीं माने जाएंगे, जबकि पोक्सो कानून अठारह वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को बच्चा मानकर उसकी सुरक्षा की बात करता है। दूसरी ओर विवाह की न्यूनतम आयु अठारह वर्ष निर्धारित है, लेकिन देश के अनेक हिस्सों में बाल विवाह आज भी सामाजिक परंपरा के रूप में मौजूद हैं। इस प्रकार एक ही समाज में अलग-अलग कानून और सामाजिक व्यवहार कई बार परस्पर टकराते दिखाई देते हैं।

दुनिया के अलग-अलग देशों में भी यौन संबंधों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता को लेकर अलग-अलग कानून हैं। कई इस्लामिक देशों में विवाहेतर संबंधों पर कठोर दंड का प्रावधान है। भारत में भी व्यभिचार और पारिवारिक कानूनों से जुड़े अनेक प्रावधान रहे हैं, हालांकि उनका व्यवहारिक उपयोग समय के साथ बदलता रहा है। कई कानून ऐसे भी हैं , जो किताबों में तो मौजूद हैं, लेकिन उनका पालन व्यवहार में बहुत सख्ती से नहीं होता। उदाहरण के लिए ।कुछ राज्यों में शराब पीने के लिए परमिट की व्यवस्था है, परंतु व्यवहार में शायद ही किसी बार में ग्राहक से परमिट मांगा जाता हो। इससे स्पष्ट होता है कि कानून और उसका वास्तविक क्रियान्वयन हमेशा एक समान नहीं होते।

निस्संदेह, कानून किसी भी सभ्य समाज की आवश्यकता है। यदि कानून न हों तो व्यक्ति की स्वतंत्रता, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा संभव नहीं होगी। कानून यह सुनिश्चित करते हैं कि कोई किसी का शोषण न करे, किसी को नुकसान न पहुंचाए और समाज में अराजकता न फैले। लेकिन जब कानून अपनी मूल सीमा से आगे बढ़कर व्यक्ति की निजी जिंदगी में अनावश्यक हस्तक्षेप करने लगते हैं, तब उनका विरोध शुरू होता है। इतिहास गवाह है कि जब यह विरोध व्यापक जनसमर्थन प्राप्त कर लेता है तो अंततः कानून बनाने वालों को भी अपने निर्णय बदलने पड़ते हैं। समलैंगिक संबंधों और विवाह के संबंध में अनेक देशों में हुए परिवर्तन इसका उदाहरण हैं।

मीडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने श्री मनोहर रंगलानी का किया भव्य स्वागत एवं सम्मान

मीडिया प्रेस क्लब के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक लालवानी ने अपने कार्यालय में कटनी (मध्य प्रदेश) से पधारे प्रतिष्ठित समाजसेवी श्री मनोहर रंगलानी का आत्मीय स्वागत एवं गरिमामय सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

कार्यक्रम सौहार्द, सामाजिक समरसता और संगठनात्मक एकता का प्रेरणादायी उदाहरण बना। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक लालवानी, वरिष्ठ समाजसेवी श्री लाल खेमानी तथा श्री सौरभ खेमानी ने श्री मनोहर रंगलानी को सम्मान-चिन्ह भेंट कर उनका अभिनंदन किया।

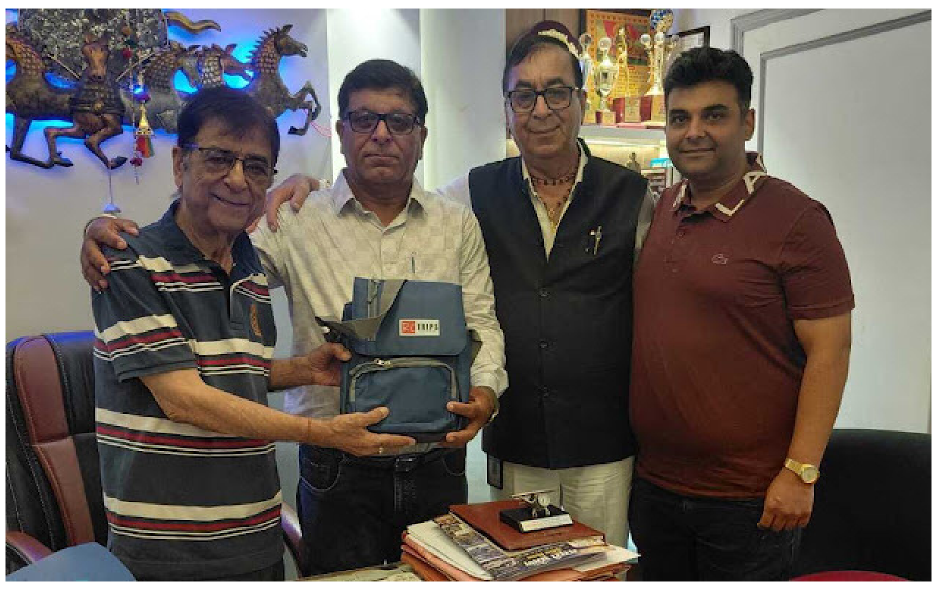

उपस्थित सभी गणमान्यजनों ने समाज एवं संगठन के प्रति उनके उल्लेखनीय योगदान की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए उनके अनुभव और सेवा-भाव को प्रेरणादायक बताया।समारोह के दौरान श्री मनोहर रंगलानी को सिंधी काउंसिल ऑफ इंडिया की एक वर्ष की सदस्यता भी प्रदान की गई। इस अवसर पर वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि उनके अनुभव, सहयोग और मार्गदर्शन से संस्था की सामाजिक, सांस्कृतिक तथा जनसेवा संबंधी गतिविधियों को नई गति और मजबूती प्राप्त होगी। अपने संबोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अशोक लालवानी ने कहा कि मीडिया प्रेस क्लब केवल पत्रकारों का संगठन ही नहीं, बल्कि समाज सेवा, मानवीय मूल्यों, सामाजिक एकता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण का एक सशक्त मंच है।

उन्होंने कहा कि अनुभवी एवं समर्पित व्यक्तित्वों के जुड़ने से संगठन की जनकल्याणकारी गतिविधियों का विस्तार और प्रभाव दोनों बढ़ेंगे। कार्यक्रम के अंत में मीडिया प्रेस क्लब परिवार ने श्री मनोहर रंगलानी का हार्दिक स्वागत करते हुए उनके उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य एवं सफल सामाजिक जीवन की मंगलकामनाएँ व्यक्त कीं। समारोह आत्मीयता, सम्मान और संगठनात्मक एकजुटता के वातावरण में संपन्न हुआ।

पंजाबी कश्यप राजपूत मंच (मेहरा समाज) दिल्ली का नया नेतृत्व घोषित, अवतार सिंह बने अध्यक्ष

पंजाबी कश्यप राजपूत मंच (मेहरा समाज) पंजीकृत, दिल्ली की आमसभा रविवार को सनातन धर्म मंदिर (बड़ा मंदिर), रमेश नगर में गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। बैठक में समाज के वरिष्ठ पदाधिकारियों एवं गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से अवतार सिंह को मंच का नया अध्यक्ष घोषित किया गया। चुनाव प्रक्रिया का संचालन चुनाव अधिकारी कीमती लाल (न्यू मोती नगर) एवं अशोक कुमार ने किया। दोनों अधिकारियों ने आमसभा में सर्वसम्मति से लिए गए निर्णय की घोषणा करते हुए अवतार सिंह को अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी सौंपी। बैठक की अध्यक्षता समाज के वरिष्ठ एवं सम्मानित व्यक्तित्व हंसराज सनहोत्रा (गीता कॉलोनी) ने की। इस अवसर पर अखिल भारतीय आदिवासी कश्यप निषाद भोई समन्वय समिति के अखिल भारतीय सह-समन्वयक गुरचरण जी, दिल्ली समन्वय समिति के महामंत्री सुभाष मेहरा, कोषाध्यक्ष सुनील कश्यप तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में अखिल भारतीय कश्यप महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राम सिंह भाटी भी उपस्थित रहे।

आमसभा में संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के उद्देश्य से दो अन्य महत्वपूर्ण नियुक्तियों की भी घोषणा की गई। धर्मपाल रात्रा को महामंत्री तथा मनोज कुमार तेतरी को संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई। सभा के प्रधान राजकुमार मेहरा ने नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि नया नेतृत्व समाज को नई दिशा देगा तथा संगठन को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अवतार सिंह ने सभी सदस्यों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाज ने उन पर जो विश्वास जताया है, उस पर वे पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ खरा उतरने का प्रयास करेंगे। उन्होंने समाज की एकता, संगठन के विस्तार तथा सामाजिक उत्थान के लिए सभी को साथ लेकर कार्य करने का संकल्प भी दोहराया। आमसभा का समापन समाज की एकजुटता, संगठन की मजबूती और सामाजिक विकास के संकल्प के साथ हुआ।

Frigate GreenTech Energy Pvt Ltd
Frigate
SolarTech
A SOLAR POWER SOLUTION
Onsite services with trust ..
SOLAR POWER SOLUTIONS
Efficient & reliable solar solutions for a sustainable future.
ON-SITE SERVICES
Professional installation, testing, commissioning & maintenance at your site.
TRUST & RELIABILITY
Building long-term relationships through honesty, quality & support.
CLEAN ENERGY
Reduce carbon footprint and save on energy costs.
TRUST
QUALITY
PERFORMANCE
COMMITMENT
POWERING A
BRIGHTER TOMORROW
SAVE ENERGY COST
INCREASE PROPERTY VALUE
ECO FRIENDLY SOLUTION
RELIABLE SUSTAINABLE ENERGY
OUR SOLAR POWER & ENERGY SOLUTIONS
ROOFTOP SOLAR SYSTEM
Grid-tied Rooftop Solutions for Homes, Businesses & Industries.
SOLAR PLANT INSTALLATION
On-grid, Off-grid & Hybrid Solar Power Plant Solutions.
SOLAR INVERTERS
High Performance Inverters for Maximum Energy Efficiency.
SOLAR BATTERIES & ENERGY STORAGE
Reliable Energy Storage Solutions for Uninterrupted Power Supply.
SOLAR STRUCTURE & MOUNTING
Durable & Corrosion Resistant Structures for Long Life.
OPERATION & MAINTENANCE
Comprehensive AMC & Support for Optimal Performance.
EXPERT ENGINEERS
QUALITY ASSURANCE
TIMELY EXECUTION
AFTER SALES SUPPORT
CUSTOMER SATISFACTION
HIGH ROI & LONG TERM SAVINGS
FOR INQUIRY PLEASE CONTACT
+ 91- 9871700893
frigategreentech@gmail.com
C-65, 4th floor DDA Shed, Okhla Industrial Area Phase 1, New Delhi 110020, India
CLEAN ENERGY FOR A BETTER PLANET
SMART SOLAR STRONGER FUTURE
GO SOLAR GO GREEN
SUSTAINABLE TODAY BETTER TOMORROW

वैज्ञानिकों ने अध्ययन में किया खुलासा

सूक्ष्म जीवों पर असर डाल सकते हैं लो-कैलोरी स्वीटनर्स

- लैब में 25 तरह के गट बैक्टीरिया को अलग-अलग किया विकसित
- शरीर की सूजन तथा इम्यून सिस्टम से जुड़ी प्रक्रिया प्रभावित

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अक्सर लोग चीनी से बचने के लिए डाइट ड्रिंक, शुगर-फ्री मिठाइयों या कम कैलोरी वाले प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं। इन्हें सेहत के लिए बेहतर विकल्प माना जाता है, लेकिन अब यूनिवर्सिटी ऑफ कैम्ब्रिज के वैज्ञानिकों की एक स्टडी बताती है कि ये स्वीटनर्स हमारी आंतों में रहने वाले अच्छे बैक्टीरिया पर असर डाल सकते हैं।

हमारी आंतों में करोड़ों सूक्ष्म जीव रहते हैं, जिन्हें मिलाकर 'गट माइक्रोबायोम' कहा जाता है। ये बैक्टीरिया सिर्फ खाना पचाने में ही मदद नहीं करते, बल्कि ब्लड शुगर को नियंत्रित रखने, इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाने और शरीर की कई जरूरी प्रक्रियाओं में भी अहम भूमिका निभाते हैं। इसलिए अगर इन बैक्टीरिया का संतुलन बिगड़ता है, तो इसका असर हमारी सेहत पर भी पड़ सकता है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के मेडिकल रिसर्च काउंसिल (एमआरसी) टॉक्सिकोलॉजी यूनिट के वैज्ञानिकों ने यह जानने की कोशिश की कि बाजार में इस्तेमाल होने वाले आम स्वीटनर्स सीधे गट बैक्टीरिया पर क्या असर डालते हैं। इसके लिए उन्होंने लैब में 25 तरह के गट बैक्टीरिया (सूक्ष्मजीव) को अलग-अलग विकसित किया। इनमें कुछ फायदेमंद थे, कुछ सामान्य और कुछ ऐसे भी थे जो नुकसान पहुंचा सकते हैं। इसके बाद इन बैक्टीरिया को 39 अलग-अलग आर्टिफिशियल और लो-कैलोरी स्वीटनर्स के संपर्क में लाया गया।

रिसर्च में सामने आया कि करीब 75 प्रतिशत स्वीटनर्स ने कम से कम एक तरह के बैक्टीरिया की ग्रोथ को प्रभावित किया। कुछ स्वीटनर्स ने ऐसे बैक्टीरिया की बढ़त को धीमा कर दिया जो स्वस्थ आंतों के लिए जरूरी माने जाते हैं।

वैज्ञानिकों ने यह भी देखा कि जब इन स्वीटनर्स को दूसरी चीजों जैसे कैफीन, वनीला एक्सट्रैक्ट, दूसरे स्वीटनर्स और कुछ आम दवाओं के साथ मिलाया जाता है, तब क्या होता है। इस दौरान उन्हें 100 से ज्यादा ऐसे मामले मिले, जहां स्वीटनर का असर अकेले इस्तेमाल करने की तुलना में बदल गया। कुछ मामलों में असर और ज्यादा बढ़ गया, जबकि कुछ में कम हो गया।

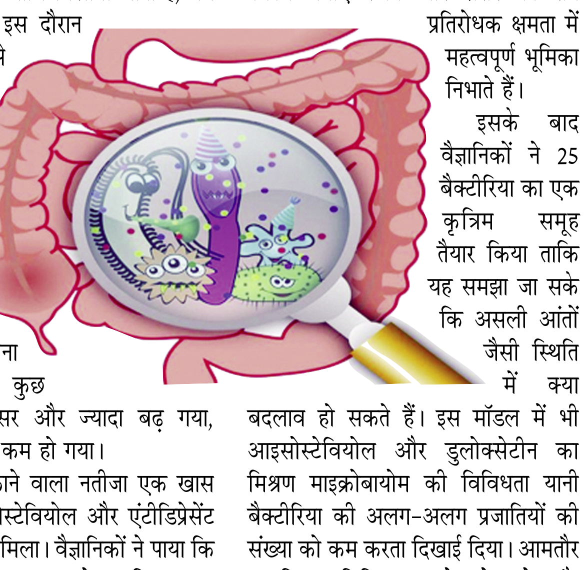

सबसे चौंकाने वाला नतीजा एक खास स्वीटनर आइसोस्टेवियोल और एंटीडिप्रेसेंट डुलोक्सेटीन से मिला। वैज्ञानिकों ने पाया कि जब दोनों को एक साथ इस्तेमाल किया गया, तो उन्होंने दो महत्वपूर्ण गट बैक्टीरिया रोजबुरिया इंटेस्टाइनलिस और पैराबैक्टेरॉइड्स मर्डे की ग्रोथ को काफी हद तक रोक दिया। ये दोनों बैक्टीरिया ब्लड शुगर को संतुलित रखने, पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने और शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

इसके बाद वैज्ञानिकों ने 25 बैक्टीरिया का एक कृत्रिम समूह तैयार किया ताकि यह समझा जा सके कि असली आंतों जैसी स्थिति में क्या बदलाव हो सकते हैं। इस मॉडल में भी आइसोस्टेवियोल और डुलोक्सेटीन का मिश्रण माइक्रोबायोम की विविधता यानी बैक्टीरिया की अलग-अलग प्रजातियों की संख्या को कम करता दिखाई दिया। आमतौर पर जितना विविध माइक्रोबायोम होता है, उसे उतना ही स्वस्थ माना जाता है। इसके अलावा इस मिश्रण ने कुछ कोशिकाओं पर विषैले प्रभाव भी दिखाए और शरीर की सूजन तथा इम्यून सिस्टम से जुड़ी प्रक्रियाओं को प्रभावित करने के संकेत मिले।

रिसर्च की प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. सोनजा ब्लाशे का कहना है कि स्वीटनर्स को अक्सर इस तरह प्रचारित किया जाता है जैसे उनका शरीर पर कोई खास असर नहीं पड़ता, लेकिन उनकी स्टडी इस धारणा को चुनौती देती है। उनके मुताबिक, जब ये पदार्थ दवाओं या दूसरे फूड एडिटिव्स के साथ मिलते हैं, तो इनके असर बदल सकते हैं और गट माइक्रोबायोम पर अनचाहा प्रभाव डाल सकते हैं।

वहीं, स्टडी के वरिष्ठ लेखक प्रोफेसर किरण पाटिल का कहना है कि यह रिसर्च इस दिशा में आगे के अध्ययन का रास्ता खोलती है।

उनका कहना है कि आर्टिफिशियल स्वीटनर्स सिर्फ शरीर से बिना असर किए बाहर नहीं निकल जाते, बल्कि वे गट बैक्टीरिया के साथ प्रतिक्रिया कर सकते हैं और दूसरी चीजों के साथ मिलकर उनका प्रभाव और भी बदल सकता है।

सोशल मीडिया फॉलोअर्स से नहीं टैलेंट से होनी चाहिए पहचान : नैना

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। फिल्म और मनोरंजन की दुनिया में आज किसी कलाकार की पहचान सिर्फ उसकी एक्टिंग से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया की लोकप्रियता से भी जुड़ने लगी है। इसी मुद्दे पर अब वेब सीरीज 'राख' की एक्ट्रेस नैना सरीन ने अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि किसी कलाकार की असली पहचान उसके फॉलोअर्स या सोशल मीडिया इमेज से नहीं, बल्कि उसके टैलेंट और मेहनत से होनी चाहिए।

नैना सरीन ने कहा कि मैंने इंडस्ट्री में काम करते हुए कई चीजें सीखी हैं। हालांकि एक बात पर मेरा विश्वास हमेशा मजबूत रहा है कि टैलेंट ही किसी कलाकार की सबसे बड़ी पहचान है। सोशल मीडिया पोस्ट, फॉलोअर्स की संख्या या पब्लिक इमेज किसी कलाकार की क्षमता को तय नहीं कर सकती।

नैना सरीन ने कहा कि आज के दौर में कई बार कलाकारों को उनकी ऑनलाइन लोकप्रियता के आधार पर भी प्रोजेक्ट मिलते हैं। कई बार मुझे लगता है कि अगर मेरे सोशल मीडिया फॉलोअर्स ज्यादा होते तो शायद मुझे कुछ और मौके मिल सकते थे, लेकिन मुझे ऐसे कई फिल्ममेकर्स मिले हैं, जो अभी कलाकारों को सिर्फ उनकी काबिलियत और मेहनत देखकर चुनते हैं।

उन्होंने कहा कि ऐसे लोगों से मुझे उम्मीद मिलती है कि आने वाले समय में असली प्रतिभा को हमेशा महत्व मिलेगा।

सिल्वर सिटी-2 चैंपियंस लीग का आगाज, 10 खेल प्रतियोगिताओं में दिखाएंगे खिलाड़ी दम

ग्रेटर नोएडा,19 जुलाई (देशबन्धु)। पूर्वांचल सिल्वर सिटी-2 सोसाइटी में रविवार से वार्षिक खेल महोत्सव सिल्वर सिटी-2 चैंपियंस लीग की शुरुआत हो गई। खेल महोत्सव का उद्घाटन सोसाइटी के आरडब्ल्यूए अध्यक्ष आलोक साध ने किया। उद्घाटन के साथ ही बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों में खेलों को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष आलोक साध ने कहा कि सोसाइटी में पिछले आठ वर्षों से इस खेल महोत्सव का लगातार आयोजन किया जा रहा है। यह केवल खेल प्रतियोगिता नहीं, बल्कि सभी निवासियों को एक साथ जोड़ने का माध्यम भी है। उन्होंने बताया कि इस बार पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 75 वर्ष तक के वरिष्ठ नागरिक भी विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग ले रहे हैं। उन्होंने कहा कि जब खेलेगा सिल्वर सिटी, तब खिलेगा सिल्वर सिटी।

- पांच साल के बच्चों से लेकर 75 वर्ष तक के बुजुर्ग ले रहे हिस्सा
- आठवें वर्ष भी खेल महोत्सव का आयोजन

साथ ही आयोजन को सफल बनाने वाले सभी इवेंट समन्वयकों और स्वयंसेवकों का आभार भी जताया। सोसाइटी के सचिव विजय सिंह ने बताया कि चैंपियंस लीग में इस बार कुल 10 खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इनमें टेनिस, तैराकी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, पिकलबॉल, स्क्वैश, शतरंज, जिम प्रतियोगिता और दौड़ शामिल हैं। उनका कहना था कि इस तरह के आयोजन से सोसाइटी के लोगों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ता है और बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा मिलती है। उद्घाटन समारोह के दौरान पूरी सोसाइटी में उत्सव जैसा माहौल रहा।

सभी आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। आयोजन के पहले दिन खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे की झलक देखने को मिली।

नीट विवाद पर सीजेपी के प्रदर्शन में पहुंची पूनम पांडे

मुझे पॉलिटिक्स का 'पी' भी नहीं पता, मैं सिर्फ छात्रों के लिए आई हूं

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड अभिनेत्री पूनम पांडे सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहे कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन में शामिल हुईं। इस दौरान उन्होंने पेपर लीक और छात्रों की समस्याओं को लेकर सरकार से तुरंत कड़े कदम उठाने की अपील की। मीडिया से बात करते हुए पूनम ने साफ किया कि वह किसी राजनीतिक एजेंडे के तहत नहीं, बल्कि पूरी तरह से छात्रों का समर्थन करने यहां आई हैं। प्रदर्शन स्थल पर मीडिया से बातचीत करते हुए पूनम पांडे ने कहा कि मैं एक चीज साफ-साफ बोलना चाहूंगी कि यह प्रदर्शन शुरू से ही बच्चों का था और अब भी बच्चों का ही है। मैं यहां सिर्फ और सिर्फ छात्रों का समर्थन करने और उनके हक की लड़ाई लड़ने आई हूं। मुझे पॉलिटिक्स का 'पी' भी नहीं पता। मैं बस उन बच्चों के लिए आई हूं जिन्होंने पेपर लीक और सिस्टम से परेशान होकर आत्महत्या की है। मैं उनके न्याय के लिए खड़ी हूं। उन्होंने मीडिया से भी अपील की कि इस संवेदनशील मद्दे को राजनीतिक या धार्मिक रंग न दिया जाए और इसे छात्रों का ही मुद्दा रहने दिया जाए। संघर्ष के दिनों को याद करते हुए पूनम ने कहा कि मेरे पिता एक सिक्योरिटी गार्ड थे और उनकी सैलरी सिर्फ 7,000 रुपए थी। वह रात की शिफ्ट में काम करते थे। उस समय हमारे पास स्कूल की फीस भरने तक के पैसे नहीं होते थे, क्योंकि हमारे देश में शिक्षा इतनी महंगी है कि एक गरीब परिवार इसका खर्च नहीं उठा पाता। आज के दौर में जब बच्चे इतनी मेहनत करते हैं और उनके मां-बाप पेट काटकर पैसे जुटाते हैं, उसके बाद अगर पता चले कि पेपर लीक हो गया है, तो उन पर क्या गुजरती होगी? ऐसे हालातों में बच्चों के दिमाग में आत्महत्या के ख्याल आते हैं। दुख की बात है कि हम इस मुख्य मुद्दे को छोड़कर हिंदू-मुस्लिम जैसे बेकार के विषयों पर बहस कर रहे हैं।

बदलती आदतों का सेहत पर असर

गलत तरीके से बैठने से बढ़ सकती है सर्वाइकल की समस्या

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। आज की तेज रफ्तार जिंदगी में हमारी कई आदतें बदल गई हैं। घंटों तक ऑफिस में बैठकर काम करना, लगातार मोबाइल चलाना और कम चलना-फिरना आम हो गया है। इन बदलती आदतों का असर हमारी सेहत पर भी पड़ रहा है। इन्हीं में से एक समस्या है गर्दन का दर्द, जिसे आम भाषा में लोग सर्वाइकल कहते हैं। पहले यह समस्या ज्यादा उम्र के लोगों में देखने को मिलती थी, लेकिन अब कम उम्र के लोग भी इससे परेशान हो रहे हैं।

कई लोग घंटों लैपटॉप पर काम करते हैं या गर्दन झुकाकर मोबाइल देखते रहते हैं। धीरे-धीरे यह आदत गर्दन की मांसपेशियों और हड्डियों पर दबाव डालने लगती है। शुरुआत में हल्का दर्द और थकान महसूस होती है, लेकिन ध्यान न देने पर यह परेशानी बढ़ सकती है। दरअसल, हमारी गर्दन के अंदर रीढ़ की हड्डी का एक हिस्सा होता है, जिसे सर्वाइकल स्पाइन कहा जाता है। यह हिस्सा गर्दन को सहारा देता है और उसे आसानी से घुमाने में मदद करता है। गर्दन की इस रीढ़ में सात छोटी-छोटी हड्डियां होती हैं। इन हड्डियों के बीच डिस्क होती हैं, जो झटकों को सहने और गर्दन को आसानी से घुमाने में मदद करती हैं। जब इन हड्डियों, डिस्क या नसों पर ज्यादा दबाव पड़ने लगता है तो गर्दन में दर्द, खिंचाव और अकड़न महसूस होती है। इसी समस्या को सर्वाइकल कहा जाता है। कई बार इसका दर्द गर्दन से आगे बढ़कर कंधे, हाथ और उंगलियों तक भी पहुंच जाता है।

- लोगों को सुबह उठने के बाद गर्दन घुमाने में होती है परेशानी
- नियमित हल्के व्यायाम से राहत

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, गलत तरीके से बैठना सर्वाइकल की सबसे बड़ी वजहों में से एक है। आज बड़ी संख्या में लोग कंप्यूटर और लैपटॉप पर काम करते हैं। अगर काम करते समय गर्दन आगे की ओर झुकी रहती है तो गर्दन की मांसपेशियों पर लगातार दबाव पड़ता है। मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल भी इसकी एक बड़ी वजह बन चुका है। जब हम लंबे समय तक गर्दन नीचे करके फोन देखते हैं तो गर्दन पर शरीर के वजन से कई गुना ज्यादा दबाव पड़ सकता है। इस आदत को लंबे समय तक जारी रखने से गर्दन में दर्द और अकड़न की समस्या बढ़ सकती है।

इसके अलावा घंटों एक ही जगह बैठे रहना, गलत तरीके से सोना, ऊंचा तकिया इस्तेमाल करना, अचानक भारी सामान उठाना या गर्दन पर चोट लगना भी सर्वाइकल की परेशानी का कारण बन सकता है। सर्वाइकल की शुरुआत अक्सर गर्दन में हल्के दर्द और जकड़न से होती है। कई लोगों को सुबह उठने के बाद गर्दन घुमाने में परेशानी होती है। कुछ लोगों को कंधे में दर्द, सिर में भारीपन या हाथों में झनझनाहट महसूस हो सकती है।

अगर दर्द लगातार बना रहता है या हाथों में कमजोरी महसूस होने लगे तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। ऐसी स्थिति में डॉक्टर से सलाह लेना जरूरी होता है। सर्वाइकल से बचने के लिए रोजमर्रा की आदतों में थोड़ा बदलाव करना जरूरी है। काम करते समय कुर्सी पर सही तरीके से बैठें और कंप्यूटर स्क्रीन को आंखों के सामने रखें। लंबे समय तक एक ही जगह न बैठें, बीच-बीच में उठकर थोड़ा चलें और गर्दन को आराम दें।

'भक्षक' के लिए संजय मिश्रा को मिला नेशनल अवॉर्ड

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। हिंदी सिनेमा के दिग्गज अभिनेता संजय मिश्रा ने अपने लंबे फिल्मी सफर में कई ऐसे किरदार निभाए हैं, जो दर्शकों के दिलों में हमेशा के लिए बस गए हैं। कभी गंभीर भूमिकाओं से तो कभी अपनी सहज अदाकारी से उन्होंने हर बार अपनी अलग पहचान बनाई है। अब उनके करियर में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है। फिल्म 'भक्षक' में अपने शानदार अभिनय के लिए संजय मिश्रा को 72वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड में बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर का सम्मान मिला है।

इस खास उपलब्धि के बाद अभिनेता ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा कि एक कलाकार के लिए इससे बड़ा सम्मान शायद ही कोई हो सकता है।

संजय मिश्रा ने कहा कि एक अभिनेता की सबसे बड़ी चाहत यही होती है कि उसे अच्छी कहानियों और मजबूत किरदारों के साथ काम करने का मौका मिलता रहे। जब उसी मेहनत और सफर को नेशनल अवॉर्ड जैसे बड़े सम्मान से सम्मानित किया जाता है तो यह किसी भी कलाकार के लिए सबसे बड़ी उपलब्धि बन जाती है।

- अच्छे किरदार और कहानियां मिलना ही एक कलाकार की सबसे बड़ी चाहत

जीएलबीआईएमआर के 16वें दीक्षांत समारोह में विद्यार्थियों को प्रदान किए गए डिप्लोमा व पदक

ग्रेटर नोएडा,19 जुलाई (देशबन्धु)। जीएल बजाज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च (जीएलबीआईएमआर) में पीजीडीएम बैच 2023-25 का 16वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राजेश सिन्हा, प्रबंध निदेशक, जॉन डियर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रहे। इस अवसर पर जीएल बजाज एजुकेशनल इंस्टीट्यूशन्स के उपाध्यक्ष पंकज अग्रवाल ने मुख्य अतिथि का स्वागत करते हुए सभी स्नातक विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी। उन्होंने नवस्नातकों का जीएल बजाज के सशक्त एलुमनाई परिवार में स्वागत करते हुए बताया कि संस्थान के एलुमनाई चौप्टर लंदन, दुबई तथा देश के विभिन्न शहरों में सक्रिय हैं, जो विद्यार्थियों को वैश्विक नेटवर्किंग एवं करियर विकास के उत्कृष्ट अवसर प्रदान कर रहे हैं।

मुख्य अतिथि राजेश सिन्हा ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि दीक्षांत समारोह किसी यात्रा का अंत नहीं, बल्कि नई जिम्मेदारियों और उत्तरदायित्वों की शुरुआत है। उन्होंने कहा कि नेतृत्व किसी पद या उपाधि का नाम नहीं, बल्कि जिम्मेदारी और विश्वास का प्रतीक है। संस्थान की निदेशक डॉ. सपना राकेश ने संस्थान की वार्षिक प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शैक्षणिक उपलब्धियों, उद्योग-अकादमिक सहभागिता, शोध, प्लेसमेंट, अंतरराष्ट्रीय सहयोग तथा विद्यार्थियों की विभिन्न उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

इस अवसर पर शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए स्नेहा प्रज्वल को स्वर्ण पदक, जया को रजत पदक तथा अखिल कुमार को कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया गया। समारोह का समापन डॉ. भावना भारद्वाज द्वारा प्रस्तुत धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

ग्रेटर नोएडा में पहली बार 'आम महोत्सव', विकास और जनहित के मुद्दों पर भी चर्चा

ग्रेटर नोएडा,19 जुलाई (देशबन्धु)। सेक्टर बीटा-1 में रविवार को शहर का पहला 'आम महोत्सव' आयोजित किया गया। रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (आरडब्ल्यूए) की ओर से कम्युनिटी सेंटर में हुए इस आयोजन में शहर के विभिन्न आरडब्ल्यूए, सामाजिक संगठनों, उद्योग जगत के प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य केवल आम का स्वाद चखना नहीं, बल्कि लोगों के बीच आपसी मेलजोल बढ़ाना और शहर के विकास से जुड़े मुद्दों पर संवाद करना भी रहा। महोत्सव में आए अतिथियों ने लंगड़ा, दशहरी, चौसा और केसर समेत कई किस्मों के आमों का स्वाद लिया। पूरे कार्यक्रम के दौरान लोगों ने एक-दूसरे से मुलाकात की और सामाजिक संबंधों को मजबूत बनाने पर जोर दिया। आयोजन में परिवारों और बुजुर्गों के साथ युवाओं की भी अच्छी भागीदारी रही।

- आम के बहाने लोगो ने लंगड़ा, दशहरी, चौसा व केसर का लिया स्वाद

आरडब्ल्यूए अध्यक्ष संगीता शर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन समाज में आपसी भाईचारा और विश्वास बढ़ाने का काम करते हैं। लोगों को एक साथ बैठकर बातचीत करने और एक-दूसरे को बेहतर तरीके से समझने का अवसर मिलता है। आरडब्ल्यूए के महासचिव हरेन्द्र भाटी ने कहा कि आम महोत्सव केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह शहर के लोगों को एक मंच पर लाने की पहल है। ऐसे आयोजनों के जरिए ग्रेटर नोएडा के विकास, जनहित और सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर भी खुलकर चर्चा हो सकती है। इससे शहर की सामाजिक और सांस्कृतिक पहचान को मजबूती मिलेगी। आरडब्ल्यूए के कोषाध्यक्ष एडवोकेट विपिन भाटी ने कार्यक्रम में शामिल सभी अतिथियों का आभार जताया। उन्होंने कहा कि भविष्य में भी समाज को जोड़ने और लोगों के बीच संवाद बढ़ाने के लिए इस तरह के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम में शामिल विभिन्न आरडब्ल्यूए और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों ने इस पहल की सराहना की। उनका कहना था कि इस तरह के आयोजन हर वर्ष होने चाहिए, ताकि शहर के अलग-अलग क्षेत्रों के लोग एक-दूसरे से जुड़ सकें और सामाजिक एकता को और मजबूत किया जा सके। इस अवसर पर संरक्षक शीतला प्रसाद, उपाध्यक्ष राजबीर सिंह, सचिव ओम प्रकाश शर्मा, इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित कुमार उपाध्याय, फेडरेशन ऑफ आरडब्ल्यूए के अध्यक्ष देवेन्द्र टाइगर, पूर्व अध्यक्ष रमन पाल सिंह सहित कई सामाजिक कार्यकर्ता, विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधि और सेक्टर निवासी मौजूद रहे। आयोजन पूरे दिन उत्साह और सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ।

कैंसर व मधुमेह के खिलाफ लड़ाई में जन आंदोलन की जरूरत

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. जितेंद्र सिंह ने रविवार को कैंसर, मधुमेह, मोटापा और अन्य गैर-संक्रामक रोगों के खिलाफ राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जीवनशैली संबंधी विकारों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए भारत की प्रतिक्रिया अस्पतालों तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि एक जन आंदोलन के रूप में विकसित होनी चाहिए जो रोकथाम, शीघ्र निदान और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित हो।

मंत्री विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के पूर्व वरिष्ठ सलाहकार डॉ. अखिलेश गुप्ता द्वारा लिखित पुस्तक अनब्रोकन माय बैटल विद कैंसर एंड द विल टू लीड के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश न केवल गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ का सामना कर रहा है, बल्कि स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की बढ़ती चुनौती से भी जूझ रहा है।

उन्होंने कहा कि कैंसर, मधुमेह, मोटापा और अन्य गैर-संक्रामक रोगों के बढ़ते बोझ से निपटने के लिए भारत को अस्पतालों तक सीमित न रहकर एक जन आंदोलन चलाना होगा, जो शीघ्र निदान, सही चिकित्सा सलाह और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य सेवा पर केंद्रित हो।

उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि विकसित भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैज्ञानिक संचार और साक्ष्य-आधारित चिकित्सा सलाह पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं।

- संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच जरूरी
- जागरूकता की कमी, व्यापक स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की चुनौती

डॉ. सिंह ने कहा कि देश आज न केवल जागरूकता की कमी का सामना कर रहा है, बल्कि व्यापक स्वास्थ्य संबंधी गलत सूचनाओं की चुनौती का भी सामना कर रहा है, जिससे विकसित भारत के लक्ष्य को साकार करने के लिए वैज्ञानिक संचार और साक्ष्य-आधारित स्वास्थ्य संचार पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गए हैं। मंत्री ने कहा कि कैंसर, मधुमेह, मोटापा, फैटी लिवर रोग और अन्य चयापचय संबंधी विकार भारत की कुछ सबसे बड़ी सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों के रूप में उभर रहे हैं और युवा आयु वर्ग को तेजी से प्रभावित कर रहे हैं।

उन्होंने समझाया कि कई कैंसरों का अगर जल्दी पता चल जाए तो उनका इलाज या नियंत्रण संभव है, इसलिए समय पर जांच और तुरंत चिकित्सा हस्तक्षेप से जीवित रहने की दर में सुधार के लिए बेहद जरूरी है।

बढ़ते मोटापे और अस्वस्थ जीवनशैली पर चिंता व्यक्त करते हुए मंत्री ने कहा कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल को व्यक्तिगत पसंद के बजाय राष्ट्रीय आदत बनानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि अगर भारत को जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के बढ़ते बोझ को कम करना है, तो संतुलित पोषण, नियमित शारीरिक गतिविधि और समय-समय पर स्वास्थ्य जांच को रोजमर्रा की जिंदगी का अभिन्न अंग बनाना होगा।

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

सनफार्मा	0.87 प्रतिशत
ट्रेंट	0.68 प्रतिशत
भारती एयरटेल	0.59 प्रतिशत
अल्ट्राटेक	0.55 प्रतिशत
इंडिगो	0.40 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	1,41,264
बिटुर	88,730
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	2,16,637
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	97.58	94.50
पौंड स्टर्लिंग	132.22	127.60
यूरो	112.21	108.05
चीन युआन	15.13	13.41

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2862.70
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	4293.58
चीनी एम	4500-4600
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4986.64

दाल-दलहन

चना	5700-5800
दाल चना	7798.23
मसूर काली	8109.74
उड़द दाल	10982.42
मूंग दाल	10178.50
अरहर दाल	11305.20

भारत 'मेक इन इंडिया' नागरिक विमान के दौर में कर रहा प्रवेश : राममोहन नायडू

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। नागर विमानन मंत्री राममोहन नायडू ने रविवार को कहा कि 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत भारत के एयरोस्पेस सेक्टर की क्षमता तेजी से बढ़ रही है और देश ऐसे भविष्य की तरफ बढ़ रहा है, जहां नागरिक स्थानीय स्तर पर बने विमानों में सफर करेंगे।

केंद्रीय मंत्री ने भारत में निर्मित पहले एयरबस सी-295 सैन्य परिवहन विमान का वीडियो साझा करते हुए इसे देश के एयरोस्पेस और रक्षा विनिर्माण क्षेत्र के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में नायडू ने कहा कि उन्होंने हाल ही में वडोदरा स्थित टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड (टीएएसएल) की विनिर्माण इकाई का दौरा किया, जहां सी-295 विमान का निर्माण किया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वडोदरा में टीएएसएल की उस अत्याधुनिक इकाई का दौरा किया, जहां सी-295 विमान बनाए जा रहे हैं। यह विमान निर्माण सुविधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन का प्रमाण है। जैसे-जैसे भारत एयरोस्पेस विनिर्माण

- भारत के एयरोस्पेस सेक्टर की क्षमता तेजी से बढ़ रही
- वडोदरा स्थित टीएएसएल में किया जा रहा सी-295 विमान का निर्माण

क्षमताओं को मजबूत कर रहा है, हम लगातार ऐसे भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं, जहां भारतीयों को 'मेड इन इंडिया' नागरिक विमानों में गर्व के साथ उड़ान भरने का अवसर मिलेगा।

एयरबस और टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड द्वारा संयुक्त रूप से विकसित सी-295 पहला ऐसा सैन्य विमान है, जिसका निर्माण सरकार की प्रमुख 'मेक इन इंडिया' पहल के तहत निजी क्षेत्र द्वारा भारत में किया जा रहा है।(इस विमान का निर्माण वर्ष 2021 में भारतीय वायुसेना के लिए 56 सी-295 परिवहन विमानों की खरीद संबंधी 2.6 अरब डॉलर के समझौते के तहत किया जा रहा है।

इनमें से 16 विमान स्पेन से पूरी तरह तैयार अवस्था में दिए जा रहे हैं, जबकि शेष 40 विमानों को गुजरात के वडोदरा स्थित संयंत्र में असेंबल किया जा रहा है।

खगड़िया-पूर्णिया फोरलेन हाईवे से बिहार के केला व मखाना उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) द्वारा हाल ही में स्वीकृत खगड़िया-पूर्णिया खंड (एनएच-31 और एनएच-231) को चार लेन में अपग्रेड करने की परियोजना बिहार के कृषि प्रधान क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था को नई गति देने वाली साबित हो सकती है। यह जानकारी सरकार द्वारा रविवार को जारी एक फैक्टशीट में दी गई।

फैक्टशीट में बताया गया कि बिहार के उपजाऊ मैदानों में सुबह होने से पहले ही खगड़िया के खेतों से केले से लदे ट्रक रवाना हो जाते हैं, जबकि देश के सबसे बड़े मखाना उत्पादक केंद्रों में से एक पूर्णिया के तालाबों और प्रोसेसिंग इकाइयों से मखाना बाजारों की ओर भेजा जाता है। अब तक ट्रैफिक जाम और बारिश के मौसम में सड़क संपर्क बाधित होने के कारण इन उच्च मूल्य वाली कृषि उपज की ढुलाई अकसर प्रभावित होती रही है। खासकर जल्दी खराब होने वाले केले के लिए हर घंटा महत्वपूर्ण होता है। बेहतर और तेज सड़क संपर्क से फलों के खराब होने की संभावना कम होगी, उनकी गुणवत्ता बनी रहेगी और किसानों को बेहतर कीमत मिलने में मदद मिलेगी। करीब 3,936.05 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाली यह परियोजना केवल सड़क निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि उन लाखों लोगों के जीवन से जुड़ी है जिनकी आजीविका केला और मखाना जैसे कृषि उत्पादों की बाजार तक पहुंच पर निर्भर करती है। इससे बिहार के कृषि क्षेत्र की आर्थिक नींव और मजबूत होने की उम्मीद है।

जम्मू-कश्मीर से अरेको चेरी व सेंटरोज प्लम का हुआ निर्यात

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र सरकार किसानों की आय लगातार बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसकी क्रम में जम्मू-कश्मीर के शोपियां और पुलवामा से सिंगापुर को प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप का निर्यात हुआ है। यह जानकारी वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने रविवार को दी।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में गोयल ने कहा, 'शोपियां और पुलवामा के बागवानों के लिए ये खबर किसी खुशखबरी से कम नहीं है। एपीडा के सहयोग से प्रीमियम अरेको चेरी और सेंटरोज प्लम की पहली खेप सिंगापुर रवाना हुई। यह पहल किसानों को बेहतर दाम, वैश्विक बाजारों तक सीधी पहुंच और भारत के कृषि निर्यात को नई मजबूती प्रदान करेगी। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने कहा कि उसके

- किसानों की आय बढ़ाने में मिलेगी मदद

आधीन कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने शोपियन और पुलवामा से सिंगापुर के लिए प्रीमियम अरेको चेरी (उच्च घनत्व वाली यूरोपीय मीठी चेरी) और सेंटरोज प्लम की पहली खेप के निर्यात की सुविधा प्रदान की है।

यह उपलब्धि इस क्षेत्र से संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी और दुबई को ताजी चेरी और प्लम के सफल निर्यात के बाद हासिल हुई है, जिससे कश्मीर के प्रीमियम शीतोष्ण फलों की वैश्विक उपस्थिति और भी बढ़ गई है।

ट्राई ने ट्रूकॉलर को 1600 सीरीज से फ्रिक्वेंटली ब्लॉक्ड टैग हटाने का दिया निर्देश

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राई) ने ट्रूकॉलर द्वारा 140 और 1600 नंबर सीरीज से आने वाली कॉल्स पर 'फ्रिक्वेंटली ब्लॉक्ड' का टैग दिखाने पर आपत्ति जताई है। टेलीकॉम नियामक का कहना है कि ऐसे लेबल टेलीकॉम ग्राहकों को गुमराह कर सकते हैं और सही कमर्शियल और सरकारी बातचीत को लेकर बेवजह शक पैदा कर सकते हैं।

ट्राई के एक सीनियर अधिकारी ने कहा कि रेगुलेटेड नंबर सीरीज को 'फ्रिक्वेंटली ब्लॉक्ड' जैसे लेबल के साथ टैग करना सही नहीं है, क्योंकि इससे यूजर्स के मन में दुविधा की स्थिति पैदा हो सकती है और रेगुलेटर के तय नियमों के तहत की जाने वाली कॉल्स पर भरोसा कम हो सकता है। टेलीकॉम नियामक ने

ट्रूकॉलर को सुझाव दिया है कि यूजर्स को यह बताने वाला एक मैसेज दिखाना चाहिए कि वे ट्राई के आधिकारिक 'डू नॉट डिस्टर्ब' (डीएनडी) प्रेफरेंस मैनेजमेंट ऐप के जरिए 140 सीरीज से आने वाले अनचाहे प्रमोशनल कम्युनिकेशन को ब्लॉक करने का विकल्प चुन सकते हैं।

नियामक के अनुसार, अलग-अलग नंबरों को लेबल करने के बजाय डीएनडी सिस्टम के बारे में लोगों में अधिक जागरूकता लाना ज्यादा असरदार समाधान होगा।

तिमाही परिणामों से मिलेगी बाजार को दिशा

-साप्ताहिक समीक्षा-

मुंबई, 19 जुलाई (एजेंसियां)। घरेलू शेयर बाजारों में बीते सप्ताह प्रमुख सूचकांकों में रही तेजी के बाद आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर वैश्विक कारकों और कंपनियों के तिमाही परिणामों पर रहेगी। गत सप्ताह अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने से वृहत बाजार में गिरावट रही, हालांकि आईटी, बैंकिंग और वित्तीय कंपनियों में लिवाली से प्रमुख सूचकांक साप्ताहिक बढ़त में बंद हुए। अगले सप्ताह भी निवेशकों की नजर पश्चिम एशिया संकट पर रहेगी।

घरेलू स्तर पर इंफोसिस समेत कई कंपनियों के तिमाही परिणाम आने वाले सप्ताह में जारी होने हैं। इनसे भी बाजार को दिशा मिलेगी।

गत सप्ताह बीएसई के सेंसेक्स में सोमवार, बुधवार और शुक्रवार

को तेजी रही जबकि मंगलवार को सूचकांक गिरावट में बंद हुआ था। वहीं, गुरुवार को यह सपाट रहा था। सेंसेक्स 582.06 अंक (0.75 प्रतिशत) की साप्ताहिक बढ़त में 78,151.45 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी सप्ताह के दौरान 127.40 अंक यानी 0.52 प्रतिशत ऊपर 24,334.30 अंक पर बंद हुआ। प्रमुख सूचकांकों के विपरीत वृहत बाजार में बिकवाली हावी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.71 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.62 फीसदी नीचे बंद

- सेंसेक्स 0.75 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में 78,151.45 अंक पर रहा
- निफ्टी 0.52 प्रतिशत ऊपर सप्ताहांत पर 24,334.30 अंक पर बंद

हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से बीते सप्ताह 16 बढ़त में रहे। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टीसीएस का शेयर 9.63 प्रतिशत चढ़ा। टेक महिंद्रा में 7.90 प्रतिशत, एचसीएल टेक्नोलॉजीज में 3.54, बजाज फाइनेंस में 3.45 और कोटक महिंद्रा बैंक में 3.19 प्रतिशत की तेजी रही। आईसीआईसीआई बैंक का शेयर 2.89 फीसदी, इंफोसिस का 2.71, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 1.35 और टाइटन का 1.10 प्रतिशत की साप्ताहिक बढ़त में रहा।

सार संक्षेप

आरएफसीएल में यूरिया का उत्पादन फिर से शुरू

हैदराबाद। तेलंगाना के पेड्डापल्ली जिले में रामागुंडम फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड (आरएफसीएल) ने अमोनिया पाइपलाइन में लीकेज और तकनीकी समस्याओं के कारण एक सप्ताह से अधिक समय तक बंद रहने के बाद उत्पादन फिर से शुरू कर दिया है। रिपेयर के बाद प्लांट के फिर से खुलने के साथ, पब्लिक सेक्टर कंपनी में यूरिया का प्रोडक्शन फिर से शुरू हो गया है। अधिकारियों ने कहा कि उन्होंने यह पक्का करने के लिए सभी कदम उठाए हैं कि टेक्निकल प्रॉब्लम दोबारा न हों। उन्होंने कहा कि वे मौजूदा खेती के मौसम में यूरिया की डिमांड को पूरा करने के लिए प्रोडक्शन बढ़ाने की पूरी कोशिश कर रहे हैं। लीकेज की वजह से, 9 जुलाई को प्लांट की सभी यूनिट्स के बंद होने के बाद यूरिया का प्रोडक्शन रुक गया था। क्योंकि प्रॉब्लम ठीक नहीं हो सकी, इसलिए प्लांट को बंद कर दिया गया। अधिकारियों ने कहा था कि प्रोडक्शन फिर से शुरू होने में कम से कम एक हफ्ता लग सकता है। इस शटडाउन से तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और पांच दूसरे राज्यों में फर्टिलाइजर की सप्लाई रुक गई है।

एफपीआई ने जुलाई में किया 22,868 करोड़ का शुद्ध निवेश

मुंबई। विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने भारतीय पूंजी बाजार में जुलाई में अब तक 22,868 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। शुद्ध निवेश बाजार में लगाई गई पूंजी और बाजार से निकाली गई पूंजी का अंतर होता है। यह लगातार दूसरा महीना है जब एफपीआई बाजार में लिवाल बने हुए हैं। इससे पहले जून में उन्होंने 4,699 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया था। एफपीआई ने एक जुलाई से 17 जुलाई तक इक्विटी में 11,897 करोड़ रुपए का शुद्ध निवेश किया है। डेट, हाइब्रिड उपकरणों और म्यूचुअल फंड में भी वे लिवाल रहे हैं। डेट में एफपीआई का शुद्ध निवेश 9,114 करोड़ रुपए रहा। हाइब्रिड उपकरणों में उन्होंने 83 करोड़ रुपए और म्यूचुअल फंड में 923 करोड़ रुपए का निवेश किया। एफपीआई ने इस साल भारतीय पूंजी बाजार से शुद्ध रूप से 1,91,353 करोड़ रुपए निकाले हैं।

शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप बढ़ा

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप बीते एक हफ्ते में 1.54 लाख करोड़ रुपए बढ़ा है। इसमें सबसे अधिक फायदा टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और आईसीआईसीआई बैंक को हुआ है। टीसीएस के वैल्यूएशन में सबसे अधिक बढ़ोतरी हुई है। इस दौरान कंपनी का मार्केटकैप 72,072.3 करोड़ रुपए बढ़कर 8,20,672.70 करोड़ रुपए हो गया। यह उछाल तब आया जब देश की सबसे बड़ी आईटी सर्विस कंपनी ने जून तिमाही में अपने कंसोलिडेटेड मुनाफे में सालाना आधार पर 4.61 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की है और निवेशकों को भरोसा जताया कि पश्चिम एशिया संकट से प्रभावित मांग मौजूदा तिमाही में बेहतर होगी।

अंडमान-निकोबार में पहले एलएनजी आधारित बिजली संयंत्र की दिशा में प्रगति

कोलकाता, 19 जुलाई (एजेंसियां)। अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में स्थापित किए जाने वाले पहले एलएनजी (लिक्विफाइड नेचुरल गैस) आधारित बिजली संयंत्र की दिशा में महत्वपूर्ण प्रगति हुई है। अंडमान-निकोबार प्रदूषण नियंत्रण समिति ने परियोजना स्थल तक एलएनजी के परिवहन से संबंधित पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) और पर्यावरण प्रबंधन योजना (ईएमपी) रिपोर्ट पर संबंधित पक्षों से सुझाव और आपत्तियां आमंत्रित की हैं।

इस परियोजना के तहत इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) ने होप टाउन, श्री विजयापुरम (पूर्व में पोर्ट ब्लेयर) में एनटीपीसी विद्युत व्यापार निगम लिमिटेड (एनवीवीएन) द्वारा स्थापित किए जा रहे 55 मेगावाट के एलएनजी आधारित बिजली संयंत्र को री-गैसीफाइड एलएनजी की आपूर्ति करेगा। एनवीवीएन, एनटीपीसी लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है।

इस बिजली संयंत्र को सितंबर 2022 में केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) से पर्यावरणीय

मंजूरी (ईसी) मिल चुकी है। वर्तमान में अंडमान-निकोबार द्वीप समूह अपनी बिजली की अधिकांश जरूरतों के लिए डीजल आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भर है। द्वीपों में विश्वसनीय, किफायती और पर्यावरण के अनुकूल बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र सरकार ने होप टाउन में एलएनजी आधारित बिजली परियोजना विकसित करने की पहल की थी।

यह परियोजना केंद्र सरकार की उस व्यापक रणनीति का हिस्सा है, जिसके तहत द्वीप क्षेत्रों में डीजल आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम कर स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा दिया जा

- द्वीप क्षेत्रों में डीजल आधारित बिजली उत्पादन पर निर्भरता कम कर स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना उद्देश्य

रहा है। शुरुआत में इस संयंत्र को ड्यूल फ्यूल (डीजल और एलएनजी) पर संचालित करने की योजना थी और इसकी जिम्मेदारी एनवीवीएन को सौंपी गई थी। इसके बाद में केंद्र सरकार की द्वीपों में बिजली उत्पादन के डीजलीकरण को समाप्त करने की नीति के अनुरूप परियोजना में बदलाव करते हुए इसे केवल एलएनजी आधारित संयंत्र के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया गया।

इसके बाद बिजली मंत्रालय, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय तथा गृह मंत्रालय की सहमति से आईओसीएल को एलएनजी आपूर्ति से जुड़ा आवश्यक बुनियादी ढांचा विकसित करने की जिम्मेदारी सौंपी गई। योजना के अनुसार, छोटे एलएनजी टैंकर समुद्री मार्ग से गैस लेकर द्वीप पहुंचेंगे, और वहां फ्लोटिंग स्टोरेज एंड री-गैसीफिकेशन यूनिट (एफएसआरयू) में एलएनजी उतारी जाएगी।

सेबी ने 18 और फर्मों को किया पैनल में शामिल

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने सूचीबद्ध कंपनियों के वित्तीय विवरणों के फोरेंसिक ऑडिट के लिए अपने पैनल का विस्तार करते हुए 18 अतिरिक्त फर्मों को शामिल किया है। इनमें अर्न्स्ट एंड यंग (ईएंडवाई) एलएलपी, केपीएमजी एश्योरेंस एंड कंसल्टिंग सर्विसेज एलएलपी, जेडएक्स ग्रांट थॉर्नटन भारत एलएलपी और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी शामिल हैं। यह कदम नवंबर 2025 में सेबी द्वारा जारी पब्लिक प्रोक्योरमेंट नोटिस के तहत शुरू की गई चयन प्रक्रिया के बाद उठाया गया है।

नियामक द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नई फर्मों को अप्रैल 2025 में प्रकाशित फोरेंसिक ऑडिटरों की मौजूदा सूची में जोड़ा गया है। इन फर्मों का पैनल में शामिल होना नवीनतम सूची के प्रकाशन की तारीख से तीन वर्षों तक वैध रहेगा।

बिग फोर से जुड़ी फर्मों और नांगिया एंड कंपनी एलएलपी के अलावा, नई सूची

- नई फर्मों को अप्रैल 2025 में प्रकाशित फोरेंसिक ऑडिटरों की मौजूदा सूची में जोड़ा गया

में जे.सी. काबरा एंड एसोसिएट्स, जे. मंडल एंड कंपनी एलएलपी, जे. सिंह एंड एसोसिएट्स, जैन जगावत कामदार एंड कंपनी, पिपारा एंड कंपनी एलएलपी, आर. काबरा एंड कंपनी एलएलपी, आर.एस. पटेल एंड कंपनी, रवि राजन एंड कंपनी एलएलपी, एस.एस. पेरीवाल एंड कंपनी, सारथ एंड एसोसिएट्स, एसकेवीएम एंड कंपनी, वी. सिंघी एंड एसोसिएट्स, एएसए एंड एसोसिएट्स एलएलपी और सीएलए इंडस वैल्यू कंसल्टिंग भी शामिल हैं।

राहुल हिमालयन को आईआरटीसी के अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा

नई दिल्ली, 19 जुलाई (एजेंसियां)। रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे खानपान और पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) के निदेशक (पर्यटन और विपणन) राहुल हिमालयन को कंपनी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। वह संजय कुमार जैन के शीर्ष पद से इस्तीफे के बाद 20 जुलाई को कार्यभार संभालेंगे।

वर्ष 1999 बैच के भारतीय रेलवे यातायात सेवा (आईआरटीएस) के अधिकारी श्री हिमालयन के पास भारतीय रेलवे और आईआरसीटीसी में 26 से अधिक वर्षों का अनुभव है। वह फरवरी 2024 से आईआरसीटीसी बोर्ड में पूर्णकालिक कार्यकारी निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और वर्तमान में पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, मानव संसाधन विकास, बुनियादी ढांचा, प्रशासन एवं राजभाषा सहित प्रमुख विभागों की देखरेख कर रहे हैं। श्री हिमालयन एनआईटी हमीरपुर से इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में स्वर्ण पदक विजेता हैं और उन्होंने आईआईटी दिल्ली से इंजीनियरिंग में स्नातकोत्तर की डिग्री प्राप्त की है। उन्हें सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला छात्र होने के लिए राष्ट्रपति के स्वर्ण पदक से भी सम्मानित किया गया था।

इस अतिरिक्त जिम्मेदारी के साथ, श्री हिमालयन निदेशक (पर्यटन और विपणन) के रूप में कार्य जारी रखते हुए आईआरसीटीसी के समग्र संचालन और रणनीतिक दिशा का नेतृत्व करेंगे।

यह नियुक्ति ऐसे समय में हुई है जब रेलवे का यह सार्वजनिक उपक्रम पर्यटन, खानपान, डिजिटल सेवाओं और आतिथ्य सत्कार पर अपना ध्यान बढ़ा रहा है, और नए नेतृत्व से कंपनी के विकास के अगले चरण को दिशा देने की उम्मीद है।

अमित शाह ने विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन किया

नई दिल्ली, 19 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सहकार से समृद्धि' के विजन और 'श्वेत क्रांति 2.0' के लक्ष्य को आगे बढ़ाते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कोलकाता के न्यू टाउन कन्वेंशन सेंटर में आयोजित समारोह में अमूल बंगाल डेयरी परियोजना के अंतर्गत विश्व के सबसे बड़े दही उत्पादन संयंत्र का भूमि पूजन किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी, गुजरात विधानसभा के अध्यक्ष शंकरभाई चौधरी, पश्चिम बंगाल के सहकारिता मंत्री स्वपन दासगुप्ता, राज्य के वित्त मंत्री तापस रॉय, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री डॉ. कल्याण चक्रवर्ती, खाद्य प्रसंस्करण एवं उद्यानिकी मंत्री शरद्वत मुखर्जी, पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव मनोज कुमार अग्रवाल और अमूल डेयरी के अध्यक्ष श्री अशोक चौधरी सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति तथा सहकारी क्षेत्र के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

इस अवसर पर अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि

बंगाल विधानसभा चुनाव में विजय के बाद वे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से मिष्टी दही के साथ बंगालवासियों का मुँह मीठा कराने के लिए आए हैं। उन्होंने कहा कि बंगाल की जनता ने जो परिवर्तन किया है, वह आजादी के बाद राज्य में हुए सभी विधानसभा चुनावों से अलग और ऐतिहासिक परिवर्तन है।

श्री अमित शाह ने विश्वास व्यक्त किया कि कश्मीर से कन्याकुमारी और गुजरात से बंगाल तक अमूल बंगाल डेयरी परियोजना में बनने वाला मिष्टी दही घर-घर में खाया जाएगा और देशभर के लोग पश्चिम बंगाल को अपना आशीर्वाद देंगे। उन्होंने कहा कि सहकारिता

- 10 लाख लीटर दूध की प्रोसेसिंग होगी
- 1.20 लाख दुग्ध उत्पादक पशुपालकों को फायदा मिलेगा
- बंगाल में बनी यह मिष्टी दही अब घर-घर में खाई जाएगी

आंदोलन में देश के लोगों को संगठित करने, उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने और समृद्धि से जोड़ने की अपार क्षमता है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने अमूल का उदाहरण देते हुए कहा कि इतने बड़े स्तर पर कार्य कर रही अमूल आज विश्व की नंबर-1 सहकारी संस्था बन चुकी है। अमूल के साथ 36 लाख महिलाएँ जुड़ी हुई हैं। उन्होंने कहा कि यह सहकारिता की शक्ति और उसकी आर्थिक क्षमता का सबसे बड़ा उदाहरण है। अमित शाह ने कहा कि आज 18,600 से अधिक ग्रामीण दुग्ध सहकारी समितियाँ अमूल के साथ जुड़ी हुई हैं और देश के लगभग प्रत्येक राज्य में अमूल के उत्पाद पहुँचे हैं।

भारतीय मतदाता संसद

भारतीय मतदाताओं का अपना संसद

जनसभा

जनसभा ही क्यों ?

जब दो बिभिन्न विचारधारा की राजनीतिक पार्टी गठबन्धन कर सरकार बना सकती हैं।

तो फिर मतदाता भी भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता ?

करके देखें ! ऐसा करने से अच्छे जनप्रतिनिधि को भी अवसर मिलेगा ! मुठितन्त्र वाली सरकार से जनप्रतिनिधि आजाद होगा ! जनप्रतिनिधि मुठितन्त्र के लिए नही लोकतंत्र के लिए होगा ! तब बदलेगा भारत

अब भारतीय मतदाता हारेगा नही, कियोंकि अपने जनसभा संसद में बैठकर अपनी और दूसरे का विचारधारा बदलेगा, फिर एक विचारधारा बनाएगा

वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था और जनसभा राजनीतिक व्यवस्था में अंतर

वर्तमान व्यवस्था

- किसी विशेष राजनितिक पार्टी या समर्थक के रूप में मतदाता को संगठित किया जाता है। जिस कारण मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प नही रहता इसीलिये लोकतंत्र लोकतंत्र न रहकर मुठ्ठितंत्र बन जाता है।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार किसी विशेष पार्टी या राजनितिक के कार्यकर्ता या समर्थक के रूप में करता है जिस कारण अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव महत्व नही रखता।
- भारतीय लोकतंत्र में जनता राजा है पर आज जनता नही कुछ मुट्ठी भर लोग राज कर रहे हैं।
- मुट्ठी भर लोग राज करने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार कम हुआ।
- जनप्रतिनधि बनने के इच्छुक चुनाव के समय ही अपनी कुशलता केवल प्रचार के माध्यम से करता है। जिसमें अधिक रुपया खर्चा करना पड़ता है।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग ज्यादा होता है, जिससे विकास और एक समान मूल अधिकार में बाधा उत्पन होती है।

जनसभा व्यवस्था

- मतदाता मतदाता के रूप में संगठित रहेगा इसीलिये मतदाता को अपना बेहतर और अनुभवी जन प्रतिनिधि के रूप में चुनने का विकल्प रहेगा तब लोकतंत्र मुट्ठीतंत्र न बनकर लोकतंत्र रहेगा।
- अधिकतर मतदाता अपना मत का अधिकार अपने प्रतिनिधि की छवि या अनुभव के आधार पर मत का प्रयोग करेगा।
- भारतीय लोकतंत्र का जो सपना है मुट्ठी भर लोग राज नहीं आम जनता राज करे यह सपना साकार होगा।
- आम जनता का राज होने से जनता द्वारा चुने प्रतिनिधि का अधिकार बढ़ेगा।
- जनप्रतिनिधि बनने के इच्छुक को अपनी कुशलता रुपया या प्रचार के माध्यम से नही जनता की अधिक समय सेवा कर दिखाने का अवसर मिलेगा।
- राजनीति में धन-बल का प्रयोग कम होगा जिससे सभी का विकास और एक समान मूल अधिकार सबको मिलेगा।

करके देखें । मुठितन्त्र से आजाद होगा हमारा जनप्रतिनिधि फिर । भारत बदलेगा

आज ही शब्दवाणी समाचार के स्थाई पाठक बनकर भारतीय मतदाता का अपना संसद जनसभा के सदस्य बनें

शब्दवाणी समाचार विज्ञापन नहीं पाठकों को प्रमुख मानता है इसलिए औरों से अलग है

आज ही शब्दवाणी समाचार (हिंदी दैनिक) के स्थाई पाठक बनें, मात्र 300 रूपये मासिक पर

सम्मान के साथ मिलेगा बहुत कुछ, लेकर देखें

अधिक जानकारी के लिए सम्पर्कर करें

RNI. NO.DELHIN/2003/09049
हिन्दी दैनिक
शब्दवाणी समाचार
Website : Shabdawanisamachar.page
(नई सोच, नई उम्मीद, बेहतर भविष्य, बेहतर भारत)

wwww.shabdwanisamachar.page E-mail : shabdwanisamachar2003@gmail.com Helpline : 0886-012-8844

महा-रोमांच: गोलों की बारिश, साका की हैट्रिक और एमबाप्पे का तूफान...

फ्रांस को 6-4 से रौंदकर इंग्लैंड बना नंबर-3

फीफा विश्व कप 2026 के तीसरे स्थान के लिए खेले गए महामुकाबले में रोमांच की हदें हुई पार

● मियामी / (एजेंसी)

बुकार्यो साका की शानदार हैट्रिक की बदौलत इंग्लैंड ने फीफा विश्व कप 2026 के कांस्य पदक मुकाबले में फ्रांस को 6-4 से हराकर तीसरा स्थान हासिल कर लिया। 10 गोलों से भरपूर इस मुकाबले में इंग्लैंड ने पहले हाफ में 4-0 की बढ़त बना ली थी, जबकि फ्रांस ने दूसरे हाफ में जबरदस्त वापसी की कोशिश की, लेकिन अंततः जीत इंग्लैंड के खाते में गई।

इंग्लैंड के लिए डेक्लन राइस ने तीसरे मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके बाद एजरी कोन्सा (18वें मिनट) ने स्कोर 2-0 किया। बुकार्यो साका ने 37वें और इंजरी टाइम (45+1) में दो गोल दागकर पहले हाफ में इंग्लैंड को 4-0 की मजबूत बढ़त दिला दी। दूसरे हाफ में फ्रांस ने शानदार वापसी की। किलियन एमबाप्पे ने 48वें और 66वें मिनट में दो गोल किए, जबकि ब्रैडली बारकोला (54वें मिनट) और उस्मान डेम्बेले (90+6) ने भी गोल दागे। हालांकि, 87वें मिनट में साका ने पेनाल्टी पर अपना तीसरा गोल कर हैट्रिक पूरी की और इंग्लैंड की बढ़त मजबूत कर दी। इसके बाद इंजरी टाइम (90+8) में जूड बेलिंघम ने गोल कर इंग्लैंड की 6-4 से यादगार जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ इंग्लैंड ने 1966 में विश्व कप जीतने के बाद पहली बार टूर्नामेंट में तीसरे स्थान पर कब्जा किया। वहीं, फ्रांस के मुख्य कोच डिडिएर डेसचैम्प्स का कार्यकाल भी इस हार के साथ समाप्त हो गया।

रोचक तथ्य...

- डेक्लन राइस ने 134 सेकंड में गोल कर इंग्लैंड के लिए विश्व कप इतिहास का दूसरा सबसे तेज गोल दागा।
- माइकल ओलिसे ने टूर्नामेंट में सात असिस्ट दर्ज कर विश्व कप का नया रिकॉर्ड बनाया।
- एमबाप्पे ने विश्व कप 2026 में 8 मैचों में 10 गोल किए। विश्व कप इतिहास में उनसे अधिक गोल केवल शांडोर कोचिस (11) और जस्ट फोंटेन (13) ने एक संस्करण में किए हैं।

प्लेयर ऑफ द मैच

इंग्लैंड के बुकार्यो साका को उनकी शानदार हैट्रिक के लिए सुपीरियर प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

हैट्रिक ब्वॉय बोले अगली बार विश्व कप जीतेंगे

24 वर्षीय बुकार्यो साका विश्व कप इतिहास में इंग्लैंड के लिए हैट्रिक लगाने वाले चौथे खिलाड़ी बन गए। उनसे पहले यह उपलब्धि ज्योफ हर्स्ट (1966), गैरी लिनेकर (1986) और हैरी केन (2018) ने हासिल की थी। इसके अलावा साका दो अलग-अलग विश्व कप संस्करणों में तीन या उससे अधिक गोल करने वाले इंग्लैंड के केवल तीसरे खिलाड़ी बने। उनसे पहले यह रिकॉर्ड लिनेकर और केन के नाम था। मैच के बाद साका ने कहा, यह मेरे लिए शानदार और गर्व का पल है। इंग्लैंड के लिए विश्व कप में हैट्रिक लगाने वाले खिलाड़ियों की सूची बेहद खास है और उसमें शामिल होना मेरे लिए सम्मान की बात है। उन्होंने कहा कि टीम का लक्ष्य टूर्नामेंट का समापन जीत के साथ करना था। हमें लगता है कि हम फाइनल खेलने के हकदार थे, लेकिन वास्तविकता यही थी कि हमें तीसरे स्थान का मुकाबला खेलना था। खुशी है कि हमने इसे जीत के साथ खत्म किया।

ओलिसे ने तोड़ा पेले का रिकॉर्ड, एक संस्करण में सबसे ज्यादा असिस्ट

फ्रांस के विंगर माइकल ओलिसे ने इंग्लैंड के खिलाफ दो शानदार असिस्ट किए। पूरे टूर्नामेंट में उनके नाम सात असिस्ट हो गए, जो विश्व कप के एक संस्करण में नया रिकॉर्ड है। उन्होंने 1970 विश्व कप में ब्राजील के महान खिलाड़ी पेले के छह असिस्ट के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया।

22 गोलों के साथ विश्व कप इतिहास के सबसे बड़े गोल स्कोरर बने एमबाप्पे, मेसी नंबर-2

फीफा विश्व कप 2026 में फ्रांस के स्टार स्ट्राइकर किलियन एमबाप्पे ने इतिहास रचते हुए विश्व कप इतिहास के सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। एमबाप्पे ने टूर्नामेंट में 10 गोल दागकर अपने कुल गोलों की संख्या 22 पहुंचा दी और अर्जेंटीना के दिग्गज लियोनेल मेसी (21 गोल) तथा जर्मनी के पूर्व स्ट्राइकर मिरोस्लाव क्लोज़े (16 गोल) को पीछे छोड़ दिया। विश्व कप 2026 की शुरुआत तक क्लोज़े 16 गोल के साथ शीर्ष पर थे, लेकिन कनाडा, अमेरिका और मेक्सिको में खेले गए इस संस्करण में पहले मेसी ने उन्हें पीछे छोड़ा और बाद में एमबाप्पे ने नया कीर्तिमान स्थापित कर दिया। एमबाप्पे ने रूस-2018 में चार, कतर-2022 में आठ और विश्व कप 2026 में 10 गोल किए। उन्होंने अब तक विश्व कप में केवल 22 मैचों में 22 गोल दागे हैं, जो अपने आप में एक असाधारण उपलब्धि है। दूसरी ओर, छह विश्व कप खेलने वाले लियोनेल मेसी ने 2026 में आठ गोल किए और कुल 21 गोल के साथ दूसरे स्थान पर पहुंच गए। मेसी ने विश्व कप में अब तक 33 मैच खेले हैं। पूर्व रिकॉर्डधारी मिरोस्लाव क्लोज़े 16 गोल के साथ तीसरे, जबकि ब्राजील के महान स्ट्राइकर रोनाल्डो 15 गोल के साथ चौथे स्थान पर हैं।

विश्व कप इतिहास के शीर्ष गोल स्कोरर

खिलाड़ी	देश	गोल
किलियन एमबाप्पे	फ्रांस	22
लियोनेल मेसी	अर्जेंटीना	21
मिरोस्लाव क्लोजे	जर्मनी	16
रोनाल्डो	ब्राजील	15
हैरी केन	इंग्लैंड	14
गर्ड म्यूलर	पश्चिम जर्मनी	14
जस्ट फोंटेन	फ्रांस	13
पेले	ब्राजील	12
क्रिस्टियानो रोनाल्डो	पुर्तगाल	11
जर्गेन क्लिंसमैन	जर्मनी	11
शांडोर कोचिस	हंगरी	11

व्यक्तिगत रिकॉर्ड से ज्यादा फाइनल खेलने की खुशी होती: एमबाप्पे

फ्रांस के कप्तान किलियन एमबाप्पे ने मैच के बाद कहा कि व्यक्तिगत रिकॉर्ड से ज्यादा उन्हें फाइनल खेलने की खुशी होती। उन्होंने कहा, अगर विकल्प मिलता तो मैं शीर्ष स्कोरर बनने की बजाय फाइनल खेलना पसंद करता। नंबर-3 के लिए मुकाबले को लेकर एमबाप्पे ने कहा, हमने पहला हाफ अपने स्तर के अनुरूप नहीं खेला। दूसरे हाफ में हमने अपना खेल दिखाया, लेकिन यह हमारे कोच डिडिएर डेसचैम्प्स के लिए जीत में नहीं बदल सका। उनकी विरासत इस एक हार से कम नहीं होगी।

गोल्डन बूट की दौड़

एमबाप्पे फिलहाल 10 गोल के साथ गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे हैं। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के पास फाइनल में स्पेन के खिलाफ कम से कम दो गोल और एक असिस्ट कर उन्हें पीछे छोड़ने का मौका होगा। यदि ऐसा नहीं हुआ तो एमबाप्पे लगातार दूसरी बार गोल्डन बूट जीतने वाले विश्व कप इतिहास के पहले खिलाड़ी बन जाएंगे।

1958 से अब तक... जस्ट फोंटेन का रिकॉर्ड 68 वर्षों बाद भी अटूट

फीफा विश्व कप के एक संस्करण में सबसे अधिक गोल करने का रिकॉर्ड आज भी फ्रांस के महान स्ट्राइकर जस्ट फोंटेन के नाम दर्ज है। उन्होंने 1958 विश्व कप में सिर्फ छह मैचों में 13 गोल कर ऐसा कीर्तिमान बनाया, जो 68 वर्षों बाद भी अटूट है। हंगरी के शांडोर कोचिस 1954 विश्व कप में 11 गोल के साथ दूसरे स्थान पर हैं। वहीं, पश्चिम जर्मनी के दिग्गज गर्ड म्यूलर (1970) और फ्रांस के स्टार किलियन एमबाप्पे (2026) 10-10 गोल के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। विश्व कप 2026 में एमबाप्पे ने आठ मैचों में 10 गोल कर इतिहास रचा। हालांकि वह फोंटेन का रिकॉर्ड तोड़ने से तीन गोल दूर रह गए। अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी ने भी इस संस्करण में आठ गोल किए और संयुक्त सातवें स्थान पर पहुंचे।

एक विश्व कप में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में एमबाप्पे संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंचे

एक विश्व कप में सर्वाधिक गोल

रैंक	खिलाड़ी	विश्व कप	गोल
1	जस्ट फोंटेन (फ्रांस)	1958	13
2	शांडोर कोचिस (हंगरी)	1954	11
3	गर्ड म्यूलर (पश्चिम जर्मनी)	1970	10
3	किलियन एमबाप्पे (फ्रांस)	2026	10
5	अडेमिर डी मेनेजेस (ब्राजील)	1950	9
5	यूसेबियो (पुर्तगाल)	1966	9
7	गिलर्मो स्टाबिले (अर्जेंटीना)	1930	8
7	लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना)	2026	8
7	किलियन एमबाप्पे (फ्रांस)	2022	8
7	रोनाल्डो (ब्राजील)	2002	8

सिंधु बनीं जापान ओपन चैंपियन सात साल बाद जीता बड़ा खिताब

विश्व नंबर 3 अकाने यामागुची को हराया

● नई दिल्ली / (एजेंसी)

भारतीय स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने अपने लंबे खिताबी इंतजार को खत्म करते हुए जापान ओपन 2026 का महिला एकल खिताब जीत लिया। टोक्यो में खेले गए बीडब्ल्यूएफ सुपर-750 टूर्नामेंट के फाइनल में सिंधु ने मेजबान जापान की विश्व नंबर-तीन अकाने यामागुची को सीधे गेमों में 21-17, 21-17 से हराकर इतिहास रच दिया। करीब 50 मिनट तक चले मुकाबले में सिंधू ने शुरुआत से अंत तक आक्रामक खेल दिखाया ।

और यामागुची को वापसी का मौका नहीं दिया। इस जीत के साथ वह जापान ओपन का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। सिंधू के लिए यह जीत कई मायनों में खास रही। उन्होंने दिसंबर 2024 में सैयद मोदी इंटरनेशनल जीतने के बाद

पहली बार कोई बीडब्ल्यूएफ टूर खिताब अपने नाम किया। वहीं, अगर सुपर-750 या उससे बड़े स्तर के टूर्नामेंट की बात करें तो सिंधू ने करीब सात साल बाद कोई बड़ा खिताब जीता है। उनका पिछला बड़ा खिताब 2019 विश्व चैंपियनशिप था, जिसमें उन्होंने स्वर्ण पदक जीतकर इतिहास रचा था।

भोपाल लीग फुटबॉल स्पर्धा 16 अगस्त से

भोपाल, खेल संवाददाता। केडीपीएस स्कूल में जिला फुटबॉल एसोसिएशन (डीएफए) भोपाल की वार्षिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में डीएफए भोपाल के पदाधिकारियों के साथ जिले के सभी पंजीकृत फुटबॉल क्लबों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

बैठक में निर्णय लिया गया कि भोपाल की भोपाल लीग फुटबॉल चैंपियनशिप का आयोजन 16 अगस्त से किया जाएगा। प्रतियोगिता के सफल संचालन एवं आयोजन के लिए पांच सदस्यीय आयोजन समिति का गठन किया गया है, जिसमें जीके श्रीवास्तव, अनिल तंवर, तनवीर दाद, गुरविंदर एवं मुनीश अग्रवाल को शामिल किया गया है। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि डीएफए भोपाल द्वारा 22 जुलाई से तीन दिवसीय रेफरी वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा।

रोहित के शतक पर भारी पड़ी डकेट की सेंचुरी

इंग्लैंड ने भारत को 27 रनों से हराकर 2-1 से जीती वनडे सीरीज

● लंदन / (एजेंसी)

भारतीय टीम को इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के आखिरी वनडे में 27 रन से हार का सामना करना पड़ा है। इसी के साथ भारतीय टीम इस सीरीज में 2-1 से हार गई। इस मैच में इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 387 रन बनाए थे, जवाब में भारतीय टीम 360 रन ही बना पाई। भारत के लिए रोहित शर्मा ने 138 रन की पारी जरूर खेली, लेकिन वो टीम को जीत दिलाने के लिए काफी नहीं थी।

रोहित शर्मा बने नए सिक्सर किंग

खिलाड़ी	छक्के
रोहित शर्मा	343*
क्रिस गेल	342
विराट कोहली	179

डकेट ने ठोके 141 रन

तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा ने बेथेल का विकेट लेकर इस साझेदारी को तोड़ा। बेथेल 93 गेंदों पर 2 छक्कों और 11 चौकों की मदद से 91 रन की पारी खेलकर आउट हुए। डकेट ने अपने वनडे करियर का चौथा शतक लगाया। वह 135 गेंदों पर 1 छक्का और 18 चौके की मदद से 141 रन बनाकर आउट हुए।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड	रन	गेंद	4	6
डकेट कॉट एंड बो.प्रिंस	141	135	18	1
बेथेल कॉट रोहित बो.कृष्णा	91	93	11	2
रूट नाबाद	74	48	9	0
ब्रूक कॉट कोहली बो.कृष्णा	14	12	0	0
बटलर नाबाद	41	13	4	3

अतिरिक्त: 26, कुल रन: 387-3 (50.0)
बल्लेबाजी: करन, जैक्स, एटकिंसन, आर्चर, रशीद, टंग
विकेट पतन: 192-1,293-2,324-3.
गेंदबाज-अर्शदीप: 10-0-72-0, कृष्णा: 10-2-69-2, प्रिंस: 10-0-79-1, ब्रार: 10-0-97-0, अक्षर: 10-0-61-0.

भारत	रन	गेंद	4	6
रोहित बो. बेथेल	138	110	17	5
गिल एलबीडब्ल्यू बो.रशीद	77	84	10	1
कोहली कॉट ब्रूक बो.करन	74	60	4	3
किशन कॉट रेहान बो. करन	14	12	1	0
अय्यर कॉट रेहान बो.करन	0	3	0	0
राहुल बो.आर्चर	12	8	2	0
अक्षर कॉट जैक्स बो.करन	2	3	0	0
ब्रार नाबाद	18	14	1	1
अर्शदीप नाबाद	15	6	3	0

अतिरिक्त: 10, **कुल रन:** 360-7 (50.0).बल्लेबाजी नहीं की: प्रिंस, कृष्णा **विकेट पतन:** 147-1,260-2, 304-3, 304-4, 315-5, 327-6, 329-7. गेंदबाज- आर्चर: 10-0-63-1, एटकिंसन: 6-0-24-0, टंग: 5-1-43-0, करन: 10-0-75-4, रशीद: 8-0-64-1, जैक्स: 4-0-38-0, बेथेल: 7-0-49-1.

पोरेल पर दुष्कर्म और ब्लैकमेल करने के गंभीर आरोप

कोलकाता, (एजेंसी)

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल चुके क्रिकेटर अभिषेक पोरेल को गिरफ्तार किया जा सकता है। डॉक्टरी की पढ़ाई कर रही एक छात्रा ने क्रिकेटर पर दुष्कर्म व उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें लेकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। इस मामले में कलकत्ता हाई कोर्ट ने अभिषेक पोरेल समेत दो लोगों की गिरफ्तारी का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि आरोपियों के पास मौजूद इलेक्ट्रॉनिक उपकरण भी तत्काल जब्त किए जाएं ताकि कथित आपत्तिजनक तस्वीरें और प्रसारित न हो सकें। न्यायमूर्ति सौगत भट्टाचार्य की अदालत ने मगरा थाने की पुलिस को गिरफ्तारी का आदेश दिया। सुनवाई के दौरान आरोपियों की ओर से कोई अधिवक्ता उपस्थित नहीं था।

'काश मुझे मारा न होता', विक्रांत मैसी ने 'मिर्जापुर' से बाहर होने पर जताया दुख

विक्रांत मैसी जल्द ही आगामी वेब सीरीज 'प्रीतम एंड पेड्रो' में नजर आएंगे। इस बीच विक्रांत मैसी ने हिट वेब सीरीज 'मिर्जापुर' को लेकर बात की, जो अब 'मिर्जापुर : द मूवी' के नाम से फिल्म के रूप में बड़े पर्दे पर लौट रही है। लेकिन वेब सीरीज के पहले सीजन का हिस्सा रहे विक्रांत मैसी इस फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। इस बीच विक्रांत ने 'मिर्जापुर' के पहले सीजन में ही अपने किरदार बबलू पंडित के मर जाने पर दुख जताया। उन्होंने कहा कि काश मेकर्स उन्होंने मुझे मारा न होता।

जब 'मिर्जापुर : द मूवी' की घोषणा हुई थी तो फैंस को उम्मीद थी कि बबलू पंडित के किरदार में विक्रांत मैसी की फिल्म में वापसी होगी। लेकिन जब फिल्म का टीजर जारी हुआ तो ये साफ हो गया कि विक्रांत फिल्म का हिस्सा नहीं हैं। उनकी जगह 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार फिल्म में बबलू पंडित के किरदार में नजर आएंगे। अब हाल ही में एफएलओ बैंगलोर ऑफिशियल के साथ बातचीत में विक्रांत ने मिर्जापुर शो के बारे में बात की। उन्होंने बताया कि कैसे इसमें ज्यादातर पुरुष कास्ट और क्रू थे, जो उनके अनुसार पितृसत्ता और मेल ईगो में डूबे हुए थे। उन्होंने कहा कि जब 'मिर्जापुर' मेरे पास आया, तो असल में यह बस कुछ उत्साही लोगों का एक साथ आना था। इसमें कई शानदार महिलाएं भी शामिल थीं, लेकिन मुख्य रूप से शो में मान लीजिए लगभग 85% पुरुष शामिल थे। कैमरे के आगे और पीछे दोनों जगह। यह बस लोगों का एक समूह था जो एक साथ आए और कहा, 'चलो यह शो बनाते हैं।'

'मिर्जापुर' के पहले सीजन का हिस्सा थे विक्रांत

इस सीरीज में विक्रांत मैसी ने अली फजल के किरदार गुड्डू पंडित के भाई बबलू पंडित का किरदार निभाया था। उनके किरदार ने कहानी में गंभीरता और समझदारी भरी सोच जोड़ी। वह गुड्डू पंडित के लिए रणनीतिक दिमाग का काम करते थे। पहले सीजन में बबलू पंडित की मौत ही वह घटना थी, जिसने कॉलेज जाने वाले गुड्डू पंडित और कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी) के बेटे मुन्ना भैया (दिव्येंदु) के बीच जबरदस्त दुश्मनी को जन्म दिया। 2018 में रिलीज होने के बाद इस शो को बहुत ज्यादा लोकप्रियता मिली और तब से इसके तीन सफल सीजन आ चुके हैं।

क्या ट्रेंड को फॉलो नहीं करतीं अनन्या पांडे

सेलिब्रिटी पर हमेशा ट्रेंड्स के साथ चलने का दबाव रहता है। ऐसा इसलिए क्योंकि फैंस उन्हें अपना आदर्श मानते हैं। उन पर ये दबाव इसलिए भी रहता है कि क्योंकि ब्यूटी ट्रेंड्स रातों-रात बदल जाते हैं। हालांकि अनन्या पांडे के लिए, आज खूबसूरती का मतलब ट्रेंड्स को फॉलो करना नहीं, बल्कि अपनी असलियत को अपनाना है। बातचीत में एक्ट्रेस ने बताया कि वह कभी भी ब्यूटी ट्रेंड्स के पीछे नहीं भागतीं, बल्कि वही चीजें अपनाती हैं, जो उन्हें स्वाभाविक रूप से पसंद आती हैं।

अपने लिए सही चीजें चुनती हैं अनन्या

'कॉल मी बे' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं ट्रेंड्स को फॉलो वालों में से नहीं हूं। मुझे असल में ऑनलाइन सर्च करना पड़ता है कि अभी क्या ट्रेंड कर रहा है, वरना मुझे पता ही नहीं चलेगा। मुझे बस इतना पता है कि मेरे लिए क्या सही है।'

अनन्या का काम

अनन्या को फिल्म 'केसरी चैप्टर 2' और 'चांद मेरा दिल' जैसी हालिया फिल्मों में उनकी परफॉर्मेंस के लिए तारीफ मिली, हालांकि ये फिल्में बॉक्स ऑफिस पर कोई कमाल नहीं कर पाईं। सफलता और असफलता दोनों का अनुभव कर चुकी यह एक्ट्रेस बड़े पर्दे के जादू में पक्का यकीन रखती हैं।

नई पीढ़ी से अपील

अनन्या पांडे कहती हैं 'मुझे लगता है कि सिनेमा हमेशा रहेगा। मुझे थिएटर में जाकर हर तरह की फिल्में देखना पसंद है। मुझे सबसे ज्यादा मजा हर हफ्ते रिलीज होने वाली फिल्में देखने में आता है। मेरे लिए, फिल्में देखना मेरे बड़े होने का एक अहम हिस्सा रहा है। मैं नई पीढ़ी को थिएटर जाकर फिल्में देखने और हमारे सिनेमा को जिंदा रखने के लिए प्रोत्साहित करूंगी।'

अच्छी कहानी ही तय करती है फिल्म की सफलता

आज के दौर में बॉलीवुड और रीजनल सिनेमा की तुलना करते लोग हर तरफ देखने को मिल जाएंगे। इस पर अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने अपने विचार रखे हैं। इंटरव्यू में उन्होंने कहा कि किसी भी फिल्म इंडस्ट्री को एक ही नजरिए से देखना सही नहीं है। हर जगह अच्छी और खराब दोनों तरह की फिल्में बनती हैं। असली फर्क भाषा का नहीं, बल्कि कहानी और प्रस्तुति का होता है। आईएएनएस ने जब दिव्या दत्ता से पूछा कि क्या रीजनल सिनेमा कॉमेडी फिल्मों को बॉलीवुड से बेहतर तरीके से पेश कर रहा है, तो इस सवाल पर उन्होंने कहा, ''इस तरह की तुलना करना सही नहीं है। किसी भी कॉमेडी फिल्म की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि उसकी कहानी कितनी मजबूत है और उसे दर्शकों के सामने किस तरह पेश किया गया है। मेरा मानना है कि अगर कंटेंट अच्छा है, तो वह किसी भी भाषा में हो, दर्शकों को जरूर पसंद आता है।'' दिव्या दत्ता ने कहा, ''फिल्म इंडस्ट्री को भाषा के आधार पर बांटना ठीक नहीं है। चाहे फिल्म हिंदी में हो, किसी रीजनल भाषा में हो या फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनी हो, अगर कहानी दमदार है और उसे सही तरीके से दिखाया गया है तो वह लोगों के दिलों तक पहुंचती है। आज दर्शक काफी समझदार हो चुके हैं और वे सिर्फ नाम या भाषा देखकर फिल्म को पसंद नहीं करते, बल्कि कंटेंट को प्राथमिकता देते हैं।''

बहन करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं करीना कपूर

अभिनेत्री करीना कपूर खान अपनी बड़ी बहन करिश्मा कपूर से बेहद प्यार करती हैं और उनका बहुत सम्मान करती हैं। एक पुराने टॉक शो 'जीना इसी का नाम है' में करीना ने दिल खोलकर करिश्मा की तारीफ की थी।

एक खबर के अनुसार, करीना ने शो 'जीना इसी का नाम है' में बताया कि वह हर मामले में करिश्मा को अपना आदर्श मानती हैं। इसके साथ ही करीना ने कहा कि वह हमेशा उनकी तरह बनने की कोशिश करती हैं। उन्हें करिश्मा का आत्मविश्वास और बात करने का तरीका बेहद पसंद है।

करीना ने करिश्मा के लिए एक प्यारा सा वीडियो मैसेज भेजा था, जिसमें उन्होंने कहा, 'आपमें ऐसी बहुत सी बातें हैं, जो मुझे बहुत पसंद हैं। आज के समय में ऐसी लड़कियां बहुत कम होती हैं, जो इतनी समझदार हों और जिन्हें पता हो कि लाइफ में क्या करना है।' करीना ने आगे कहा, 'मैं हर तरह से आपके जैसी बनना चाहती हूं और इसके लिए पूरी कोशिश भी कर रही हूं। मेरे साथ हमेशा खड़े रहने और मेरी ताकत बनने के लिए शुक्रिया, क्योंकि आपके बिना मैं एक मिनट भी नहीं रह सकती।'

शो 'जीना इसी का नाम है' के दौरान होस्ट फारूक शेख ने दोनों बहनों का बचपन का एक पुराना वीडियो भी दिखाया। इस वीडियो में करिश्मा बड़े प्यार से अपनी छोटी बहन करीना को खाना खिलाती नजर आ रही थीं। इस वीडियो को देखकर दोनों भावुक हो गईं।

राजकुमार हिरानी ने बताया कैसे 'प्रीतम एंड पेड्रो' में बेटे वीर को मिला रोल

फिल्ममेकर राजकुमार हिरानी साइबरक्राइम कॉमेडी-ड्रामा 'प्रीतम एंड पेड्रो' के साथ ओटीटी की दुनिया में कदम रख रहे हैं। यह सीरीज इसलिए भी खास है क्योंकि इससे उनके बेटे वीर हिरानी एक्टिंग में डेब्यू कर रहे हैं। लेकिन आम स्टार-किड्स की तरह वीर के लिए यह रोल पाना आसान नहीं था। उनके पिता ने शुरू से ही साफ कर दिया था कि कोई शॉर्टकट या खास रियायत नहीं मिलेगी।

कहानी लिखते समय वीर का नाम दिमाग में नहीं था

बातचीत में राजकुमार हिरानी ने कहा कि जब यह सीरीज शुरू में बन रही थी, तब उनके बेटे का नाम कास्टिंग के लिए नहीं सोचा गया था। जब हमने लिखना शुरू किया, तो न तो अरशद और न ही वीर का नाम जहन में था। लिखते समय आप कास्ट के बारे में नहीं सोचना चाहते क्योंकि इससे आप अटक सकते हैं। उस समय वीर लंदन की रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट में अपनी ट्रेनिंग पूरी कर रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि मैंने उससे कहा था कि ड्रामा स्कूल से वापस आओ, थिएटर करो और दिलचस्प काम करके एक एक्टर के तौर पर अपनी पहचान बनाओ। घर और ऑफिस में कास्टिंग पर हो रही बातचीत को देखने के बाद ही वीर ने इस रोल में दिलचस्पी दिखाई। लेकिन उनके पिता ने तुरंत कुछ नियम तय कर दिए।

मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता

राजकुमार हिरानी ने बताया कि मैंने वीर से कहा कि अगर तुम इसके लिए ऑडिशन देना चाहते हो, तो दो। अविनाश अरुण से मिलो। उन्हें मनाओ क्योंकि वही इसे डायरेक्ट कर रहे हैं। मैं अपनी मर्जी नहीं चला सकता। भले ही यह मेरी सीरीज हो, तुम्हें ऑडिशन देना ही होगा। यह मत सोचना कि सिर्फ मेरे बेटे होने की वजह से तुम्हें यह रोल मिल जाएगा। वीर ने इस प्रोसेस को गंभीरता से लिया। कहा जाता है कि वह हर रात एक दोस्त के साथ सीन की रिहर्सल करते थे, कई ऑडिशन टेप रिकॉर्ड करते थे और सिर्फ सबसे अच्छे टेप ही मेकर्स को भेजते थे। उन्हें यह रोल पूरी तरह से अपनी काबिलियत के दम पर मिला।

'जूही मुई' में अपने करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं ईशा सिंह

टीवी अभिनेत्री ईशा सिंह इन दिनों अपने आने वाले शो 'जूही मुई' को लेकर चर्चा में हैं। इस शो में वह अपने करियर का अब तक का सबसे चुनौतीपूर्ण किरदार निभाने जा रही हैं। ईशा इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाली लड़की 'जूही' की भूमिका में नजर आएंगी। अपने इस किरदार की तैयारी और ऑटिज्म को लेकर समाज में फैली गलतफहमियों पर अभिनेत्री ने खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि आज भी बड़ी संख्या में लोग ऑटिज्म को बीमारी समझते हैं, जबकि यह एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। एक इंटरव्यू में ईशा सिंह ने कहा, ''आज भी बहुत से लोग ऑटिज्म को सही तरीके से नहीं समझते। जागरूकता की कमी पढ़े-लिखे लोगों के बीच भी देखने को मिलती है। मेरे अपने दोस्तों में भी ऐसे लोग हैं जिन्हें ऑटिज्म के बारे में सही जानकारी नहीं है। ऐसे में सबसे जरूरी बात यह है कि लोग इस विषय को समझें और इसके बारे में सही जानकारी हासिल करें।''

ईशा सिंह ने कहा, ''ऑटिज्म को लेकर सबसे बड़ी गलतफहमी यह है कि लोग इसे बीमारी मान लेते हैं। जबकि सच यह है कि ऑटिज्म कोई बीमारी नहीं, बल्कि मस्तिष्क के विकास से जुड़ी एक न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। कुछ माता-पिता यह सोचते हैं कि ऑटिज्म एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैल सकता है, जबकि यह पूरी तरह गलत धारणा है। ऑटिज्म न तो संक्रामक है और न ही यह किसी तरह की बीमारी है।''

अभिनेत्री का कहना है कि ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले बच्चे अक्सर बेहद बुद्धिमान, संवेदनशील और प्यार करने वाले होते हैं। उन्हें समाज से सहानुभूति नहीं बल्कि समझ और स्वीकार्यता की जरूरत होती है। ऐसे बच्चों को बदलने की कोशिश करने के बजाय उन्हें उसी रूप में स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति अपनी अलग पहचान और विशेषताओं के साथ दुनिया में आता है। अपने नए शो में निभाए जा रहे किरदार को लेकर ईशा सिंह ने कहा, ''यह मेरे करियर का सबसे चुनौतीपूर्ण और जिम्मेदारी भरा रोल है। चूंकि यह एक बेहद संवेदनशील विषय है, इसलिए मैंने इसकी तैयारी में कोई कमी नहीं छोड़ी। मेरा उद्देश्य ऑटिज्म से जुड़े लोगों की भावनाओं और व्यवहार को पूरी ईमानदारी के साथ दर्शकों तक पहुंचाना था।''

ईशा ने कहा, ''इस किरदार की तैयारी के दौरान मैंने ऑटिज्म पर आधारित कई इंटरव्यू देखे, विशेषज्ञों और लोगों से बातचीत की, इस विषय पर काफी रिसर्च की और कई किताबें भी पढ़ीं। यह सीखने की प्रक्रिया अभी भी जारी है। जूही का किरदार निभाते हुए मुझे हर दिन कुछ नया सीखने को मिल रहा है। मैंने अपने स्टडी, लोगों के अनुभव और अपनी व्यक्तिगत समझ को मिलाकर इस किरदार को तैयार किया है।''

अभिनेत्री ने बताया, ''जूही के किरदार के लिए मुझे अपने चलने, बोलने, बैठने, प्रतिक्रिया देने और भावनाओं को व्यक्त करने के तरीके पर भी बारीकी से काम करना पड़ा। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर रहने वाले लोग हर भावना को गहराई से महसूस करते हैं, लेकिन जरूरी नहीं कि वे उसे सामान्य तरीके से व्यक्त कर पाएं। इसी बात को ध्यान में रखते हुए मैंने अपने अभिनय में किसी तरह का दिखावा नहीं रखा, बल्कि छोटे-छोटे हाव-भाव और स्वाभाविक अभिव्यक्ति पर विशेष ध्यान दिया।''

ईशा सिंह ने कहा, ''मुझे विश्वास है कि जब दर्शक 'जूही मुई' देखेंगे तो उन्हें मेरे किरदार की कई ऐसी बारीकियां नजर आएंगी, जिन पर पूरी टीम ने काफी मेहनत की है। अगर इस शो के जरिए कुछ लोग भी ऑटिज्म को लेकर अपनी सोच बदलते हैं और इसे सही तरीके से समझ पाते हैं, तो मेरी मेहनत सफल मानी जाएगी।''

मोहम्मद जोशी के लिय टाइम्स मास कम्युनिकेशन प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पंजीकृत कार्यालय जे 85 सीमापुरी, दिल्ली से प्रकाशित इंकलाब भारत प्रेस जे एण्ड के दिलशाद गार्डन दिल्ली से मुद्रित संपादकीय कार्यालय समाचार भवन एफ-126 शाहिद नगर, चिकम्बरपुर, साहिबाबाद, गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201006 ईमेल : shabdwanisamchaarw2003gmail.com www. shabdawanisamachar.page संपादक मोहम्मद जोशी ,सलाहकार संपादक : अशोक लालवानी

refresh MATTRESS
SLEEP HEALTHY. Wake beautiful.
HDFC BANK
We understand your world
Mega Exchange Offer
Limited time only
Zero Down Payment &
EMI Available on Selected Models
• Get Value upto ₹12000/- for Old Mattress
• Assured Gifts upto ₹12448/-
• Total Exchange Benifits ₹24448/-
BLOSSOM
PRISTINE
Offer available on
1pc of 72" x 60" or 2pcs of 72" x 30"
and above
Hurry !!! Rush to your nearest dealer
Customer care no. : 18001209630